HRA AN USIUS The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

₩o 19]

नई विल्ली, शनिवार, मई 8, 1976 (वैशांख 18, 1898)

No. 19]

NEW DELHI, SATURDAY, MAY 8, 1976 (VAISAKHA 18, 1898)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III--खण्ड 1 PART III--SECTION 1

उन्ह न्यामालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेस विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा श्रायोग

मई दिल्ली-110011, दिनांक 27 मार्च 1976

सं० पी०-1776/प्रणा०-II—संगणक विज्ञान एकक, भारतीय सांख्यिकी संस्थान, कलकत्ता के भूतपूर्व लैक्बरर श्री के० एस० नायक को संघ लोक सेवा ध्रायोग के कार्यालय में 2-3-76 से 1-5-76 तक (दोनों दिनों सिहत) प्रोग्रामर के पद पर नियुक्त किया गया है।

दिनांक 2 श्रप्रैल 1976

सं० पी० 1765/प्रशासन-II—संघ लोक सेवा प्रायोग की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 10-2-1976 के प्रनुक्रम में महानिदेशक, डाक और तार, नई दिल्ली के कार्यालय में स्थानापन्न प्रमुभाग अधिकारी श्री के० एन० बोहरा को संघ लोक सेवा प्राथोग के कार्यालय में 1-3-1976 से एक मास की प्रतिरिक्त प्रविध के लिए, अथवा भागाभी प्रावेशों तक, जो भी पहले हो, प्रतिनियुचित ग्राधार में भनुसंधान ग्रिधकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहने की ग्रनुमति दी जाती है।

पी० एन० मुखर्जी, अवर सचिव कृतें अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग मई दिल्ली-110011, विनांक 23 मार्च 1976 सं० ए०-32014/1/74-प्रशासन-1—संघ लोक सेवा श्रायोग संवर्ग के स्थायो वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड-सी) श्री पी० पी० सिक्का को राष्ट्रपति द्वारा 2-3-75 (पूर्वाह्म) से 30-4-76 तक 60 दिन की श्रवधि के लिए प्रवंदा श्रायभी और आदेशों तक, जो भी पहले हो, उसी संवर्ग में पूर्णतः श्रास्थायी और तदर्थ रूप से वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड-वी) के पद पर स्थानापन्न श्राधार पर कार्य करने के लिए कियुक्त किया जाता है।

2. श्री पी० पी० सिक्का को नोट कर लेना चाहिए कि बरिष्ठ बै० स० (के० स० स्टे० से० का ग्रेड बी) के पद पर उनकी नियुक्ति पूर्णतः श्रस्थायी श्रीर तदर्थ शाक्षार पर है तथा के० स० स्टे० से० के ग्रेड-बी में संविक्तयन श्रथका उस ग्रेड में वरिष्ठता के लिए उनका कोई श्रीधकार नहीं होगा।

पी० एन० मुखर्जी अवर सचिव (प्रशासन प्रभारी) संघ लोक सेवा आयोग

नई पिल्ली-110011, दिनांक 23 मार्च 1976 सं॰ ए॰-32014/1/74-प्रमासन-I--संघ लोक सेवा

56G1/76

(3789)

ग्रायोग के के० स० स्टे० से० संवर्ग के स्थायी ग्रेड-सी श्रधिकारी श्री पी० कि० सिक्ता को, जिन्हें इस कार्यालय की समसंख्यक श्रधिसुखना दिनांक 17 जनवरी, 1976 द्वारा उक्त सेवा के ग्रेड-बीलमें पूर्णतया तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन रूप में कार्य करने के खिए नियुक्त किया गया था। 1-3-1976 के पूर्वाह्म से उसी सेवा के ग्रेड-सी में उसी संवर्ग में प्रत्यावर्तित कर दिया गया है।

विनांक 29 मार्च 1976

सं० ए०-32014/1/74-प्रांशासन-I—संघ लोक सेवा प्रायोग के संवर्ग में केन्द्रीय सचिवालय स्टेनोग्राफर सेवा के स्थायी ग्रेड 'ग' श्राधिकारी श्री एस० पी० मेहरा को, जिन्हें इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 17-1-1976 द्वारा उक्त सेवा के ग्रेड 'ख' में पूर्णतः तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहने के लिए श्रनुमति दी गई थी, 1 मार्च, 1976 के पूर्वाह्म से उक्त सेवा के ग्रेड 'ग' में प्रत्यावर्तित कर दिया गया है।

सं०ए०-32014/1/75-प्रशासन-I—संघ लोक सेवा धायोग के संवर्ग में के० स० स्टे० सेवा के स्थानापन्न ग्रेड 'ख' अधिकारी श्री एम० सी० खुराना को, जिन्हें इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूत्रना दिनांक 17 जनवरी, 1976 द्वारा 29-2-76 तक उक्त सेवा के चयन ग्रेड में पूर्णतः तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहने के लिए श्रनुमित दी गई थी, 1-3-76 के पूर्वाह्म से उसी संवर्ग में उक्त सेवा के ग्रेड 'ख' म प्रत्यावर्वित कर विया गया है।

दिनांक 30 मार्च 1976

सं० ए०-32014/1/76-प्रणासन-I—संघ लोक सेवा प्रायोग के संवर्ग में स्थानापन्न वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड-बी) श्री एम० सी० खुराना को राष्ट्रपति द्वारा 1-4-1976 से 16-5-1976 तक 46 दिन की प्रविध के लिए प्रयावा प्राणामी प्रादेशों तक, जो भी पहले हो, उसी संवर्ग में निजी सचिव (के० स० स्टे० से० का चयन ग्रेड) के पद पर ग्रस्थायी प्रौर तवर्थ रूप से स्थानापन्न ग्राधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

पी० एन० मुखर्जी श्रवर सचिव संघ लोक सेवा ग्रायोग

प्रवर्तन निदेशालय मित्रमंडल सिववालय मित्रमंडल सिववालय कार्मिक श्रीर प्रशासिनिक सुधार विभाग नई दिल्ली-1, दिनांक 25 मार्च 1976

फार्व संव ए०-24/5/75—निम्नलिखित प्रवर्तन प्रधिकारी, मुख्य प्रवर्तन अधिकारी के पद पर उनके द्वारा प्रपने पद का कार्यभार प्रहण करने की तारीख से अगले प्रादेशों तक के लिए स्थानापन्न के रूप से नियुक्त किए गए हैं। उनके कार्य के स्थान भीर पद का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख उनके नाम के सामने दी गई।

क्रम सं०	न(म	कार्यकास्थान	कार्यभार ग्रहण करने तारीख
1.	श्री एस० एम० बेनर्जी	गोहाटी	10-3-76
2.	श्री बी० के० दास	जालंधर	8-3-76
3.	श्री बी० एन० चौ धरी	हैदराबाद	15-3-76
4.	श्री के० पी० देसाई	कालीकट	9-3-76
	•	•	9-3-

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली-1, दिनांक 5 प्रप्रैल 1976

सं० पी०-4/73-प्रशासन-5—राष्ट्रपति प्रपने प्रसाद से उत्तर प्रदेश संवर्ग के भारतीय पुलिस सेवा प्रधिकारी श्री पी० वी० हिंगोरानी की दिनांक 5 प्रप्रैल, 1976 के पूर्वास्त्र से प्रगले प्रादेश तक के लिए, 3,000/- ६० (तीन हजार ६५ए केवल) के मासिक नियत वेतन पर स्थानापन्न प्रपर-निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं विशेष पुलिस-महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, नई दिल्ली के रूप में नियकत करते हैं।

गुलजारी लाल ग्रग्नवाल प्रशासन प्रधिकारी (स्था०) केन्द्रीय **भ**न्वेषण ब्यूरो

गृह मंत्रालय

महा निदेशालय, के० रि० पु० दल नई दिल्ली-110001, दिनांक भ्रप्रेल 1976

सं० पी० VII-4/76-स्थापना----राष्ट्रपति, निम्नलिखित सूबेदार मेजरों/सूबेदारों के० रि० पु०दल को ग्रगला ग्रादेश जारी होने तक पुलिस उप-ग्रधीक्षक के पद पर पदोन्नति करते हैं।

 उन्होंने ग्रपने पद का कार्यभार उनके नामों कि ग्रागे वी गई बटालियनों/ग्रुप सेन्टरों में दी गई तारीख से सम्भाला।

ऋम	ध्रधिकारी का	बटा लियन/	पद भार
सं०	नाम	ग्रुप सेन्टर जिसमें पद ग्रहण किया	्संभालने की तिथि
1. श्री	पी० एस० यादव	50 बटालियन	8-2-76 (पूर्वाह्न)
2. श्री	सरवारी लाल सेठ	45 बटालियन	18-3-76 (पूर्वाह्न)

सं० डी० 1-8/75-स्थापना—-राष्ट्रपति, विल्ली प्रशासन के सीनियर परासीक्यूटर, श्री ए० एन० सैंगल को, के० रि० पु० दल में, पुलिस उप-श्रधीक्षक (कम्पनी कमांडर/क्वाटर मास्टर) के पद पर ध्रगला प्रादेश जारी होने तक ग्रस्थाई रूप से प्रतिनियुक्त करते हैं।

उन्होंने, 55 बटालियम के० रि० पु० वल में उप-ग्रधीक्षक पुलिस का कार्यभार दिनांक 1 मार्च, 1976 (पूर्वाह्म) से संभाला। ए० के० बन्द्योपाध्याय सहायक निवेशक (प्रशासन)

> भारत प्रतिभूति मुद्रणालय विक्त मंत्रालय

> > (ग्रर्थ विभाग)

नासिक रोड, दिनांक 6 अप्रैल 1976

सं ं 36/ए० — दिनांक 29-1-76 के क्रम में श्री श्रार० डी० कुलकर्णी को प्रशासन श्रधकारी के पद पर भारत प्रतिभूति मुद्रणालय में तदर्थ रूप में उन्हीं शतीं के साथ 31 मई 1976 तक नियुक्त करते हैं।

> वि० ज० जोशी महाप्रबन्धक भारत प्रतिभृति मुद्रणालय

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग कार्यालय, महालेखाकार (एक), मध्य प्रदेश ग्वालियर, दिनांक 22 मार्च 1976

सं शो० ई० 1/579---कार्यालय महालेखाकार, मध्य प्रदेश I के स्थायी लेखाधिकारी श्री एन० एस० ठाकूर की ग्रधि- वार्षिकी की श्रायुहो जाने पर दिनांक 31-10-76 (श्रपराह्न) से शासकीय सेवा से निवृत्त होने की श्रनुमित प्रदान की जाती है ।

सं० भ्रो ० ई० I/580— कार्यालय महालेखाकार, मध्य प्रदेश I के स्थायी लेखाधिकारी श्री व्ही० बी० शिधये को अधि- वार्षिकी/श्रायु हो जाने पर दिनांक 31-7-76 (अपराह्म) से शासकीय सेवा से निवृत्त होने की श्रनुमति प्रदान की जाती है।

सं श्रो । ई । 1/581—कार्यालय महालेखाकार, मध्य प्रदेश I के स्थानापन्न लेखाधिकारी श्री जे । एन श्रीवास्तव की श्रिधि-वार्षिकी की श्रायु हो जाने पर दिनांक 31-10-76 (श्रपराह्म) से शासकीय सेवा से निवृत्त होने की श्रनुमित प्रदान की जाती हैं।

एस० एल० मलहोस्ना वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महा नियंत्रक नई दिल्ली-22, दिनांक 5 अप्रैल 1976

सं० 18354/प्रणासन-II—वार्धकर्य निवर्तन की श्रायु प्राप्त कर लेने पर श्री कृष्ण कुमार पाठक, रक्षा लेखा सहायक नियंत्रक को पेंगन स्थापना को अन्तरित कर दिया जाएगा श्रौर उनको 31 जुलाई, 1976 के श्रपराह्म से विभाग की नफरी से निकाल दिया जाएगा ।

सं० 40011(2)/75-प्रशासन ए०--(1) बार्धक्य निवर्तन की श्रायु प्राप्त कर लेने पर निम्नलिखित लेखा अधिकारी प्रत्येक के नाम के सामने लिखी तारीख के श्रपराह्म में पेंशन स्थापना को श्रम्तरित कर दिए जाएंगे :---

कम सं०	नाम रोस्टर संख्या सहित			ग्रेड	पेंशन स्थापना को अन्तरण की तारीख	संगठन
1	2			3	4	5
	सर्वश्री					
1.	्सुरिन्दर नाथ (पी०/26)	•	•	स्थायी लेखा श्रधिकारी	31-5-76	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ ।
2.	परषोत्तम दयाल (पी०/171)	•	•	स्थायी लेखा प्रधिकारी	3 0- 4-76	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, भेरठ ।
3.	मोहन लाल सेठी (पी०/238)	•	•	स्थायी लेखा भ्रधिकारी	3 1- 5 - 7 6	रक्षा लेखा नियंत्रक (ग्रन्य रैंक), उत्तर मेरठ ।
4.	वी० एस० कामत (पी०/251)			स्थायी लेखा ग्रधिकारी	30-6-76	रक्षालेखा नियंत्रक (ग्रफसर), पूना ।

1	2		3	4	5
_	सर्वश्री				
5.	इन्दरभान रायजादा (पी०/496) .		स्थायी लेखा श्रधिकारी	31-5-76	रक्षा लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज),
6.	वीव भ्रनन्त क्रष्णम (पी०/510) .		स्थायी लेखा श्रधिकारी	30-6-76	कलकत्ता । रक्षालेखा नियंत्रक (भ्रन्य रैकं),
7.	के० एन० एल० वत्स (पी०/565)	•	स्थायी लेखा भ्रधिकारी	30-6-76	दक्षिण, मद्रास । रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान,
8.	बीरेन्द्र नाथ चटर्जी (पी०/585) .		स्थायी लेखा ग्रधिकारी	31-5-76	मेरठ । रक्षा लेखा नियंसक (पेंशन),
9,	शानःचन्द (पी०/630) .		स्थायी लेखा ग्रधिकारी	30-6-76	इलाहाबाद । रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान,
0.	पी ः ग्रो॰ फिलिप (श्रभी नियत नहीं)		स्थानापन्न लेखा ग्रधिकारी ।	31-5-76	मेरङ । रक्षा लेखा नियंत्रक (झन्य रैंक), वक्षिण, मब्रास ।

- वक्षिण, मद्रास ।
 (2) केन्द्रीय सिविल सेवा विनियमावली जिल्द I के अनुच्छेद 459 (झ) के प्रावधानों के अन्तर्गत स्वेच्छा से सेवा निवृत्ति का नोटिस देदिए जाने पर, श्री निरंजन सिंह, स्थायी लेखा घ्रधिकारी (रोस्टर संख्या पी०/622) को जो रक्षा लेखा नियंत्रक (बायुसेना) के संगठन में सेवारत हैं, 26-5-76 के पूर्वीह्न से पेंशन स्थापना को अन्तरित कर दिया जाएगा । इस विभाग की श्रधिसूचना संख्या 40011(2)/75-प्रशा० ए० दिनांक 17-3-76, की क्रम संख्या 8 में की गई प्रविधिटयां
 - (3) रक्षा लेखा महा नियंत्रक श्री ए० पी० बोस, स्थायी लेखा श्रिधिकारी (रोस्टर संख्या पी०/156/जो कि रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना के संगठन में सेवारत थे, के 19-3-76 को हुए निधन को खेद के साथ श्रधिसूचित करते हैं। तदनुसार श्री ए० पी० बोस को 20-3-76 (पूर्वाह्म) से विभाग की नफरी से निकाल दिया गया है।

एस० के० सुन्दरम रक्षालेखान्नपरमहानियंत्रक (प्रशा०)

श्रमः मन्त्रालयः श्रमः ब्युरो,

शिमला-171004, दिनांक 8 मई 1976 सं 23/3/76-सी । पी । श्राई मार्च 1976 में ओद्योगिक श्रमिकोंका अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार 1960-100-फरबरी, 1976 के स्तर से चार अंक घट कर 286 (दो सी छियासी) रहा। मार्च, 1976 माह का सूचकांक 1949 आधार वर्ष पर परिवर्तित किए जाने पर 248 (तीन सो अङ्-सालीस) भाता है।

आनन्द स्वरूप भारद्वाज संयुक्त निर्वेशक

जो कि श्रीनिरंजन सिंह से सम्बन्धित हैं रद्द कर दी गई हैं।

रक्षा भंजालय भारतीय ग्रार्डनैन्स फैक्टरियां महाभिदेशालयः ग्रार्डनैन्स फैक्टरियां

कलकत्ता-700069, विनांक 31 मार्च 1976

सं० 76/एम०—-राष्ट्रपति ने, डा० बी० बी० कर, सहायक, सर्जन ग्रेड-1, गन एण्ड शेल फैक्टरी, काशीपुर की दिनांक 1-3-76 से, एक वर्ष की सेवा वृद्धि स्वीकृत किया। ग्रार० एम० मजुमवार

महातिदेशक, मार्डनैन्स फैक्टरियां

इस्पात ग्रौर खान मंत्रालय (खान विभाग) भारतीय खान व्यूरो

नागपुर, दिनांक 3 म्रप्रैल 1976

सं ए 19012 (73)/76-स्था ए -श्री बी वेंकट राब, स्थायिवत वरिष्ठ तकनीकी सहाय (भूविज्ञान) की दिनांक 8 मार्च, 1976 के पूर्वाह्न से धागामी धादेश होने तक भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापन्न सहायक खनन भूविज्ञानी के रूप में पदोन्नति की जाती है।

> ए० के० राघवाचारी वरिष्ठ प्रशासन श्रक्षिकारी कृते नियंत्रक

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण कलकत्ता-700013, दिनांक 5 ग्रप्रेल 1976

सं० 2222 (एस० सी०)/19ए०--कुमारी सिबानी चौधुरी को सहायक भूषेज्ञानिक के रूप में, भारतीय भूषेज्ञानिक सर्वेक्षण में, 650 रु० प्रति माह के प्रारंभिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, घस्याई क्षमता में, घागामी घादेश होने तक 18 फरवरी, 1976 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

सं० 40/59/सी०/19 ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के श्रधीक्षक श्री एस० के० महन्ता को सहायक प्रशासनिक अधिक कारी के रूप में उसी विभाग में, वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40 1200 र० के वेतनमान में, तदर्थ श्राक्षार पर, श्रागामी श्रादेश होने तक 9-3-1976 के पूर्वाह्म से पदोश्रति पर नियुक्त किया जाता है।

सं० 21/71/19 सी०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के हवाई खनिज सर्वेक्षण और समस्वेषण विंग के भूवैज्ञानिक (कनिष्ठ) श्री ए० कृष्णा मूर्यी ने श्रपना कार्यभार 21 श्रक्तुबर, 1975 के श्रपराह्म से त्याग दिया है ताकि वे शांध प्रदेश सरकार में, घरिष्ठ जल-भूवैज्ञानिक (हाइड्रोजियोलाजिस्ट) के पद का कार्यभार प्रसिनियुक्ति पर संभाल सकें।

> वी० के० एस० वरदन महानिदेशक

सूचना श्रौर प्रसारण मंत्रालय फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 6 श्रप्रैल 1976

सं० 42/पी० एफ०/48-सिबन्दी-1---फिल्म प्रभाग के प्रमुख निर्माता ने श्री के० एस० नायर, ग्रस्थाई मुख्य लेखापाल को फिल्म प्रभाग, बम्बई में दिनांक 20-3-1976 से लेखा प्रधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

श्चार० एस० शर्मा प्रशासकीय श्वधिकारी कृते प्रमुख निर्माता

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय नई दिल्ली, दिनांक 7 श्रप्रैल 1976

सं० ए०-22012/5/76-सी० एच० एस०-1—श्रपने तबादले के फलस्वरूप केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के विशेषज्ञ ग्रेड-2 की एक ग्रधिकारी जा० (श्रीमती) पी० पंकजम् ने 5 फरवरी, 1976 के पूर्वाह्म से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना प्रसूती ग्रस्पताल, रामकृष्णपुरम्, नई दिल्ली, में विशेषज्ञ एवं चिकित्सा ग्रधीक्षक के पद का कार्यभार संभाल लिया ।

2. आ ० (श्रीमती) पी० पंकजम्, ने 4 फरवरी, 1976 के अपराह्म से सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली, में प्रसूती एवं स्त्री रोग विद् (केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के विशेषज्ञ ग्रेड-2) के पद का कार्यभार छोड़ दिया ।

रवीन्द्र नाथ तिवारी उप-निदेशक (प्रशासन)

कृषि भौर सिचाई मंत्रालय (ग्राम विकास विभाग) विपणन भौर निरीक्षण निदेशालय . (प्रधान णाखा कार्यालय) नागपुर, दिनांक मई 1976

सं० फां० 5/11/69-विकास-JI—भारत सरकार के विस्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) सीमा शुल्क श्रिधसूचना सं० जी० एस० ध्रार०-448 दिनांक 14-3-1964 के लिए में एतद्द्वारा निम्नलिखित श्रिधकारियों को इस श्रिधसूचना के जारी किए जाने की तारीख से 6 माह के लिए खाने के श्रालू, जिनका श्रेणीकरण कृषि उपज (श्रेणीकरण श्रौर चिह्नन) श्रिधनियम, 1937 (1937 का 1) के खण्ड 3 के श्रिधीन सूत्रीकृत श्रौर समय-समय पर संशोधित खाने के श्रालू श्रेणीकरण श्रौर चिह्नन नियमों के उपबन्धों के

श्रनुसार किया <mark>जा चुका है, के सम्बन्ध में श्रेणीकरण प्रमाण-पक्ष</mark> जारी करने के लिए प्राधिकृत करता हूं।

नाम	पद
(1) श्रीः ग्रार० पी० सचदेव	सहायक विपणन ग्रधिकारी
(2) श्रीएम० सी० चत्रवर्ती	सहायक विपणन प्रधिकारी
	जे० एस० उप्पल
	क्रूषि विपणन सलाहकार

महानिवेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, विनांक 3 अप्रैल 1976

सं० ए०-31013/2/75-ई० एस०---राष्ट्रपति ने, श्री जी० सत्यनारायणं को 1 जनवरी, 1976 से नागर विमानन विभाग में वरिष्ठ विमान निरीक्षक के ग्रेड में स्थायी रूप में नियुक्त किया है।

दिनांक 6 मंत्रेल 1976

सं० ए०-32013/1/76-ई० सी०—राष्ट्रपति ने, नियंत्रक संचार, मद्रास के कार्यालय के श्री की० एम० माध्य राव, तकनीकी ग्रधिकारी को श्री एस० बी० ग्रध्यर, वरिष्ठ तकनीकी ग्रधि-कारी की छुट्टी रिक्ति में 2 फरबरी, 1976 से 69 विन की भवधि के लिए क्षेत्रीय निदेशक, मद्रास के कार्यालय में तदर्थ ग्राधार पर वरिष्ठ तकनीकी ग्रधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

सं० ए०-32013/4/75-ई० सी०—राष्ट्रपति ने, नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र, इलाहाबाद के श्री एच० एल० धीमान, सहायक तकनीकी ग्रधिकारी को 2 मार्च, 1976 (पूर्वाह्र) से तथा ग्रगले श्रादेश होने तक, नियमित ग्राधार पर तकनीकी ग्रधिकारी के पद पर निमुक्त किया है तथा उन्हें उसी स्टेशन पर तैनात किया है।

विनांक 7 भ्रप्रैल 1976

सं० ए०-32013/4/75-ई० सी०—राष्ट्रपति ने, वैमानिक संचार स्टेशन, बंगलूर के श्री के० एस० श्रीनिवासन, सहायक तकनीकी ग्रिधकारी को 8-3-1976 (पूर्वाह्न) से नियमित ग्राधारपर तकनीकी ग्रिधकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है सथा उन्हें वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास में तैनात किया है।

विनांक 8 मप्रैल 1976

सं० ए०-32014/2/75-६० सी०—महानिदेशक, नागर विमानन ने वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई के श्री जी० एल० रेलवानी, तकमीकी सहायक को 9 फरवरीं, 1976 (पूर्वाह्न) से तथा श्रगले श्रादेश होने तक, नियमित श्राधार पर सहायक तकनीकी श्रधकारी के पद पर नियुक्त किया है तथा उन्हें उसी स्टेशन पर तैनात किया है।

(इस विभाग की दिनांक 3-3-1976 की ग्रिधसूचना सं० ए०-32014/2/75-ई० सी० रह की जाती है।)

> हरबंस लाल कोहली उप-निदेशक (प्रशासन)

केन्द्रीय उत्पाद शुरुक तथा सीमा शुरुक समाहसलिय नागपुर-440001, विनांक 23 अक्तुबर 1975

सं० 24/75—नागपुर केन्द्रीय उत्पाद शुक समाहर्ता क्षेत्र के निरीक्षक (सा० श्रे०) श्री जी० सी० लाल जो ग्रपात-कालीन जोखिम बीमा योजना कानपुर में प्रवर्तन ग्रधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्त थे, के स्थानापन्न ग्रधीक्षक, श्रेणी-II, केन्द्रीय उत्पाद शुरुक नियुक्त होने पर नरकोटिक्स विभाग में तिलहर में दिनांक 7 श्रगस्त, 1975 के श्रपराह्म में जिला श्रफीम ग्रधिकारी (श्रधीक्षक श्रेणी-II) शाहजहांपुर का पदभार संभाल लिया।

दिनांक 20 नवम्बर 1975

सं० 29/75—निम्नलिखित निरीक्षक (प्र० श्रेणी) केन्द्रीय उत्पाद णुल्क ने स्थानापन्न श्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद णुल्क श्रेणी-II केपदपर नियुक्त होने पर नीचे लिखे श्रनुसार ग्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद णुल्क श्रेणी-II का कार्यभार संभाल लिया :---

ऋम सं०	श्रधिकारी का नाम	प्रतिस्थापना का स्थान	कार्यभार संभालने के तिथि
1.	श्री के० एस० पुराणिक	प्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद गुल्क बहुपदीय प्रधि- कारी रेंज-II रतलाम ।	30-9-1975 (पूर्वाह्म)
2.	श्री एन० भ्रार० गुहा	ग्रधीक्षक,केन्द्रीय उत्पाद णुल्क (नि० स०) बी० एस० पी०, भिलाई ।	27-10-1975 (पूर्वाह्न)
3.	श्री घो० बी० रिछारिया	. भ्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद णुल्क (नि वा०) प्रभाग-11, नागपुर ।	10-11-1975 (पूर्वाह्म)

सं० 30/75—श्री ए० वी० दामले, श्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, श्रेणी-II, नागपुर समाहर्ता क्षेत्र को दिनांक 17-10-1975 से सरकारी सेवा से निकाल दिया गया है।

सं० 31/75—प्रधोहस्ताक्षरी सखेद यह प्रधिसूचित करते हैं कि नागपुर समाहर्ता क्षेत्र के श्री एल० ग्रार० ठुसे, श्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद गुल्क श्रेणी-II का दिनांक 11 श्रक्तूबर 1975 को स्वर्गवास हो गया।

दिनांक जनवरी 1976

सं० 27/75—निम्नलिखित निरीक्षक (प्र० श्रे०) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ने स्थानापन्न श्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी-II के पद पर नियुक्त होने पर नीचे लिखे श्रनुसार ग्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी-II का कार्यभार संभाल लिया :---

ऋम सं०	श्रधिकारी का नाम	,	प्रतिस्थापना का स्थान	कार्यभार संभालने की तिथि
1.	श्री टी० एन० भोंडेकर		ग्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद णुल्क, बहुपदीय ग्रधि- कारी रेंज-I, ग्वालियर ।	16-9-1975 (पूर्वाह्न)
2.	श्री एच० पी० संघी	• • • •	म्रधीक्षक, (निवारक), केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग, जबलपुर ।	8-9-1975 (पूर्वाह्न)
3.	श्रीजी० एन० भूत	•	म्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, बहुपदीय म्रधि- कारी रेंज, देवास ।	1-9-1975 (मपराह्न)
4.	श्री एम० एस० जोग	••	ध्रधीक्षक, (निवारक), केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, प्रभाग, इन्दौर ।	22-9-1975 (पूर्वाह्म)

सं० 28/75—नागपुर समाहर्ता क्षेत्र के श्री के० एस० पुरंदरें, श्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद गुल्क, श्रेणी-II दिनांक 5-9-1975 से 31-10-1975 तक सेवा-निवृत्ति के पूर्व की 57 दिनों की छुट्टी पर चले गए । इस श्रवधि के समाप्त होने पर वे सरकारी सेवा से मुक्त हो जाएंगे ।

रवीन्द्र नाथ शुक्ल समाहर्ता प्ररूप ग्राई०टी०एन० एस० ----

भायकर ग्रंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण),

ग्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 6 मार्च 1976

निर्देश सं० राज० सहा० भ्रा० भ्रर्जन/318—यतः मुझे, सी० एस० जैन,

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से श्रधिक है ग्रौर जिसकी संख्या है तथा जो टीपटा, कोटा में स्थित है, (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कोटा में, रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 20 ग्रगस्त 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त ग्रिधिनियम', या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-गके अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत :---

- (1) श्री किशन दत्त पुत्र श्री मंगलराम निवासी कोटा, वर्तमान में फतेहपुर (जिला सीकर) (धन्तरक)
- (2) श्री भक्रवर श्रली पुत्र श्री एम० फजल हूसैन निवासी राधाविलास वार्ड, टीपटा कोटा (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रति भाक्षेप यदि कोई हो तो :--

. .

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरणा — इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पद्यों का, जो उक्त श्रधिनयम के शब्दाय 20-क में परिभाषित हैं, वही शर्थ होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान दो मंजिला, स्थित राधाविलास वार्ड, कोटा जो उप पंजियक, कोटा द्वारा कम संख्या 1922 दिनांक 20-8-75 को पंजीबद्ध विकय पत्र में भौर ग्रधिक विस्तृत रूप से विवरणित है।

> सी० एस० जैन, सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 6 मार्च 1976

प्रदेष प्राई०टी०एम०एस०---

भायकर भधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के शधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण),

म्रर्जन रेंज, म्रमुतसर

ग्रमतसर, दिनांक 24 मार्च 1976

निदेश सं० फगवाड़ा/275/75-76---यतः मुझे, बी० भ्रार० सगर,

द्मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका मूल्य 25,000/- द० से मधिक है उचित काजार धौर जिस की सं० 1/2 मकाच नं० बी एक्स/52 है तथा जो मोहल्ला खेड़ा मस्जिब, फगवाड़ा में स्थित है (स्पीर इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप में बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फगवाडा में रजिस्ट्रीकरण अश्विनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक अगस्त 1975 को

पूर्वोक्त सम्बक्ति के उत्वित काजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपाल के लिए श्रम्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का क्रान्ट्य है कि अव्याप्तवीकत सम्पत्ति का उचित बाजार सूख्य, उसके दुस्यकान क्रिकिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पासा गया प्रतिकृष, निम्मिलिखित उद्देश्य से उमत अन्तरण लिखिल में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; भौर/या
- (धा) ऐसी किसी भाग या किसी भन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भेधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त ग्रंभिनियम या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के बिए;

भतः भव उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त भिधिनियम की घारा 269-यं की उपघारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रचीत् :-

(1) श्री लछमन सिंह पुत्र श्री धर्म सिंह मार्फत श्री मिलला सिंह पुत्र श्री इन्दर सिंह गांव चक विल्गा त० नवां

(म्रन्तरक)

(2) श्रीमती सुहाग वती परनी श्री धर्म पाल वासी मकाम नं वी ० एक्स/ 52, मोहल्ला खेड़ा मस्जिद, पन्ना ही गेट, फगवाडा

(धन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है ग्रीर किराए दार गवि कोई (वह व्यक्ति जिसके श्रिभोग में सक्वित्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्साकारी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबग्र है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों बर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो की भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में क्रिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताकारी के पास लिखिस में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो 'उक्त ग्रधिनियम' के अञ्चाय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आधा भाग मकान नं वी ऐक्स/ 52, मोहल्ला खेड़ा मस्जिद, पलाही गेट, फगवाड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 984 अगस्त 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, फगवाड़ा में लिखा है।

> वी० म्रार० सगर. सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, ममुतसर

दिनांक: 24 मार्च 1976

प्ररूप श्राई०टी०एन०एस० —

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 24 मार्च 1976

निदेश नं० फगवाड़ा/276/75-76—स्यतः मुझे, वी० श्रार० सगर,

श्रायकर ग्रधिनियम,

PART III—SEC. 1]

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु॰ से प्रधिक है और जिसकी सं० ½ मकान नं० बी० एक्स/52 है तथा जो मोहल्ला खेड़ा मस्जिद फगवाड़ा में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) श्रधीन, दिनांक श्रगस्त 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत से श्रिष्ठिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन, कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी म्राय या किसी धन या भ्रन्य म्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय म्रायकर म्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त म्रधिनियम, या धनकर म्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

श्रत: श्रव उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रमु-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्:— 2—56 GI/76

- (1) श्री लख्नमन सिंह पुत्र श्री कर्म सिंह गार्पन श्री मिल्खा सिंह पुत्र श्री इंदर सिंह गांव चक विल्सा त० नवांशहर (अन्तरक)
- (2) श्री धर्मपाल पुत्र श्री पोहलेमल सूद वासी महान नं वी ऐक्प/53 मोहल्ला खेड़ा मस्जिद पलाही गेट, फगवाडा

(श्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि नं० 2 पर है और किरायेदार यदि कोई (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में संपत्ति है)
- (4) कोई व्यक्ति, जो सम्पत्ति में इचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितयद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी
 भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम', के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्राधा भाग मकान नं० बी ऐक्स/52 मोहल्ला खेड़ा मस्जिद, पलाही गेट, फगवाड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1005 ग्रगस्त 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी,फगवाड़ा में लिखा है ।

> वी० स्नार० सगर, सक्षम स्निधिकारी सहायक द्यायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्नर्जन रेंज, स्नमृतसर

दिनांक : 24 मार्च 1976

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

श्रायकर ग्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 11 फरवरी 1976 निदेश नं० अमृतसर/एपी०-1418/74-75—यतः मुझे, वी० भ्रार० सगर,

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रधिक है श्रीर जिस की सं० जमीन है तथा जो कोर्ट रोड़ श्रमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक अप्रैल 1974

पूर्वोक्त सम्पत्ति उचित को 略 वाजार से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है **भौ**र मुझे यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है भीर धन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत 'उक्त ग्रिधिनियम', के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रधिनियम', या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में, सुविधा के लिए;

श्रतः ग्रब, 'उन्त ग्रिधिनियम' की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, 'उन्तर ग्रिधिनियम', की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिमों, ग्रर्थात्:— (1) श्री विदन चंद पुत श्री उमा चंद सेल्फ श्रीर जी० ऐ० श्रीमती किशना ठाकुर पत्नी श्री उमा चंद, श्री श्रतुल चंद श्रीर विमल चंद पुत्र ठाकुर उमा चंद, 37, कोर्ट रोड, श्रमृतसर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री राजिन्दर सिंह पुत्न श्री मेहर सिंह रानी का वाग, स्रमृतसर

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो श्रीमती राजकुमारी श्रौर श्री प्रेम नाथ मार्फत सारस्वती ग्राईस फैक्टरी, श्रमृतसर, श्री श्रविंदर सिंह, 45 कोर्ट रोड़, श्रमृतसर (पार्टियां सम्मिलित)

> (वह व्यक्ति जिनके बारे में प्रधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भ्रविध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 212 श्रप्रैल 1974 को रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, श्रमृतसर में लिखा है।

> बी० श्रार० सगर, सक्षम अधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

दिनांक: 11 फरवरी 1976

प्ररूप ग्राई०टी०एन०एस०--

ब्रायकर ब्रधिनियम, 1961 (1961का 43) की धारा 269-व (1) के ब्राधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, ज्योती बिल्डिंग्स, गोपाल प्रभु रोड़, एरनाकुलम, कोचीन-11 एरनाकुलम, दिनांक 19 फरवरी 1976

निदेश सं० 53/75-76—यतः मुझे, एम० एम० कु६प, स्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ६समें ६सके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रधिक है और जिसकी सं० ग्रनुसूची के ग्रनुसार है तथा जो एम० जी० रोड़, एरणाकुलम में स्थित है (और इससे उपाबद ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय एरणा-कुलम में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 29 ग्रक्तूबर 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रक्ष

उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक हैं श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों), श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, 'उमत ग्रिधिनियम' के ग्रिधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर घ्रिघनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त ग्रिधनियम', या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात्:~

- (1) श्री टी॰ वी॰ पोल, प्रोप्रैटर, 'पीपलस' बैंक, मुलनतुरुत्ति (अन्तरक)
- (2) श्रीमती कुन्जुमेरी कोलंबस, श्री कोलंबस की पत्नी, कलपुरकक्ल हाउस, इड़कोच्चिन, एरणाकुलम (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजेन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपता में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण—-इसमें प्रयुक्त शब्दों स्रोर पदों का जो 'उक्त श्रिधिनयम' के स्रध्याय 20-क' में परिभाषित है, वहीं सर्थ होगा, जो उस स्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एरणाकुलम जिला में कोच्चिन कोरपोरेशन के स० सं० 873 में 6.625 ऐनटस भूमि ।

> एम० एम० कुरुप, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

दिनांक : 19 फरवरी 1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर ऋधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजंन रेंज, ज्योती बिल्डिंग्स, गोपाल प्रभु रोड़, एरणाकुलम, कोचीन-11 एरणाकुलम, दिनांक 19 फरवरी 1976

निदेश सं० एल० सी० 54/75-76—स्वतः मुझे, एम० एम० कृष्प,

अप्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/- ६० से श्रिधिक है और जिस की सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है तथा जो एम० जी० रोड, एरणाकुलम में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्व रूप से वणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय एरणाकुलम में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक 20 श्रक्तूवर

1975 को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी वन या भ्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या भ्रग्वार ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भ्रा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--

- (1) श्री के० ए० मात्यू, 89 डी "कोस्टा स्क्वयर" ,बांगलूर-5 (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती कुन्जुमेरी कोलंबस श्री कोलंबस की पत्नी, कलपुरवक्कल हाउस, इडकोच्चिन, एरणाकुलम (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों भ्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुधी

कोच्चिन कारपोरेशन के एरणाकुलम जिला में स० सं० 873 में 6.535 सेनटम भूमि ।

> एम० एम० कुरुप, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, एरणाकूलम

दिनांक : 19 फरवरी 1976

प्रस्प ग्राई० टी० एन० एम०-----

श्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 मार्च 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्वी भोपाल/76-77—अतः, मुझे, बी० के० सिन्हा, आयकर धिधिनयम
1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि रयावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000/- ए० से भाधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान 44 है, जो भोपाल में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्व ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 18 ग्रामस्त 1975 को पूर्वीकत

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपत्न के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजा मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्रह ग्रांतिशत ग्रांधिक है ग्रीर यह कि ग्रन्तरिक (ग्रन्तरिक) ग्रीर श्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय प्रया ग्रां। प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया हैं:-

(क) शन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त अधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; भ्रौर

and the state of the state of

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ध्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भ्रत: भ्रव उनत स्रधिनियम की धारा 269-ग के मनु-सरण में, में, उनल स्रधिनियम, की धारा 269घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नसिखित व्यक्तियों, स्रथीत् (1) श्री टी० एल० पी० राव पुत्र श्री लक्षमन राव, निवासी जहांगीरावाद भोपाल

(भ्रन्तरक)

(2) श्री किशन लाल पुत्र श्री मुरलीधर लाला निवासी 119 मालवीय नगर भोपाल

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

, उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सबध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दोकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के श्रध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्राधा हिस्सा मकान नं० 44 स्थित मालवीय नगर, भोपाल

वी० के० सिन्हा, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 15 मार्च 1976

प्ररूप ग्राई०टी०एन०एस०-

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 मार्च 1976

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी० एक्की भो० 76-77—ग्रतः, मुझे, वी० के० सिन्हा,

श्रायकर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रिधिक है

भ्रौर जिस की सं० मकान 10 है, जो इन्दौर में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 31 श्रक्तूबर 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ध्रन्तिरत की गई है और मुक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से धिक है और अन्तरक (अन्तरकों) धौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत 'उक्त श्रधि-नियम', के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रधिनियम', या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः श्रव 'उक्त श्रिधिनियम' की धारा 269-ग के मनु-सरण में, मैं, 'उक्त श्रिधिनियम' की धारा 269-य की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत् :--- (1) श्री गुरुमुख दास पुत्र खान चंद जी श्रीमती इन्द्रदेवी पत्नी गुरुमुख दास गोपाल वाग कालोनी मकान नं० 27 इन्दौर

(भ्रन्तरक)

(2) सरदार जणवंत सिंह पुत्न श्री सरदार उमेर सिंह निवासी पलसीकर कालोनी मकान नं० 10/3 इन्दौर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पद्दों का, जो 'उक्त ग्रिक्षिनियम' के श्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

पूर्व का हिस्सा मकान नं० 10 पलसीकर कालोनी, इन्दौर

वी० के० सिन्हा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण), प्रजन रेंज, भोपाल

दिनांक: 15 मार्च 1976

प्ररूप धाई०टी० एन० एस०----

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 मार्च 1976

निदेश सं श्राई० ए० सी० एक्वी/भोपाल/ 76-77--- श्रतः, मुझे, बी० के० सिन्हा ष्मायकर अधिनियम, 1961 (1961 কা 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000∤- र० से ऋधिक है भ्रौर जिस की सं० मकान है, जो उज्जैन में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता म्रधिकारी के कार्यालय, उज्जैन में रजिस्ट्रीकृत म्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 10 नवस्वर 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के ग्रनुसार **ध**न्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भ्रौर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त झन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत 'उक्त श्रधि-नियम' के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय था किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रिधिनियम' या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः श्रव 'उन्त श्रधिनियम' की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत :- (1) भगवान दास पुत भवंर लालजी निवासी खरगौन वर्तमान में सर्राफा, उज्जैन

(अ्रन्तरक)

(2) श्री बद्री लाल पुत्र गोपी लाल जी निवासी समीप श्री दास वकील गौड़ा की चौकी, उज्जैन

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति क्षारा, भ्राधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्स श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

मकान नं० 4/593 बड़ा सर्राफा नया नं० 148 सर्राफा मेन रोड़, उर्जन

वी० के० सिन्हा, सक्षम स्रधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 15 मार्च 1976

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 मार्च 1976

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी० एक्वी/भोपाल/76-77---ग्रतः, मुझे, वी० के० सिन्हा,

ध्रायकर ध्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रिष्ठिक है थ्यौर जिस की सं० कृषि भूमि हैं, जो कर्वधा में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रमुस्ची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, कर्वधा में रजिस्ट्रीकृत ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 26 नवम्बर 75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीध ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुसरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य धास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्नतः अब उक्त म्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त म्रिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्मात्:—

- (1) श्री सुधा राम, (2) ईण्यरी गोकरन (3) श्रीमती ढला वाई वैया गोफरन चन्दा वणी निधासी गोपाल भाऊना
 - (ग्रन्तरक)
 - (2) श्रीमती कान्ती वाई पत्नी श्री पुनाराम चन्दवन्सी निवासी सारंगपुर कर्वधा.

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स ध्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाधित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि मौजा गोपाल भाउना, पी० एच० नं० 18 तहसील, कर्वधा ।

> वी० के० सिन्हा, सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) घ्रजेन रेंज, भोपाल

दिनांक: 15 मार्च 1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज- II , दिल्ली-1

4/14, क, भ्रासफग्रली मार्ग, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 20 मार्च 1976

भौर जिस की सं० 57, 5371-75 तथा 5395-97 एन हैं तथा जो जी० बी० रोड़, दिल्ली में स्थित हैं (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिक्षितारी के कार्यालय, दिल्ली में भी रिजस्ट्रीकरण श्रिक्षित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक श्रगस्त 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के प्रनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव 'उक्त अधिनियम' की घारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपद्यारा (1) के अधीन निम्मसिक्ति व्यक्तियों, अर्थात्:--3---56GI/76 (1) श्रीमती जस्बीर कौर, पत्नी श्री हरमन्द्र सिंह, निवासी 9/24, शाम निवास, वार्डन रोड़, बम्बई-26 लेकिन ग्रब वी-52, सुभद्रा कालौनी, दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मुरीन्द्र कुमार रहिजा (2) दर्शन कुमार रहिजा (3) श्रणोक कुमार रहिजा (4) कैलाण कुमार रहिजा (5) प्रमोद कुमार रहिजा सुपुत्र श्री मोहन लाल रहिजा, निवासी डब्ल्यु-1, बैस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

(3) श्री मुमताज चौधरियन (2) मंगलूराम मथुरादास (3) मोहम्मद यूसुफ मोहम्मद हुसैन (4) यूसफ (5) सुपर इंजीनियरिंग।

(बहुं व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के द्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की प्रविध तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटिकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त ग्रिधिनयम', के श्रद्याय 20-क में परिभाषित है, वही छर्थ होगा, जो उस श्रद्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद का 1/2 भाग जिसका प्लाट नं० 57 है, तीन मंजिला विल्डिंग जिसका म्युनिसिपल नं० 7/5371-75 तथा 5395-97 (एन) है, जी० बी० रोड़, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित हैं:—

पूर्व: सर्विस लेन

पश्चिम: मुख्य जी० बी० रोड़

उत्तर: प्लाट नं० 58 पर विल्डिंग

दक्षिण 💛 ः नं० ५६ पर बिल्डिंग

एस० एन० एल० **ग्रप्रवाल** सक्षम ग्राधिकारी सह्ययक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज- II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

विनांक: 20 मार्च 1976

7000

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०---

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक स्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II दिल्ली-1 4/14क, श्रासफश्रली मार्ग, नई दिल्ली नई दिल्ली,दिनांक 20 मार्च 1976

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु०/11/1135/75-76—→ श्रतः मुझे, एस० एन० एल० श्रग्रवाल

ष्प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्नत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह, विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० 4737/3 है तथा जो लक्ष्मी बाजार, दिल्ली क्लाथ मार्किट, क्वीनस रोड़, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक श्रगस्त 1975 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट प्रतिशत श्रधिक है और ग्रन्तरक (अन्तरकों) और श्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम, के श्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः, भ्रब उमत श्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्:-- (1) श्री मुरली धर, सुपुत्र श्री जगननाथ श्रग्नवाल बनाम जग्गी मल, निवासी 38, बनारसी दास ईस्टैंट, माल रोड, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री हरभजन सिंह तथा सुरीन्द्र कुमार, सुपुत्र श्री श्राया राम, निवासी 1635 गली नं० 33, नाईवाला करौल बाग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

(3) श्री चगन लाल (निम्न मंजिल) (2) सचदेवा ट्रेडिंग कं० (पहली मंजिल) (3) कान्ता बेन एम० पटेल (दूसरी मंजिल) (4) श्री बनवारी लाल (तीसरी मंजिल)

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूष्धी

एक दुकान के सामने का चब्तरा जिसका नं० 4737, वार्ड नं० 3 हैं, चार मंजिला बिल्डिंग के साथ जोकि फीहोल्ड प्लाट की भूमि जिसका क्षेत्रफल 34 वर्ग गज हैं, लक्ष्मी बाजार, दिल्ली क्लाथ मार्किट, क्वीनस रोड़, दिल्ली में स्थित हैं।

> एस० एन० एल० श्रप्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंजII- दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 20 मार्च 1976

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज- II, दिल्ली-1

4/14 क, द्यासफग्रलो मार्ग, नई दिल्ली । नई दिल्ली-1, दिनांक 20 मार्च 1976

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यु०/II/1136/75-76----भ्रतः मुक्तो, एस० एन० एल० श्रग्रवाल

ध्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषवास करने का कारण है कि स्थानर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है ग्रीर जिस की सं० 94 है तथा जो ग्रजाद नगर, कृष्ण नगर, विल्ली-51 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक ग्रगस्त 1975

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त घ्रिधिनियम के ग्रधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (छ) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या मन्य म्रास्तियों को, जिम्हें भारतीय म्रायकर श्रिक्षित्रयम, 1922 (1922 का 11) या उस्त श्रिष्ठित्रयम या धन-कर म्रिक्षित्रयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रिधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के ग्रिधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

- (1) श्रीमती गुरचरण कौर, पत्नी श्री जगदीम सिंह निवासी 59, ग्रजाद नगर, कृष्ण नगर, दिल्ली-51 (ग्रन्तरक)
- (2) श्री कुलदीप किशोरी सक्सैना, तथा श्री जगदीप किशोरी सक्सैना, सुपुन्न एल० महाबीर किशोरी सक्सैना, निवासी 94, प्रजाद नगर, कृष्णा नगर, दिल्ली-51

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान जोकि 100 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट पर बना हुग्रा है, जिसका नं० 94 है, ग्रजाद नगर, कृष्ण नगर, दिल्ली-51 में स्थित है ।

> एस० एन० एल० अग्रवाल सक्षम श्रिधकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन-रेंज II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक 20 मार्च 1976 मोहर: प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज-II दिल्ली-1

4/14क, श्रासफग्रली मार्ग, नई दिल्ली दिल्ली-1, दिनांक 20 मार्च 1976

निर्देश सं अप्रई० ए० सी ०/एक्यु ०/11/1137/75-76--श्रतः मझे, एस० एन० एल० श्रग्रवाल द्मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया 2.69-ख के की धारा अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है श्रीर जिस की सं० 8/2936 है तथा जो कली मस्जिद, तुर्कमान गेट, दिल्ली में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक सितम्बर 1975 को को पूर्वोक्त सम्पत्तिके उचित बाजार मुख्य से कम के दुश्यमान

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) ग्रौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है :--

- (क) अम्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः भव, 'उन्त अधिनियम', की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं, 'उन्त श्रिधिनियम, की धारा 269-च की उप-भारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:- (1) श्रीमती भगवान देवी, सुपुत्ती श्री राम रखा मल, निवासी 2886, बुलबुली खाना, बजार सीता राम, दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) दुगी गुरु, श्रीमती मुम्ताज, निवासी 2936, कली मस्जिद तुर्कमान गेट, दिल्ली।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्पच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में वियागया है।

अमुसृची

एक ढाई मंजिला मकान जोकि 65 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट पर बना हुआ है, जिसका नं० 8/2936 है, कली मस्जिद, तुर्कमान गेट, दिल्ली में है।

> एस० एन० एल० श्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई विल्ली-1

दिनांक 20 मार्च 1976 मोहर : प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भागकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

भर्जन रेंज-II दिल्ली-1

4/14क, भ्रासफश्रली मार्ग, नई दिल्ली ।

दिल्ली-1, दिनांक 20 मार्च 1976

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एनयु०/II/1138/75-76— ग्रतः मुझे, एस० एन० एल० ग्रग्रवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है और जिस की सं० 14/85 का 1/2 भाग है तथा जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्रा ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक श्रक्तूबर 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ब्रह प्रतिशत से श्रिधिक है श्रीर अन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (श्रन्तरितयों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त भ्रधिनियम, के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धन-कर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए में सुविधा के लिए;

श्रतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथीतः— (1) मै॰ क्रोके रबर कारपोरेशन, 2-सी, राम नगर, पहाड़ गंज नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) सुरीन्द्र कुमार, सुपुत्र श्री श्राया राम, निवासी मकान नं ० 1635, गली नं ० 33, नाई वाला, करौल बाग, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के प्रर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

- उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---
 - (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की श्रवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपन्न, में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है,

अनुसूची

एक फीहोल्ड प्लाट की भूमि का 1/2 अविभाजित भाग जिसका क्षेत्रफल 633.33 वर्ग गज है, श्रीर नं 0 14, रोड नं 0 85 है, निवासी कालोनी पंजाबी बाग, नई दिल्ली के बसाए दारापुर गांव, दिल्ली में स्थित है।

यह प्लाट निम्न प्रकार से स्थित है:--

पूर्वः सर्विसलेन पश्चिमः रोड्नं० 85

उत्तर: प्लाट नं० 12

दक्षिण: रोड्डनं० 71

एस० एन० एल० श्रग्नवाल 1 सक्षम अधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजनरोज II, दिल्ली, नई दिल्ली-

दिनांक 20 मार्च 1976 मोहर प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-

भ्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

4/14 क, श्रासफश्रली मार्ग, नई दिल्ली।

दिल्ली-1 दिनांक 20 मार्च 1976

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यु०/II/1139/75-76--श्रतः मुझे, एस एन० एल० श्रग्रवाल

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रिधिक है श्रीर जिस की सं० 14/85का 1/2 भाग है तथा जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), राजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय राजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक ग्रवतूबर 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रधिनियम के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्राधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्राधिनियम या धन-कर ग्राधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रव उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्निखित व्यक्तियों, श्रथीत्:— (1) श्री राम लाल खुराना, सुपुत्र श्री ठाकर दास, निवासी एच 56, कीर्ती नगर, नई दिल्ली

(मन्तरक)

(2) श्री सुरीन्द्र कुमार सुपुत्र श्री श्राया राम, निवासी मकान नं 1635 गली नं 33, नाई वाला, करौल बाग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पथ्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त गब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फीहोल्ड प्लाट की भूमि का 1/2 म्रविभाजित भाग जिसका क्षेत्रफल 633.33 वर्ग गज है, ग्रीर नं० 14, रोड़ नं० 85 है, निवासी कालोनी पंजाबी बाग, नई दिल्ली के बसाए दारापुर गोत्र, दिल्ली में स्थित है। यह प्लाट निम्न प्रकार से स्थित है:——

पूर्व: सर्विसलेन पश्चिम: रोड़नं० 85 उत्तर: प्लाट नं० 12 दक्षिण: रोडनं० 71

> एस० एन० एल० श्रग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली 1

दिनांक 20 मार्च 1976 मोहर:

प्ररूप भाई०टी०एन०एस०-

भायकर भिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर धायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज II दिल्ली-1

4/14,क, श्रासफश्रली मार्ग, नई दिल्ली

दिल्ली-1 दिनांक 20 मार्च 1976

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यु० 11/1140/75-76--श्रत. मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिक्यिम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से श्रधिक है

भौर जिस की सं० ई 30 का 1/2 भाग है तथा जो राजौरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक श्रक्तूबर 1975

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राम या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या भ्रन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

धतः श्रव उक्त श्रधिनियम की घारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की घारा 269श्व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात् :---- (1) श्री राम किशन, सुपुत्र चं० दाता राम, निवासी डब्स्य् जैड-109, खामपुर गांव, बैस्ट पटेल नगर के सामने, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विश्वानाथ, सुपुत्र श्री श्रतर चन्द, निवासी 6837, श्रहाता किदारा, बाङ़ा हिन्दू राव, दिल्ली । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी ध्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों धौर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के घ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रधं होगा, जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

एक फीहोल्ड प्लाट का 1/2 माग जिसका क्षेत्रफल 500 वर्ग गज है, और नं० 30, ब्लाक नं० 'ई' है, राजौरी गार्डन कालोनी, नई दिल्ली में है। यह प्लाट निम्न प्रकार से स्थित हैं:—

पूर्व: मकान नं० ई 30 ई

पश्चिम: रोड

उत्तर: बाकी 1/2 भाग

दक्षिण : रोष्ठ

एस० एन० एल० श्र<mark>यवाल</mark> सञ्जम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक 20 मार्च 1976 मोहर: प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

मायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-Ш, दिल्ली-1

4/14 क, श्रासफश्रली मार्ग, नई दिल्ली-1

दिल्ली-1 दिनांक 20 मार्च 1976

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यु०/ $\Pi/1141/75$ 76— श्रतः मुझे, एस० एन० एल० श्रग्रवाल श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रधिक है ग्रौर जिस की सं० ई-30 का 1/2 भाग है तथा जो राजौरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्व रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक ग्रक्तूबर 1975 की

पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक्ष है और प्रन्तिरक (प्रन्तिरकों) और अन्तिरती (प्रन्तिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य स उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उचत भ्रधिनियम के अधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रब उन्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण म, मैं, उन्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत् :— (1) श्री राम किशन, सुपुत चं० चाता राम, निवासी डब्ल्यू जैंड-109, खामपुर गांव, वैस्ट पटेल नगर के सामने, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री श्रतर चन्द सुपुत्र श्री सैन दिला मल, निवासी मकान नं 6836, श्रकाता किंदारा, बारा हिन्दु राव, दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्र**र्जन के** लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधनियम के श्रष्टमाय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

अ**नुसूच**ी

एक फीहोल्ड प्लाट का 1/2 भाग जिसका क्षेत्रफल 500 वर्ग गज है, श्रौर नं० 30, ब्लाक नं० 'ई' है, राजौरी गार्डन कालौनी, नई दिल्ली में है। यह प्लाट निम्न प्रकार से स्थित है:---

पूर्व: प्लाट नं० ई-30-ई

पश्चिम: रोड

उत्तर: प्लाट नं ई-20-बी

दक्षिण : ं रोड्

एस० एन० एल० श्र**प्रवाल** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक 20 मार्च 1976

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-

श्रायंकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- घ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 1 श्रप्रैल 1976

ेसं० भ्रार० ए० सी० 1/76-77—⊸यतः मुझे, के० एस० वेंकटरामन

भायकर मिधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के म्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से म्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 4, है जो एस० पी० रोड में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, श्रगस्त 1975 को

पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों)और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिष्ठि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर
- (ख) ऐसी किसी ध्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

धतः भ्रव उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनु-सरण में, मैं उक्त श्रधिनियम, की धारा 269 घ को उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों भ्रथीत —— 4—56GI/76 (1) श्रीमती हस्मनुश्चिसा बेगम (2) जयनारायण मिश्रा सरदार पटेल रोड, सिकन्दराबाद

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रागी राजकुमार, पुत्र रागी कुमार स्वामी शास्त्री रोड, करीमनगर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी म्राक्षेप--

- (भ) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, उक्त ग्रधितियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति – प्लाट नं० 4, पुराना ईमारत, एस० पी० रोड, सिकन्दराबाद ।

> के० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 1 श्रप्रेल 1976

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ[(1) के धधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, धिनांक 1 श्वप्रैल 1976

सं० श्रार० ए० सी० 3/76-77--यतः मुझे, के० एस० वेंकटरामन

क्षायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ध्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

भ्रोर जिसकी सं० 4-1-938/भ्रार-20 है जो तिलक रोड़ में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद अनुसूची में भ्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैंदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 15 ग्रगस्त 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल से लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त

सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है ग्रीर यह कि ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी घ्राय या किसी धन या घन्य धास्तियों की, जिम्हें भारतीय घाय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं घन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

भतः ग्रब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियो अर्थात्:— (1) श्रीमती पुष्पा बाई पत्नी राज्युकुमार 3-2-350 चप्पल बाजार, हैंदराबाद

(श्रन्तरक)

(2) के० एन० म्रहमद, 4-1-938/म्रार-200 तिलक रोड, हैदराबाद

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रान्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त धर्षिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस घष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तलमजले पर दुकान नं० 4-1-938/फ्रार-20, तिलक रोड, हैदराबाद ।

> के० एस० बेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 1-ग्रप्रैल 1976

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०----

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
भर्जन रेंज, हैवराबाद
हैवराबाद, दिनांक 1 ग्राप्रैल 1976

सं भार ए० सी० 4/76-77---यतः मुझे, के० एस०

बंकटरामन

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे

इसमें इसके पण्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है),

की घारा 269-ख के धधीन सक्षम प्राधिकारी को

यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका

उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रिधिक है

श्रौर जिसकी सं० 4-1-938 है जो तिलकरोड में स्थित है (श्रौर

इससे उपावन श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता

श्रिधकारी के कार्यालय हैंदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक 15 श्रगस्त

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त ग्रीधिनयम के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रन, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रथीत्:—

(1) श्रीमती रुकमिनी बाई 21-2-547 चार कमान हैदराबाद

(भ्रन्तरक)

(2) श्री म्निल कुमार वत्ता, 67, बल्लभ वास ईमारत चारकमान, हैवराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबब किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्वीकरण— इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम, के श्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रथ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

तल मंजले पर की दुकान नं० 4-1-938/फ्रार 9, तिलक रोड, हैंदराबाद।

> के० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 1 भ्रमेंस 1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस० -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 श्रप्रैल 1976

सं ग्रार ए० सी० 5/76-77--यतः मुझे, के० एस० वेंकटरामन

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से श्रिष्ठिक है और जिसकी सं० फ्लैंट बी-1/एफ /5 है जो चिराग श्रली लेन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्राधकारों के कार्यालय हैवराबाद में भारतीय राजस्ट्रीकरण श्राधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 15 श्रगस्त 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख
के धनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह बिश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशास से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाथा गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों'
 को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या श्रायकर अधिनियम 1961
 (1961 का 43)या धन-कर अधिनियम, 1957
 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अन्तरिती द्वारा
 प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
 था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निखित व्यक्तियों, अर्थात — (1) श्रीमती पुरम लता भागीदार, मैसर्स एसोसिएटेड बिल्डर्स श्रीर रिएल एस्टेट एजेन्टस, ग्राबीव रोड, हैदराबाद

(भ्रन्तरक)

(2) श्रो भगवती प्रसाद, 3-4-556/1, बरकतपुरा हैदराबाद

(भ्रन्तारती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पथ्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फलैंट नं० बी-1/एफ-5, पूनम् श्रपार्टमेंट, चिराग श्रली लेन, हैदराबाद।

> के० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 5 श्रप्रैल 1976

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 अप्रैल 1976

सं० श्रार० ए० सी० 6/76-77—यतः मुझे, के० एस० वेंकटरामन
श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रिधिक है श्रीर जिस की सं० पलैट बी-1/एफ-5 है जो पूनम श्रपारटमेंट में स्थित है (श्रीर इससे उपाणद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 15 स्थास्त 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जितत बाजार मूल्य से कम

- को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—
 - (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
 - (ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या श्रन्य ध्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत: श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, टक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत् :---

- (1) पुश्पलता भागीदार मैसर्स एसोसिएटेड बिल्डर्स ग्रौर रिएल एस्टेट एजेन्टस, ग्राबीद रोड़, हैंदराबाद (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीमती चन्द्रा देवी 3-4-856/1, बरकतपुरा है दराबाद (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रिघोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

ह्पच्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस शब्याय में विया गया है।

अनुसूची

फ्लैट बी-1/एफ-5, पूनम् श्रपार्टमेंट, हैंबराबाद ।

के० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाव

दिनांक: 5 ग्रप्रैल 1976

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के श्रष्टीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 श्रप्रैल 1976

सं० म्रार० ए० सी० 7/76-77—म्रतः मुझे, के० एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से भिषक है

श्रीर जिस की सं० बी-3/एफ-8 हैं जो चिराग श्रली लेन में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय हैंदराबाद में भारतीय रिजस्ट्री-करण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 15 अगस्त 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है धौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (श्व) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

मतः मब उक्त धिर्मियम की धारा 269-ग के ध्रनसरण में, मैं उक्त धिर्मियम की धारा 269-घ को उपधारा (1)के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) पुष्पलता भागीदार मैंसर्स ग्रसोसिएटेड बिल्डर्स ग्रीर रियल एस्टेट एजेन्टस, ग्राबीद रोड़ हैंद्वराबाद। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री जगदीश, 21-2-785, पटेल मार्केट, हैदराबाद। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

फ्लैंट नं० बी-3/एफ-8, पूनम् ग्रपार्टमेंट, चिराग ग्रली लेन, हैदराबाद।

> के० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेंन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 5 म्रप्रैल 1976

प्ररूप ग्राई०टी०एन०एस०--

भायकर प्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 श्रप्रैल 1976

सं० ग्रार० ए० सी० 8/75-76—यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन

षायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उषत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीम सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से अधिक है और जिसकी सं० बी-4/एफ-8, ह जो चिराग ग्रली लेन में स्थित है (और इससे उपाबस अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 15 प्रगस्त 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के स्मिए;

श्रतः श्रव उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ ंकी उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात :—

- (1) पुश्पलता भागीदार मैसर्स एसोसिएटेड बिल्डर्स श्रौर रियल एस्टेट एजेन्टस, श्राबिद रोड़, हैदराबाद।
 (श्रन्तरक)
- (2) श्री चान्द 21-2-785, पटेल मार्केट हैंदराबाद। (श्रन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं बी-4/एफ-8, पूनम श्रपार्टमेंट, चिराग श्रली लेन हैसराबाद ।

के० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 5 म्रप्रैल 1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 अप्रैल 1976

सं० द्यार० ए० एस० 9/ 76-77—यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन

अधिनियम, **प्रा**यकर (1961 1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अर्घीन प्राधिकारी सक्षम को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है भ्रौर जिस की सं० बी-3/एफ-7, है जो चिराग भ्रली लेन में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्री-करण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 15 भ्रगस्त 1976

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या घन-कर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब उक्त भ्रिष्ठिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त भ्रिष्ठिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथीत् :— (1) श्रीमती पुश्पलता भागीदार, मैंसर्स एसोसिएटेड बिल्डर्स श्रौर रिएल एस्टेट एजेन्ट्स श्राबीद रोड़, हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बिहारी लाल, 21-2-735, षटेल मार्केट, हैदराबाद। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के भ्रजेन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशम की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनु सूची

बी-3/एफ-7, पूनम् भ्रपार्टमेंट, चिराग श्रली लेन, हैंदराबाद।

के० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 5 भ्रप्रैल 1976

ANNI III—DEC. II

प्ररूप ब्राई० टी०एन०एस०---

भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 भ्रप्रैल 1976

निर्देश सं० घ्रार० ए० सी० 10/76-77—~यतः, मुझे. के० एस० वैंकटरामन

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के भधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से भधिक है

भौर जिसकी सं बी-4/एफ-7, है, जो चिराग भली लेन, में स्थित है (श्रौर इससे उपाश्रद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) 15-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी म्राय की बाबत, उक्त मधिनियम के भ्रमीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी घन या श्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः, मन, उक्त ग्रिविनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रिथीन :---

- 1. श्रीमती पुश्पलता भागीवार, मेसर्स एसोसिएटेड बिल्डर्स, ग्रौर रियल एस्टेट एजेन्ट्स ग्राबदि रोड हैदराबाद । (ग्रन्तरक)
- श्रीमती लक्ष्मी बाई, 21-2-785, पटेल मार्केट, हैदराबाद। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के **मर्जन** के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिशों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के भ्रष्टयाय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं भ्रष्ट होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

अमुसूची

प्लाट नं० बी-4/एफ-7, पूनम झपार्टमेंट, चिराग झली लेन, हैदराबाद ।

> के० एस० वैकटरामन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 5-4-1976

मोहर :

5-56GI/76

प्ररूप ब्राई० टी० एन० एस०-----

्झासकर श्रिप्तिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा ... 269-ष(1) के ग्रिप्तीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 अप्रैल 1976

निर्देश सं० प्रार० ए० सी० 11/76-77—यतः, मुझे, के० एस० वैकटरामन आयकर अधिनियम

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रीधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से ग्राधिक है

भौर जिसकी सं० बी०-3/एफ०-1 है, जो चिराग भ्रली लेन, में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भौर पूर्ण रूप से बाँगत है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 15-8-1975 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के बृग्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तिरत की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृग्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत ध्रधिक है श्रीर यह कि ग्रन्तरक (भ्रन्तरकों) भीग ग्रन्तिरिती (भ्रन्तिरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में बास्तिबंक कप से कथित महीं किया गया है:

- (क) प्रत्यरण से हुई किसी प्राय की बाबल उक्त प्रधि-मियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धीर
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय प्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत ग्रिधिनियम, या धनकर प्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्थरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

मतः ग्रव उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रजु-सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रपति श्रीमती पुष्पलता भागीदार मेसर्स एसोसिएटेड बिल्डर्स ग्रौर रियल एस्टेट एजेन्ट्स, ग्राबीद रोड, हैदराबाद

(भ्रन्तरक)

2. डाक्टर श्रजन कुमार और श्रीमती मदुकुरी बी-3/ एफ-1, पूनम श्रपार्टमेंट, चिराग श्रली लेन, हैदराबाद (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के स्नर्जन के लिए कार्यवाहियां णुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सबंध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध खाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० बी-3/एफ-1, पूनम भ्रपार्टमेंट चिराग भ्रली लेन, हैदराबाद ।

> के० एस० वैंकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीखा : 5-4≢1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

े हैदराबाद, दिनांक 5 श्रप्रैल 1976

निर्वेश सं० ग्रार० ए० सी० 12/76-77—यतः, मुझे, के० एस० वैंकटरामन श्रामक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपये से अधिक है और जिसकी सं० ए-1/एफ-6, है जो चिराग ग्रली लेन में स्थित है (भौर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 15-8-1975 को पूर्णिक्त सम्पत्ति के जिस्ता वर्णित के ग्रहीन परिवास करने का कारण है अभिर सम्रोधक विश्वास करने का कारण है

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के प्रनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमाम प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्निखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्यित महीं किया गया है—

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीम कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी भ्रम या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भ्रन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

णतः प्रव उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, [उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ण की उपधारा (1) के प्रधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, प्रणीत्।—

- श्रीमती पुष्पलता भागीदार, मेसर्स एसोसिएटेड बिल्डर्स श्रीर रियल एस्टेट एजेन्ट्स, हैदराबाद । (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती राजुल एम० शाहा, ए-1/एफ-6, प्रान्त श्रपार्टमेंट श्राबीद रोड, हैदराबाद। (भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद्ध किसी' अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मध्दीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही मर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० ए-1/एफ-6, पूनम भ्रपार्टमेंट, चिराग भली लेन, हैवराबाद

> के० एस० वैंकटरामन सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 5-4-1976

प्ररूप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घं (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर म्रायुक्त (मिरीक्षण),

भ्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 म्रप्रैल 1976

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० 16/76-77—यतः, मुझे, के० एस०वैंकटरामन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिश्चित्यम' कहा गया है), की बारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है गौर जिसकी सं० ए-2/एफ-8 है, जो चिराग अली लेन में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 15-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृक्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृक्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृक्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अम्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त ग्रिश्वनियम के ग्रिश्वन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचमे में सुविधा के लिए; भौर/या
- (आ) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीम निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- श्रीमती पुग्पलता भागीदार एसोसिएटेड बिल्डर्स श्रीर रियल एस्टेट एजेन्ट्स, हैदराबाद। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती श्राशा गुप्ता, ए-2/एफ-8, पूनम ग्रपार्टमेंट चिराग श्रली लेन, हैदराबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शम्यों भीर पदों का, जो उक्त ग्रीध-नियम के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही शर्य होगा, जो उस शब्याय में विथा गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० ए-2/एफ-8, पूनम घ्रपार्टमेंट, चिराग लेन, हैदराबाद ।

> के० एस० वैंकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 5-4-1976

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०---

भायकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, हैदराबाद

हैपराबाद, दिनांक 5 भ्रप्रैल 1976

निर्वेश सं० ग्रार० ए० सी० 17/76-77—यत:, मुझे, के० एस० वैंकटरामन ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० बी-1/एफ-8, है, जो चिराग ग्रली है लेन में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 15-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है ग्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) ग्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भिधिनयम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी भन या भ्रम्य म्नास्तियों को, जिन्हें भारतीय म्नायकर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिधिनियम या भन-कर मिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत: श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्मिणिखत व्यक्तियों, श्रथीत् :---

- श्रीमती पुस्पलता भागीदार, मेसर्स एसोसिएटेड बिल्डर्स ग्रीर रियल एस्टेट एजेन्ट्स, हैदराबाद। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री इन्दुलाल जे० पारेख (2) भानू मती जे० पारेख 4-1-581, ए-6, टरूप बाजार, हैदराबाव। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के पर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भ्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भ्रष्यं होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० बी-1/एफ-8, पूनमं ग्रपार्टमेंट, चिराग श्रली लेन, हैवराबाद ।

> के० एस० वैंकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहाबक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 5-4-1976

मोहर 👍

प्रक्ष आई० टी० एन० एस०--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 3 श्रप्रैल 1976

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० 18/76-77—यतः, मुझे, के० एस० वेंकट रामन

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र आजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

ग्रीर जिसकी संबद्धकान नंव 9, 10 व 23 है जो युनिटी हाउस में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 5-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए धम्तरित की गई है भीर मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशक्त से अधिक है और अन्तरक (ध्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे ध्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम, के अधीन कर वेने के झन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अभ्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अस, उन्त अधिनियम, की घारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम, की धारा 269-भ की उपघारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों सर्पात्:—

- 1. मेसर्स हिन्दुस्तान बिल्डर्स, ग्राबीद रोड, हैदराबाद। (ग्रास्तरक)
- 2. श्री रवीन्द्र कुमार कें श्रादीया, 68-जीरा, रोड नं 16, सिकन्दराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्मत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अनुसोप--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविध मा तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि कार्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में कि किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्नवह किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अस्रोहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उन्द्रा अधिनियम, के अध्याम 20-क में यग्ना-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 9, 10, 23, पहला मंजिला, युमिटी हाऊस, आबीद रोड़, हैदराबाद

> के० एस० वैंकटरामन सक्षमः प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 3-4-1976

प्ररूप आई०टी०एन०एस०----

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ(1) के भिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण),

भ्रजन रेंज, हैवराबाद हैदराबाद, दिनांक 3 भ्रप्रैल 1976

निर्देश सं० म्रार०४ ए० सी० 19/76-77---यतः मुझे,

के० एस० वेंकट रामन

धायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से ग्रधिक है

भौर जिसकी संब्धुकान नं 34 है, जो युनिटी हाउस में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-8-1975 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए खन्तरित की गई है घीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से प्रधिक है भीर धन्तरक (धन्तरकों) भीर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त ग्रिश्चित्यम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः ग्रथ उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रणीत्:—

- मेसर्स हिन्दुस्तान बिरुडर्स, भावीद रोड, हैवराबाद। (भ्रन्तरक)
- श्री श्रोम प्रकाश गुप्ता, 5-9-30/1/13 बशीर क्षाग, हैदराबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति ढ़ारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त मधिनियम, के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुकान नं० 34, नल मजले पर, युनिटी हाउस, धाबीद रोड, हैदराबाद ।

के० एस० वैंकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदरााबाद

तारीख: 3-4-1976

प्ररूप माई० टी० एन० एस०-

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 स्रप्रैल 1976

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० 20/76-77--यत:, मुझे, के० एस० वैंकटरामन श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है धीर जिसकी संब्दुकान नंब 35 है, तथा जो यूनिटी हाउस में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 6-8-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान

प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रिष्ठिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित

नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

भतः अब उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण मैं, उक्त मधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों मर्थातः ——

- 1. मेसर्स हिन्दुस्तान बिल्डर्स, भाबीद रोड, हैदराबाद। (भ्रन्तरक)
- 3. श्री हरीकिशन गुप्ता, 5-9-30/1/12 बशीर वाग, हैदराबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां करता हुँ।

उक्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रन्थ व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पतों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में यद्यापरिभाषित हैं, वहीं भर्य होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 35, युनिटी हाउस के तल मजले पर, श्राबीद रोड़ हैदराबाद में स्थित है ।

> के० एस० वैंकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैवराबाव

1 - - 7

तारीख: 3-4-1976

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 श्रप्रैल 1976

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० 21/76-77--यत:, मुझे, के० एस० वैंकट रामन धायकर घधिनियम, 1961 (1961 का (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' वहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार <u> मृ</u>ल्य 25,000/- ६० से **ग्र**धिक **है** श्रौर जिसकी दुकान नं० 37 है, तथा जो यूनिटी हाउस में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 6-8-1975 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के भ्रनुसार भ्रन्तरित की गई है भीर मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिपल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहप्रतिशत श्रधिक है धौर यह कि श्रन्सरक (भ्रन्तरकों) भ्रौर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त श्रधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

- मेसर्स हिन्दुस्तान विल्डर्स युनिटी हाउस श्रावीद रोड़, राबाद । (ग्रन्तरक)
- 2. श्री प्रशोक कुमार गुप्ता , 5-9-30/1/12 बशीर बाग, हैंदराबाद। (अन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० ∕37, युनिटी हाउस के तल मजले पर, ग्राबीद रोड़ हैदराबाद में स्थित है ।

> के० एस० वेकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 3-4-1976

प्ररूप भाई०टी०एन०एस०----

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 अप्रैल 1976
निर्देश सं० आरं० ए० सीं. 22/76-77—यतः, मुझे, के० एस० वैंकट रामन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— रुपये से अधिक है और जिसकी सं० दुकान नं० 8 है जो आबीद रोड़ में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिस्ट्रीकर्ता अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 8-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रिधिक है और
अन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच
ऐसे भन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (अ) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनयम, या धनकर श्रिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

शत: व्यव, उनत प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्स प्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अद्भीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधीत्:-

- 1. मेसर्स हिन्दुस्तान बिल्डर्स, श्राबीद रोड़, हैवराबाद। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री दिलसुख राम ग्रगरवाल, चारकमान 21-7-272, हैदराबाद । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं :—

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अथं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

दुकान नं० 8, युनिटी हाउस नल मजले पर, श्राबीद रोड़, हैदराबाद ।

> के० एस० वैंकट रामन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज हैदराबाद

तारीख: 3-4-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

म्रायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 3 श्रप्रैल 1976

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० 23/76-77—यतः, मुझे, के० एस० वेंकटरामन,

आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू० से श्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 30, है तथा जो श्राबीद रोड़, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 8-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर यह कि ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और भ्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रीव्यतियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर धिवनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या ग्रम-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रंब उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-व की उपघारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयीतु:—

- 1. मेसर्स हिन्दुस्तान बिलर्ड्स, ग्राबीद रोड़, हैदराबाद (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती सुमिन्ना बाई 3-6-369/ए $\circ/17$, हिमायत नगर हैदराबाद-29 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिधिनयम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसुची

दुकान नं० 30, युनिटी हाउस के तल मजले पर, श्राबीद रोड़, हैदराबाद में स्थित है।

> के० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 3-4-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

क्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 श्रप्रैल 1976

निर्देश सं० म्रार० ए० सी०-24/76-77—यतः, मुझे, के० एस० वेंकटरामन,

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उवत श्रधिनियम' वहा गया है), की धारा 269-ख के म्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से म्रधिक है

स्नौर जिसकी सं० दुकान नं० 5 है तथा जो स्राबीद रोड़ में स्थित है (स्नौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्नौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण स्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन 8-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिपल के लिए अतितत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र इप्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उन्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा शकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रवः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों श्रषत्:—

- 1. मेसर्स हिन्दुस्तान बिलडर्स, ग्राबीद रोड़, हैदराबाद (श्रन्तरक)
- 2. श्री प्रहलाद राय गोयल $3-6-369/\nabla \circ /17$, हिमायत नगर, हैदराबाद । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

दुकान नं० 15, युनिटी हाउस के तल मजले पर, श्राबीद रोड़, हैदराबाद।

के० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 3-4-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-------

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भ्रारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 ग्रप्रैल 1976

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० 25/76-77—यतः, मुझे, के० एस० वेंकटरामन श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है और जिसकी सं० दुकान नं० 3, है जो श्राबीद रोड़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 11-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किवत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयक्षर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की घारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1. मेसर्स हिन्दुस्तान बिलडर्स, आबीद रोड, हैदराबाद (अन्तरक)
- श्री जगदीश कुमार लालवानी 3-4-340/1 लिंगम्पल्ली, हैदराबाद (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाष्ट्रियो करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंतबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 3, युनिटी हाउस के तल मजले पर, ग्राबीद रोड, हैदराबाद।

> के० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 3-4-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

मामकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 3 म्रप्रैल 1976

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० 26/76-77—यतः, मुझे, के० एस० वेंकटरामन

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पम्चाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

भौर जिसकी सं० दुकान नं० 44 है तथा जो आबीद रोड में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 8-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है

दृश्यमान प्रात्मिल के लिए अन्तारत का गई है

और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित क्षाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से घिष्क है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं विया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और /या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, धर्षात्:—

- 1. मेसर्स हिन्दुस्तान बिलर्ड्स, श्राबीद रोड, हैदराबाद (ग्रन्तरक)
- श्री एस० श्रीनाथ, 5-5-864 गोशामहल, हैदराबाद (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 पिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के शध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 44, यनिटी हाउस के तल मजले पर, श्राबीद रोड हैदराबाद ।

> के० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 3-4-19

महिर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

भ्रांयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 म्रप्रैल 1976

निर्देश सं० आर० ए० सी० 27/76-77—यतः, मुझे, के० एस० वेंकटराभन भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रुपये से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 38 है तथा जो प्राबीद रोड में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से र्वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 12-8-1975 पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे

दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और

अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीध ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित अद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित

नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनयम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की घारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित स्यक्तियों, प्रशीतः—

- मेसर्स हिन्दुस्तान बिलर्ड्स , श्राबीद रोड, हैदराबाद (श्रन्तरक)
- 2. श्री एस० पापा राव, 5-5-865, गोशामहल, हैदराबाद (श्रन्तरिती)

को य**ह सूचना जा**री करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्त में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये आ सकेंगे।

स्पट्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त ग्रधि-नियम के घट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 38, युनिटी हाउस के तल मजले पर, श्राबीद रोड, हैदराबाद में स्थित है।

> के० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 3-4-1976

प्ररूप आई० टी० एन● एस●-

श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-**व** (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 श्रप्रैल 1976

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० 28/76-77---यतः, मुझे, के० एस० वेंकटरामन,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० दुकान नं० 23, है तथा जो आबीद रोड़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 2-8-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त अधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें सुविधा के लिए;

ग्रतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्ः⊶

- मेसर्स हिन्दुस्तान बिलडर्स, श्राबीद रोड़ हैदराबाद (ग्रन्तरक)
- श्रीमती दमयन्ती गनेरीवाल 8-3-996, श्रीनगर कालनी, हैदराबाद (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीखा से
 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्स श्रिधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 23, युनिटी हाउस के तल मजले पर, ग्राबीद रोड़, हैदराबाद में स्थित है ।

> ्के० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजेन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 3-4-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 अर्प्रल 1976

निर्देण सं० ग्रार० ए० सी० 29/76-77---यतः, मुझे, के० एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उन्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से ग्रिधिक है

ग्रौर जिसकी संबद्धकान नव 39, है तथा जो ग्राबीद रोड़, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 12-8-1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पक्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक इप से मथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त धिवियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के धिती निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:——
7—56GI/76

- मेसर्स हिन्दुस्तान बिलडर्स, ग्रावीद रोड, हैदराबाद (ग्रन्तरक)
- मेसर्रा मोडर्न फोटो, 4-4-23, सुलतान बाजार हैदराबाद (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ब्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण: --- इसमें प्रयुक्त गड्वों और पदों को, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

दुकान नं० 39, युनिटी हाउस के तल मजले पर, श्राबीद रोड़, हैदराबाद में स्थित है ।

> के० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीखा: 3-4-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०------

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराकाद

हैदराबद, दिनांक 3 श्रप्रैल 1976

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० 30/76-77---थतः, मुझे, के० एस० वेंकटरामन,

ष्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० दुकान नं० 40, है तथा जो ब्राबीद रोड़ में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरिप्त है श्रौर मुझे यह विश्वास कारण है कि यथापूर्वोनत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत सेश्रधिक है भौर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रौर म्रान्तरिती (म्रान्तरितियों) के बीच ऐसे म्रान्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त प्रधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हे भारतीय श्रायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रिधनियम', या धन-कर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः म्रब 'उक्त म्रधिनियम' की धारा 269-ग के म्रनुसरण में, में, 'उक्त म्रधिनियम' की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के म्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, म्रयांत:-

- मेसर्स हिन्दुस्तान बिलडर्स, भ्राबीद रोड़, हैदराबाद (ग्रन्तरक)
- 2. श्री बाल किशन मेहता 4-4-929, सुलतान बाजार हैदराबाद (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

- (क) इस मूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी खा से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 40, युनिटी हाउस के तल मजले पर, भाबीद रोड़, हैदराबाद में स्थित है ।

> के० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 3-4-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

श्रायक्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 अप्रैल 1976

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० 31/76-77—यतः, मुझे, के० एस० वेंकटरामन, श्रायकर श्रीधनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है और जिसकी सं० दुकान नं० 26 है, तथा जो आवीद रोड़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1008 (1908 का 16) के अधीन 9-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की बारा 269-में के प्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निक्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

- मेसर्स हिन्दुस्तान बिलर्ड्स, ग्राबीद रोड, हैदराबाद (ग्रन्तरक)
- श्री कमल किशोर मालपानी श्रवयस्क माता शान्ता देवी,
 26, यूनिटी हाउस, हैदराबाद (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी ध्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किये जा सकेंगे।

स्त्पटीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 26, युनिटी हाउस के तल मजले पर प्रावीद रोड़, हैदराबाद में स्थित है।

> के० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 3-4-1976

प्ररूप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 श्रप्रैल 1976

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० 32/76-77—पत:, मुझे, के० एस० वेंकटरामन, आयकर अधिनियम
1961 (1961 वा 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जबत मिंधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं और जिसकी सं० दुकान नं० 32 है तथा जो आवीद रोड़, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से धिणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्झे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इप से कथित नही किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियस,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उन्त अधिनियम' की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की घारा 269-घ की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—— 1. मेसर्स हिन्दुस्तान बिलडर्स, श्राबीद रोड़, हैदराबाद (ग्रन्तरक)

 2. (1) श्री महेण (2) उमेण (3) मुखेश, 21-7-230

 चारकमान, हैदराबाद (श्रन्तरितं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषिस है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं ० 32, युनिटी हाउस, के तल मंजले पर, श्राबीद रोड़, हैदराबाद में स्थित है ।

> के० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीखा: 3-4-1976

प्रकृष माई० टी० एन० एस०-----

आयकर मिश्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 अप्रैल 1976

निर्देश सं० भ्रार० ए० सी० 33/76-77—यतः, मुझे, के० एस० वेंकटरामन,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है प्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 27 है तथा जो युनिटी हाउस में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद श्रनुसूचो में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-8-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है ग्रीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम, के भ्रधीन कर देने के ध्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या भ्रनकर भ्रधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः धव उक्त धिवियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त धिधिवयम की धारा 269-घ की उपधारा (1) धिधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्णात्:—

- मेसर्स हिन्दुस्तान बिलडर्स, हैदराबाद (भ्रन्तरक)
- 2. मधूसुदन मालपानी 1-2-82, गगन महल, हैदराबाद (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रथं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 27, युनिटी हाउस के तल मजले पर, आबीद रोड़, हैदराबाद।

> कें० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 5-4-1976

प्ररूप माई० टी० एन० एस०-----

म्रायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के भ्रष्टीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 श्रप्रैल 1976

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० 34/76-77-—यतः, मुझी, के० एस० वेंकटरामन,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उयत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 22 है तथा जो आवीद रोड़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 15-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्षल के लिये भ्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है भीर अन्तत्तक (भ्रन्तरकों) भीर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिय तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव उक्त भिधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. मेसर्स हिन्दुस्तान बिलडर्स, हैदराबाद (भ्रन्तरक)
- 2. श्री एम० ए० हाय, भ्रवयस्क, पितापालक मोहम्मद उमर मुणीराबाद, हैदरावाद (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी आ से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पध्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

दुकान न० 22, शुनिटी हाउस के तल मजले पर, श्रावीद रोड़, हैदराबाद।

> के० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 5-4-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस∙—

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदरावाद, दिनांक 5 स्रप्रैल 1976

निर्देश सं० ग्रार० ए० सीं० 35/76-77 — यतः, मुझे, के० एस० वेंकटरामन, भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है, ग्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 24, है तथा जो ग्राबीद रोड़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिकारी, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 13-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है ग्रीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या,
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्प भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया बा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त ग्रिधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के ग्रिधीम, निम्नलिखित स्यक्तियों, अर्थात :---

- मेसर्स हिन्दुस्तान बिलडर्स, हैदराबाद (ग्रन्तरक)
- 2. श्री एम० ए० समद पुत्र मोहम्मद उमर ए०-14-881 मुशीराबाद, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताझरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक्ष है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान न० 24, युनिटी हाउस के तल मजले पर, ध्राचीद रोड़, हैदराबाद ।

> के० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 5-4-1976

प्रकप आई० टी० एन० एस०----

आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 श्रप्रेल 1976

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० 36/76-77---यतः मुझे, के० एस० वेंकटरामन
श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की द्यारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रधिक है श्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 25 है, तथा जो श्रावीद रोड में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुस्ची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, हैदरावाद में भारतीय

रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रधिनियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्व में कमी करनेया उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अब उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त द्मिधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधीतः—

- मेसर्स हिन्दुस्तान बिलडर्स, हैदराबाद (अन्तरक)
- श्री एम० ए० रेहमान, ए०~14-881, मुणीराबाद, हैदराबाद (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतार उम्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 25, युनिटी हाउस के तल मजले पर, आबीव रोड, हैदराबाद में स्थित है।

> के० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) द्यर्जन रेंज, हैवराबाद

तारीख: 5-4-1976

प्ररूप भाई• टी• एन० एस०-

भायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 अप्रैल 1976

सं० ग्रार०ए०सी० 37/76–77—यतः मुझे, के० एस० वैंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961(1961 का 43) इसमें इसके पश्चातु 'उक्त अधिनियम' कहा गया की घारा 269-ख के भधीन सक्षम प्राधिकारी यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-र० से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 13 है जो ग्राबीद रोड में स्थित है (श्रीर उससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्दीकृत ग्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-8-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पनद्रह प्रतिशत से प्रधिक है ग्रोर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भीर भन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी झाय या किसी घन या धन्य धास्तिमों को, जिन्हें भारतीय घायकर घिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिनियम, या घनकर घिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ध्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, 'उक्त मधिनियम' की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित ध्यक्तियों, श्रक्ति :~ 8—56GI/76

- 1. मेसर्स हिन्दुस्तान बिलडर्स, भ्राबीद रोड, हैदराबाद । (भ्रन्तरक)
- 2. (1) मुत्ती रेड्डी (2) राघवा रेड्डी, सिंगापुरम मीजा, करीम नगर जिला (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्लन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण-इसमें प्रयुक्त शब्दों झौर पदों का, जो उक्त झिंछिनियम के झध्याय 20-क में परिभाषित है, वही धर्म होगा, जो उस झध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 13, यूनिटी हाउस के तल मजले पर श्राबीद रोड, हैदराबाद में स्थित है।

> के० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 5-4-76

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदरावाद

हैदराबाद, दिनांक 5 अप्रैल, 1976

निदेश सं० श्रार० ए० सी० 38/76-77--यतः मुझे, के० एस० वेंकटरामन

धायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की सारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

धीर जिसकी सं० दुकान नं० 18 है जो ध्राबीद रोड में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में ध्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ध्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ध्रधीन दिनांक 14-8-1975 को

पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्ब्रह प्रतिशत प्रधिक है और अम्तरिक (अन्तरिकों) ग्रीर अम्तरिती (अम्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्ष्य से किया नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपानं में सुविधा के लिए;

श्रतः अब उनत श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उनत अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यवितयों, अर्थात् :—

- मैसर्स हिन्दुस्तान बिल्डर्स, श्राबीद रीड, हैदराबाद, (श्रन्तरक)
- 2. मै॰ सावथ इंडिया कोरपोरेशन (एजेन्टस) लिमिटेड 99-श्रश्नायन स्ट्रीट, मद्रास। (श्रन्तरिती)

को यह सूचनाजारी करकेपूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 विन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामी का से 30 विन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वायर सम्पत्ति में हितवड किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अओहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पन्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के घड्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही धर्य होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

युकान नं० 18, यूनिटी हाउस के तल मजले पर, श्राबीद रोड, हैदराबाद।

> के० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 5-4-1976

प्ररूप भाई० टी० एन०एस०--

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण). श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

निवेश सं० ग्रार० ए० सी० 40/76-77--- ग्रतः मुझे, के०

हैदराबाद, दिनांक 5 श्रप्रैल, 1976

एस० वेंकटरामन, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से ग्रिधिक है

करन का कारण ह कि स्थावर सम्पात, जिसका उपत बाजार मूल्य 25,000/- ह० से प्रधिक है और जिसकी सं० 22.5/23.2/26.3/27.1 है जो मेलूदोड़ी मोजे में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय पुंगानूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन विनांक 28-8-1975

को पूर्बोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधितयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधितयम या धनकर श्रिधितयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्निखित व्यक्तियों, ग्रथीन:—-

- 1. श्री वी० वेंकटरेड्डी, (2) वी० रामीरेड्डी, (3) वी० सदासिवा रेड्डी, लाडीगम मौजा, चाडल्ला पोस्ट चिन्तापुर जिला (श्रन्तरक)
- 2. (1) पी० जगन्नाथ रेड्डी (2) पी० शकुन्तलम्मा शानेवाज स्ट्रीट मदनपल्ली टाउन (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त गब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सर्वे नं० 22.5, 23.2, 26.3, 27.1, 15.27 एकर्स क्षेत्रफल, मेलू दोड्री मोजे, चिन्तापुर जिले में स्थित है।

> के० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 5-4-1976

प्रकप आई॰ धी॰ एन॰ एस०----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहामक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज, हैदराबाव

हैदराबाद, दिनांक 5 श्रप्रैल, 1976

निवेश सं० भ्रार० ए० सी० 4/76-77-अतः मुझे, के० एस० वेंकटरामन द्मायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' नष्टा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है श्रीर जिसकी सं० 145, 146 है जो शेख पेठ में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रूरिजस्ट्री-कर्ता म्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण म्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 15-8-1975 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मृल्य, उसके इण्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रति-शत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ग्रिक्ष-नियम के अधीन कर बेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्यात्:---

- श्रीमती करींमुझिसा बेगम पत्नी युसुफ शरीफ, शेख पेठ, हैदराबाद। (श्रन्तरक)
 - (1) ग्रब्दुल रऊफ सिविखी, 228 ए० क्लास, रेड द्रिलर्स
 (2) श्री रिवन्दर रेड्डी, मल्ली कुरला मोजा (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः-इसमें प्रयुक्त मन्दों स्त्रीर पदों का जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

सर्वे नं० 145, 146, क्षेत्रफल 4 एकर मोहम्मद लायन्स, शेख पेठ, हैंबराबाद।

> के० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 5-4-1976

प्रकृप आई० टी० एन० एस०----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारी 269-थ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) श्रर्णन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 5 श्रप्रैल, 1976

निदेश सं० घ्रार० ए० सी० 42/76-77-यतः मुझे, के० एस० वेंकटरामन आयकर अधिनियम, 1961

1961 (1961 की 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269--ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रधिक है

भौर जिसकी सं० 3-1-418 है जो काचीगूडा में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-8-1975 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तिरित की गई है ग्राँर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत विश्व है ग्रीर यह कि ग्रन्तरक (ग्रन्तर किं। किंग ग्रन्तरिती (अन्तिरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण सिक्तित में वास्तिकिक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधितियम. 1922 (1922 का 11) या उपत ग्रिधिनियम. या धनकर ग्रिधिनियम. 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरिती कार। प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रमः श्रम एषः। अतिराणमः भी भागः 209-गः के अनुः सरण में, मैं, उपत अधिनियन, कें(धारा 209म की उपधारा (1) के प्रधीन निम्मणिधित व्यक्तियों, प्रधीत्

- 1. श्रीमती एम् ० पदमम्मा 3-1-418, काचीगूडा, हैदराबाद (श्रन्तरक)
- 2. श्री पी० वेंकय्या, 3-1-418, काचीगूडा, हैदराबाद (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सबंध में कोई भी भ्राक्षेप:--

- (क) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की श्रविध या तक्तम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की गारीख़ से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

3-1-418, निम्बोली ग्रह्डा, काचीगूड़ा, हैदराबाद।

के० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद।

दिनांक: 5-4-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 श्रप्रैल, 1976

निदेश सं० श्रार० ए० सी० 43/76-77-यतः मुझे, के० एस० वेंकटरामन

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 1-4-149 है, जो खलासीगुडा में स्थित है, (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 13-8-1975

को प्वींक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कृषित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उथत अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अब 'उक्त ग्रिधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) जी \circ राज रेड्डी, $\left\{\begin{array}{c} 1, & 1 \\ & & \end{array}\right\}$ पुत्र जी \circ पुत्र प्रकाश रेड्डी
- (ं) वी० रामचन्द्र पुत्र वेंकयप्पा, बोबेन पल्ली, सिकन्दराबाद । (ग्रन्तरक)
- 2. श्री एम० कान्तम् पुत्र एम० चन्द्रय्या, कुमार गुडा सिकन्दरा-बाद (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पव्टीकरण:--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

1-4-149, खलासी गुडा, सिकन्दराबाद।

कें० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 5-4-1976

मोहरः

प्ररूप माई०टी०एन०एस०---

मायकर मिश्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के मिश्रीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 24 मार्च 1976

निदेश सं 0 300/ए० सी 0 क्यु 0 23-465/19-7/75-76--म्रतः मुझे, पी० एन० मित्तल म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है भौर जिसकी सं अर्वे नं 174 पैकी ब्लाक नं 2 भौर 3 खली जमीन है तथा जो उघना भगवला रोड़, सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्दीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण प्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 26-8-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रहप्रतिशत से ग्रधिक है ग्रौर ग्रन्तरक (मन्तरकों) मौर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृषिधा के लिए; और/था
- (स्त) ऐसी किसी धाम या किसी धन या घन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रंधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रंधिनियम' या धन-कर ग्रंधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

भतः, भव, 'उक्त घधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त घधिनियम' की घारा 269-म की स्व-घारा (1) के घधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथीत्ः—

- (1) मैं० के० मयुर कारपोरेशन की श्रोर से उसके सिंहयारी:
- भगवानदास भखणवास जरीवाला, सग्रामपुरा, मेव रोड, सुरत ।
- पोपट लाल श्रात्माराम राशीवाला, क्षेत्रफल शेरी, गोपीपुरा, सूरत ।

(ग्रन्तरक)

- (2) मैं वर्णन इंडस्ट्रीयल को ग्राप० सर्विस सोसायटी लि० की श्रोर से उसके :
- प्रमुख: हिरेन हरिकशनदास जरीवाला हनुमान शेरी, हिरपुरा, श्रहमदाबाद।
- सेक्रेटरी : फ्रॉबिन्द कुमार चंपकलाल शेरडीधाला सम्रामपुरा, सूरत ।
- 3. जायंट सेक्रेटरी: मनहरलाल छगनलाल पटेल, सोनी पालिया, भेन रोड, सूरत। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हिंत-बढ़ किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्ठोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो 'उक्त ग्रिश्वनियम', के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका सर्वे नं 174 पैकी ब्लाक नं 2 और भौर 3 कुल माप 10600 वर्ग गज (प्रत्येक 5300 वर्ग गज) तथा जो उघना मगदला रोड, सूरत में स्थिति है जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी सूरत के भ्रगस्त 1975 के रिजस्ट्रीकृत विलेख नं 4047 श्रौर 4048 में प्रदिशत है।

> पी० एन० मित्तल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, म्रहमदाबाद ।

दिनांक : 24 मार्च 1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज-II, श्रहमदाबाद.

अहमदाबाद, दिनांक 24 मार्च 1976

निदेश नं 301/ए० सी अयु 0 23-647/19-8/75-76-ग्रतः मुझे, पी० एन० मित्तल प्रधिनियम 1961 (1961 का ग्रायकर (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है भौर जिसकी सं० ब्लोक नं० ए०/14 प्लाट नं०7 भौर 8 कुल माप 1200 वर्ग गज है, जो उघना उद्योगनगर, जिला सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्टीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, सुरत में रिजस्ट्रीकरण भ्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 20-8-1975 सम्पत्ति के उचित बाजार कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रोर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की घारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-म की उपघारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री भ्रनील कुमार कान्तीलाल पटेल एलिस ब्रिज, प्रीतमराय रोड, श्रहमदाबाद

(भ्रन्तरक)

(2) मैं० घोकसी केमीकल इन्डस्ट्रीज नामक भागीदारी पेठी की स्रोर से उसके सहियारी :-जयंनिका बेन, एच० शाह, रोड नं० 7, प्लाट नं० 5, उघना उद्योगनगर, जिला : सूरत । (स्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्यब्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका ब्लोक नं० ए०/14, प्लोट नं० 7 भीर 8 प्रत्येक का माप 600 वर्ग गज (कुल माप 1200 वर्ग गज) है तथा जो उघना-उद्योगनगर सूरत में स्थित हैं जैसा कि रिजस्ट्री-कर्ता भ्रधिकारी सूरत के श्रगस्त 1975 के रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3838 में प्रदर्शित है ।

> पी० एन० मित्तल सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) घ्रर्जन रेंज-II, घ्रहमदाबाद ।

विनांक: 24 मार्च 1976

मोहरः

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०--

श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
भ्रजीन रेंज-11 भ्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 24 मार्च, 1976

निर्देश सं० 302/ए० सी० क्यु०-23-648/19-7/**7**5-76---

श्रतः मुझे, पी० एन० मित्तल भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त ग्रधिनियम' वहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- स्पए से म्रधिक है भ्रौर जिसकी सं० ब्लाक नं० बी, प्लाट नं० 23, रोड नं० 1, कुल माप 1300 वर्ग गज है तथा जो उघना उद्योगनगर, जिला सुरत में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्द्रीकर्ता श्राधकारी के कार्यालय सूरत में राजस्द्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 22-8-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भीर मुझे यह विश्वास गई है करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाफार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल मे, ऐसे दृश्यमान के पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है भीर ग्रन्तरक (भ्रन्तरकों) भौर भ्रन्सरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राथ की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

एतः म्रब उक्त म्रधिनियम की धारा 269-ग के म्रनुसरण में, मैं, उक्त म्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, म्रार्थात्:—— 9—56GI/76

- श्रीमती गांताबेन लवजीभाई ठक्कर, आयुर्वेद निकेतन, हनुमान रोड, विले पार्ले, ईस्ट, बम्बई-57। (श्रन्तरक)
- हेमरेक्ष इन्डस्ट्रीज (भागीदारी पेठी) की अगेर से उसके सहियारी:---
 - ा. विनोद चन्त्र जिमयतराम पानवाला,
- 3, जीवन विकास सोसायटी, अठवां लाइन्स, सूरत ।
 - (2) मुकेश रसीकलाल पानवाला, 3/4075, दिलया शेरी, नवापुरा, सूरत। (श्रन्तरिती) यह सचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही शर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका ब्लाक नं० 3, प्लाट नं० 23, कुल माप ∫1300 वर्ग गज है तथा जो उघना उद्योग नगर, जिला सूरत में स्थित हैं जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, सूरत के ग्रगस्त 1975 के रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, सूरत के रिजस्ट्रीकर्ता विलेख नं० 3873 में प्रदिशत है।

पी० एन० मित्तल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षणद) ग्रर्जन रेंज-II, श्रह्मदाबाद ।

गुरीख: 24-3-1976

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०-

म्रायकर मिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 26 मार्च 1976

निदेश नं० 303/ए० सी० क्यु० 23-464/19-8/75-76 श्रतः मुझे, पी० एन० मित्तल

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रु०से श्रिधिक है श्रीर

जिसकी सं० सं० नं० 167 पैकी खुली जमीन है, तथा जो उघना-मगदला रोड़, सूरत में स्थित है है, (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 16-8-1975 को

पृथिकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबस 'उक्त ग्रिधिनियम' के ग्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रत: श्रव उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधीत्:---

- (1) श्री ६श्वरलाल गिरधर लाल पटेल स्वयं तथा पूकाण इश्वरलाल (सगीर), मुकेण इश्वरलाल (सगीर) के वाली की हैसियत में 'हीरा मोदी शेरी, सग्राम पुरा, सूरत । (ग्रन्तरक)
- (2) नव सजन इन्डस्ट्रीयल को० श्रापरेटिव सर्विस सोसायटी की श्रोर से उसके मुख्य पृथोजकः श्री उमेदराम गणपतराम, सग्राम पुरा, नरसिंह शेरी, सूरत । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के म्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पःशीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पद्दों का, जो उक्त अधिनियम, के शब्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस शब्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका सर्वे नं० 167 पैकी प्लोट नं० बी०/2, कुल माप 6052 वर्ग गज है तथा जो उघना-मगदला रोड़, सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी सूरत के श्रगस्त 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3631 में प्रदर्शित है।

> पी० एन० मिस्तल, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-II, श्रहमदाबाद

दिनांक: 26 मार्च 1976

भ्रधिक है

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भ्रारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक मायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज--II, म्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 मार्च 1976

निदेश नं० 304/ए० सी० क्यू० 23-464/198/75-76— अतः मुझे पी० एन० मित्तल आयकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पम्चात् 'उक्त श्रिधिनयम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- द० से

भीर जिसकी सं० स० नं० 167 पैकी खुली जमीन हैं, तथा जो उघना मगदला रोड, सूरत में स्थित हैं (भीर इससे उपायद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 16-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

मत: भव 'उक्त मधिनियम' की धारा 269-ग के म्रनुसरण में, मैं, 'उक्त मधिनियम', की धारा 269-ष की उपधारा (1) के मधीन, निस्नलिखित व्यक्तियों, भर्यात्।—

- (1) श्री चंपकलाल गिरघरलाल पटेल स्वयं तथा भरत कुमार चंपकलाल (सगीर), हरेश कुमार चंपकलाल (सगीर) के वाली की हेसियत में.
 - (2) नरेश कुमार चंपक लाल,
- (3) पृवीन कुमार चंपकलाल, हीरा मोदी गेरी, सग्रामपुरा, सूरत

(भ्रन्तरक)

2. नव सर्जन इंडस्ट्रीयल को-श्राप० सर्विस सोसायटी लि० की श्रोर से उसके मुख्य पृयोजक: श्री उमेदराम गक्रपतराम, सग्रामपुरा, निरसिंह शेरी, सुरत ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचमा के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिष्ठिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका सर्वे न ० 167 पैकी प्लोट न ० ए०/2 कुल माप 6052 वर्ग गज है तथा जो उधना— मगदला रोड, सूरत में स्थिति है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के अगस्त 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख न ० 3628 में पूर्वागत है।

पी० एन० मित्तल सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 26 मार्च 1976]

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-Ⅲ, म्रहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 26 मार्च 1976

निदेश सं० 305/ए० सी० क्यु०23-464/19-8/75-76---श्रतः मुझे पी० एन० मित्तल

ष्मायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रिधिक हैं ग्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 167 पैकी खुली जमीन हैं, तथा जो उघना-मगदला रोड, सूरत में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 16-4-1975

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिक्रत प्रधिक है भौर भन्तरक (भन्तरकों) भौर
भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के स्निए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भत: धव उक्त मिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त मिधिनियम की धारा 269-च की उपधारा 1) के अन्नीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयत् :--- (1) श्री नरवर लाल गिरधर लाल पटेल स्वयं तथा किरीर कुमार नरवर लाल (सगीर) के वाली की हैसियत में, हीरा मोदी शेरी, सग्राम पुरा, सूरत ।

(भ्रन्तरक)

(2) नव सर्जन इन्डस्ट्रीयल को-म्रापरेटिव सर्विस सोसायटी लि० की श्रोर से उसके मुख्य पृयोजक: श्री उमेदराम गणपतराम, सग्राम पुरा, नरसिंह शेरी, सूरत ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की भविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भ्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में श्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका सर्वे नं० 167 पैकी प्लाट नं० सी०/2 कुल माप 6052 वर्ग गज जो उचना-मगदला रोड, सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी सूरत के श्रगस्त 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3629 में पूर्वागत है।

पी० एन० मित्तल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाव

दिनांक : 26 मार्च 1976

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०---

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

> कार्यालय, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II श्रहमदाबाद

> > ग्रहमदाबाद, दिनांक 26 मार्च 1976

निदेश नं० 306/ए० सी० क्यु० 23-649/19-7/75-76--भ्रतः मुझे पी० एन० मित्तल भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विग्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका 25,000/- रुपए से अधिक है उचित बाजार मृल्य श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 167 पैकी प्लोट नं० डी०/2 खुली जमीन है, तथा जो मोजे मजूरा, उघना-मगदला रोड, सूरत में स्थिति है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्द्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्द्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 16-8-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर यह कि भन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबस, उक्त श्रिधिनयम के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भ्रव उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसार में, में, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के श्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथीत्:— (1) श्रीकान्ती लाल गिरधर लाल पटेल स्वयं तथा कलपेश कान्ती लाल (सगीर) के कवाली की हैसियत में हीरा मोदी शेरी, सग्रामपुरा, सूरत ।

(भ्रन्तरक)

(2) द्वार्केंग इन्डस्ट्रीयल को-म्रापरेटिव सर्विस सोसायटी लि० की म्रोर से:-

प्रेसीडेन्ट:-भथनी लाल वेणी लाल, भूतियाथास गोपीपुरा, सुरत ।

मेनेजर :-पृतापराय साराभाई देसाई, श्रानन्दनगर सोसायटी, सग्रामपुरा, सूरत ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के फ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी
 ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो 'उक्त भ्रधिनियम' के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जो सर्वे नं० 167 पैकी प्लोट नं० डी०/2, कुल माप 6051 वर्ग गज है तथा जो उघना-मगदला रोड, सूरत में स्थिति है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी सूरत के भ्रगस्त 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3630 में पूर्वीगत है।

पी० एन० मित्तल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

दिनांक: 26 मार्च 1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 26 मार्च 1976

निदेश नं 307/ए० सी व्यु 23-650/19-8/75-76-श्रतः मुझे पी० एन० मित्तल, अधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त म्रधिनियम' कहा गया है), 269-ख के अधीन सक्षम को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से अधिक है भौर जिसकी सं ० सर्वे नं ० 167 पैकी प्लोटनं ० ई/2 खुली जमीन है, तथा जो भोजे मजूरा ता० चोरासी, जिला: सूरत में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 16-8-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अम्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचनें में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अण्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के श्रधीन निम्निश्चित क्यक्तियों, श्रथीत्:—

(1) श्रीमती भ्रंबाबेन, गिरधर लाल गोविंदजी की विधवा हीरा मोदी शेरी, सग्रामपुरा, सूरत ।

(भ्रन्तरक)

- (2) मैं० श्रपस्रा प्रोसेंसर्स एन्ड इन्डस्ट्रीज की श्रोर से उसके सिहयारी:
 - 1. चिमन लाल कृपा राम
 - विपिन चन्द्र सुन्दरलाल जेल के पीछे, खारोदरा, सूरत (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप .--

- (क) ६स सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अभ्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्व्हीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका सर्वे नं० 167 पैकी प्लोट नं० ई०/2, कुल माप 6051 वर्ग गज है तथा जो उघना-मगदला रोड, ता० चोरासी, जिला सूरत में स्थिति है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी सूरत के श्रगस्त 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3627 में पूर्विणत है।

पी० एन० मिसल, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), 'ग्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

दिनांक : 26 मार्च 1976

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०--

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूबना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-II म्रहमदाबाद

दिनांक :26-3-1976

निदेश नं० 308/ए० सी० क्यु० 23-651/19-7/75-76—— श्रतः मुझे पी० एन० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से श्रिधिक है

उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से भ्रधिक है भीर जिसकी सं० सर्वे नं० 167 पकी प्लोट नं० ई/1 खुली जमीन है, तथा जो मजूरा, नं० चोरासी, जिला: सूरत में स्थिति है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 19-8-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक है श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) भीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितयों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत 'उक्त श्रधि-नियम' के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रिधिनियम', या श्रनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में विधा के लिए।

म्रतः स्रब उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के मनु-सरण, में, मैं, 'उक्त ग्रधिनियम' की धारा 269-न की उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों मर्थात् :— (1) मैं० नत्र सर्जन ग्रागेंनाइजर्स, जेल के पीछे खटोदरा, की ग्रोर से उसके सिहयारी:—(1) त्रिपिन चन्द्र सुंदर लाल (2) जिमयनराम रितलाल (3) नीलाबेन मोहनलाल (4) इलाबेन बलवंतराय (5) नाराबेन नगीनदास (6) नरेशचन्द्र रमन लाल (7) श्ररण कुमार चिमन लाल (8) विद्या गौरी केशव राम (9) पद्मा बेन हसमुख लाल

(10) पृतापराय साराभाई देसाई.

(श्रन्तरक)

मैं० भ्रापसरा प्रोसेसर्स एन्ड इन्डस्ट्रीज 33/1, प्लोट नं० 4 की श्रोर से उसके सहियारी:-चिमन लाल कृपाराम लंकापति, बिपिन चन्द्र सुंदर लाल ।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्थ व्यक्ति द्वारा, भ्रधोह्स्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पडटीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रथं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका सर्वे नं 167 पकी प्लोट नं० ई/1 कुल माप 6000 वर्ग गज है तथा जो मोजे मजूरा, ता० चोरासी, जिला : सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी सूरत के श्रगस्त 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3778 में पूर्वशित है,.

> पी० एन० मित्तल, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, अहमदाबाद

तारीख: 26-3-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II श्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक: 27 मार्च 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन याय आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

गतः ग्रव 'उक्त ग्रविनियम', की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं 'उक्त ग्रविनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रवीन निम्नलिखत व्यक्तियों, ग्रयीत्:—

- (1) श्री/श्रीमती/कुमारी (1) उत्त्या भाई नगीन दास
- (2) ठाकोर भाई डाहया भाई (3) भंगु भाई डाहया भाई
- (4) ग्रमुत लाल ठाकोर भाई (5) नीस बेन ठाकोर भाई
- (6) नमदी बेन डाह्या भाई (7) चिमन लाल ठाकोर भाई (सगीर) (8) नरेन्द्र ठाकोर भाई (सगीर) (9) भरत भाई ठाकोर भाई (सगीर) (10) लिलता बेन ठाकोर भाई सगीर (11) भानु बेन ठाकोर भाई (सगीर) (सभी 7 से 11 प्रपने वाली ठाकोर भाई डाह्या भाई हारा) (12) रंजी भाई भंगु भाई (सगीर) (13) रंजन बेन भंगु भाई (सगीर) (14) चन्दन बेन भंगु भाई (सगीर) (सभी 12 से 14 तक प्रपने वाली मंगु भाई डाह्या भाई हारा) (15) जमना बेव डाह्या भाई (16) मंजू बेन डाह्या भाई प्रोल्पाडी मोहला, घठवा, सूरत । (अन्तरक)
- ं (2) श्री हंस कमल भ्रात्मा प्रकाश ग्रोवर 328, बुधारा शेरी बेगमपुरा, सूरत ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किसे जा सकेंगे।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका रे० स० नं० 41/4 पैकी प्लोर नं० 4 कुल माप 669 वर्ग गज है जो 561-96 वर्ग मीटर के बराबर है तथा जो गांव उमरा, ता० चोरासी, जिला: सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के अगस्त 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3754 में प्रदिशत है।

पी० एन० मिसल, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II ग्रहमदाबाद

दिनांक: 27-3-1976

प्ररूप भाई०टी० एन० एस०

म्रायकर श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-11 श्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 27 मार्न 1976

न्नायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० रे० स० नं० 41/4 पैकी प्लोट नं० 3 है, तथा जो गांव उमरा, ता० चोरासी जिला सुरत में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सुरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 19-8-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृण्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से ग्रधिक है ग्रीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे

श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य

से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं

किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्स ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत् :--10—56G1[76

- (1) श्री/श्रीमती/कुमारी (1) डाहयाभाई नगीनदास
- (2) ठाकोरभाई डाहयाभाई (3) भंगुभाई डाहयाभाई (4)
- (4) ठाकोर भाई डाहया भाई (3)मंगु भाई डाहयाभाई
- (4) ग्रमृत लाल ठाकोर भाई (5) नीरू बेन ठाकोर भाई
- (6) नर्मदा बेन डाह्याभाई (7) चिमन लाल ठाकोर भाई (सगीर)
- (8) नरेन्द्र ठाकोर भाई (सगीर) (9) मेरती भाई ठाकोर भाई (सगीर) (10) लिलता बेन ठाकोर भाई (11) मानु बेन ठाकोर भाई (सगीर) (सभी 7 से 11 अपने बाली ठाकोर भाई डाह्या भाई द्वारा (12) रंजी भाई मंगु भाई (सगीर) (13) रंजन बेन मंगु भाई (सगीर) (14) चंदन बेन मंगु भाई (सगीर) (सभी 12 से 14 तक अपने वाली मंगु भाई डाह्या भाई द्वारा) श्रोल्पाडी मोहला, श्रठवा, सुरत।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सावित्नी रानी ग्रात्माप्रकाश ग्रोवर 328 दुधारा शेरी, बेगमपुरा, सूरत ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के <mark>प्रर्जन के</mark> लिए कार्यवाहियां मुरू करता हूं।

उपत सम्पत्ति के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका रे० स० नं० 41/4 पैकी प्लोट नं० 3 कुल माप 680 वर्ग गज है जो 570-20 वर्ग मीटर के बराबर है तथा जो गांव उमरा ता० चोरासी, जिला सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी सूरत के श्रगस्त 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3755 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंग्र–II ग्रहमदाबाद

दिनांक: 27-3-1976

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-----

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II श्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 27 मार्च 1976

निवेश नं 311/ए सी व्य 23-654/19-7/75-76--म्रतः मुझे पी० एन० मित्तल भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) इसमें इसके पश्चात् 'जक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से ग्रधिक है भौर जिसकी सं० रे० स० नं० 41/4 पैकी प्लोट नं० 2 है, तथा जो गांव उमरा, ता० चोरासी, जिला: सूरत में स्थिति है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्दीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सुरत में रजिस्दीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 19-8-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है घीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है धौर पन्तरक (मन्तरकों) ग्रौर भन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत 'उक्त श्रधिनियम,' के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रिधिनियम,' या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः श्रव 'उक्त श्रधिनियम' की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, 'उक्त श्रधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखत व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्री/श्रीमती/कुमारी (1) डाह्या भाई नगीनदास (2) ठाकोर भाई डाह्या भाई (3) मंगु भाई डाह्याभाई (4) श्रमृत लाल ठाकोर भाई (5) नीरु बेन ठाकोर भाई (6) नमर्दा बेन डाह्या भाई (7) चिमन लाल ठाकोर भाई (सगीर) (8) नरेन्द्र ठाकोर भाई (सगीर) (9) भरत भाई ठाकोर भाई (10) लिलता बेन ठाकोर भाई (सगीर) (11) भानु बेन ठाकोर भाई (सगीर) (समी 7 से 11 तक अपने वाली ठाकोर भाई डाह्या भाई द्वारा (12) रंजी भाई भंगु भाई (सगीर) (13) रंजन बेन भंगु भाई (सगीर) (14) चन्दन बेन भंगु भाई (सगीर) (समी 12 से 14 तक अपने वाली भंगु भाई शहया भाई द्वारा) (15) जमना बेन डाह्या भाई (16) मंजू बेन डाह्या भाई ध्रोलपाडी मोहला, अठवा, सूरत।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जगदीश पृसनवदन पारेख 66, शान्ती निकेतन सोसायटी, स्टेशन रोड, सूरत।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या सत्सम्बन्धी व्यविसयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रद्योहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम,' के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही शर्थ होगा, जो उस श्रद्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका रे० स० नं० 41/4 पैकी प्लोर नं० 2, कुल माप 622 वर्ग गज है तथा जो गांव उमरा, ता० चोरासी जिला: सूरत में स्थिति है जैसा कि रजिस्ट्रीकृत भ्रधिकारी सूरत के भ्रगस्त 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3953 में प्रवर्षित है।

पी० एन० मित्तल, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज–II, ग्रहमदाबाद ।

दिनांक: 27-3-1976.

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 27 मार्च 1976

निदेश नं० 312/ए० सी० क्यु० 23-654/19-7/75-76----भ्रतः मुझे पी० एन० मित्तल

प्रायकर श्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख़ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्ष्य 25,000/- क० से श्रधिक है श्रौर जिसकी सं० रे० स० नं० 41/4 पैकी प्लोट नं० 1 है, तथा जो गांव उमरा, ता० चोरासी, जिला सूरत में स्थिति है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण क्ष्म से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 19-8-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य से कम के पाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे धचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिम्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अम्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-व की उपधारा (1) के ब्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवीत्:--- (1) श्री/श्रीमती/कुमारी (1) डाह्या भाई नगीनदास (2) ठाकोर भाई डाह्या भाई (3) भंगु भाई डाह्या भाई (4) श्रमृत लाल ठाकोर भाई (5) नीरु बेन ठाकोर भाई (6) नमदा बेन डाह्या भाई (7) चिमन लाल ठाकोर भाई (सगीर) (8) नरेन्द्र ठाकोर भाई (सगीर) (9) भरत भाई ठाकोर भाई (सगीर) (11) भानु बेन ठाकोर भाई (सगीर) (सभी 7 से 11 तक श्रपने वाली ठाकोर भाई डाह्या भाई द्वारा (12) रंजी भाई भंगु भाई (सगीर) (13) रंजन बेन भंगु भाई (सगीर) (14) चन्द्रन बेन मंगु भाई (सगीर) (सभी 12 से 14 तक श्रपने वाली मंगु भाई डाह्या भाई द्वारा (15) जमना बेन डाह्या भाई (16) मंजू बेन डाह्या भाई । श्रोलपाडी मोहला, श्रठवा सूरत ।

(भ्रन्तरक)

(2) नबीन चन्द्र छोटा लाल गज्जर सोमनाथ महादेव रोड, ग्रठवा लाहुन्स सूरत।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और जो पतों का उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

वन्यूची

खुली जमीन जिसका रे० स० नं० 41/4 पैकी प्लोट नं० 1 कुल माप 570 वर्गगज है और जो गांव उमरा, ता० चोरासी जिला सूरत में स्थिति ह जैसा कि रजिस्ट्रीकृत श्रधिकारी सूरत के श्रगस्त 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3752 में प्रदर्शित है।

> पी० एन० मिसल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज-11 श्रहमवाबाद ।

दिनांक : 27-3-1976

प्ररूप आई• टी० एन० एस०--

श्रायकर अधिनिषम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 27 मार्च 1976

निदेश नं० 313/ए० सी० क्यु० 23-655/19-8/75-76-भ्रतः मुझे पी० एन० मित्तल,

ग्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मरुय 25000/- रु० से अधिक है

ग्नीर जिसकी सं० रे० स० नं० 42 पैकी 1845 वर्ग गज जमीन है, तथा जो उघना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सुरत में रजिस्ट्रीकरण प्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 16-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देग्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-**मर अधि**नियम, 1957 (1957 **मा** 27) के प्रयोजनार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

भ्रत: अब उक्त ग्रहि नियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) मे० बडोदा बिक्स फेक्टरी, भागीदारी पेढी की भ्रोर से उसके सहियारी :~
- 1. जीवनलाल जोइनाराम (2) जयन्तीलाल जीवनलाल (3) हीरा लाल जीवन लाल। रेलवे बिज के पास, उघना । (श्रन्तरक)
- (2) गंगा को० ग्रापरेटिव हाउसींग सोसायटी की से उसके प्रयोजक: रामकुमार तारा चन्द गुप्ता, कान्ती लाल रुघनाथ भाई गौत्मी जीवन ज्योति थीयेटर्स के पास. उघना ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी **म**रके पूर्वीक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिद्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

खुली जमीन जिसका रे० स० नं० 42 (जूना 42/43) पैकी कुल माप 1845 वर्ग गज जो उघना , ता० चोरासी, जिला सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी सूरत के श्रगस्त 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3635 में प्रदर्शित है।

> पी० एन० मित्तल. सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) म्पर्जन रेंज-II म्रहमदाबाद

दिनांक 27-3-1976 मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज बंगलूर बंगलूर, दिनांक 26 मार्च 1976

निदेश सं० सी० ग्रार० 62/5155/75-76/ए० स्यू०/बी----यतः मुझे ग्रार० कृष्णमृति आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उनत ग्रिधनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रुपये से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० 15 **है**, तथा जो III मैन रोड, II क्रास, न्यू नरगुपेट, बंगलूर में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, संवगुडी, बंगलूर में रजिस्ट्रोकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन ता० 15-10-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की और मुझे यह विश्वास करने का कारण है यथापूर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरितियों)के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:—

- श्री एम० कृष्ण राव शिन्धे पुत्र स्व० मुत्तोजी राव शिन्धे नं० 161 कनकापुरा रोड, वी० वी० पुरम, बंगलर-4 (श्रन्तरक)
- (2) श्री जी० घन्द्रा पुत्र जी० राम नायुडु मालिक: श्री बेंकटेश्वरा एन्जि० वर्कस नं० 15, III मैंन रोड, II कास, न्यू नरगुपेट, बंगलूर या नं० 30, 5th मैंन रोड, 7th कास, देवनायाचार स्ट्रीट,, चामराजपेट, वंगलूर-18.

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी ध्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण—इसमें प्रमुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

(दस्तायेज सं० 2358/75-76 ता० 15-10-75) गृह नं० 15, मिनैन रोड, मिकास, न्यू नरगुपेट, बंगलूर का पश्चिमी भाग

ग्रवस्थान क्षेत्रफल : पूर्व से पश्चिम ; 52' उत्तर से दक्षिण : $26' \times 6''$ $\}$ 1352 वर्ग फीट

सीमाएं :-पूर्व : 3rd मैन रोड

पश्चिम: श्री० पी० वेंकटाचलपनी की सम्पत्ति उत्तर: बेचने वाले की सम्पत्ति जिसमें श्री बी० जी० गंगघा

दक्षिण : बेचने वाले की संपत्ति जिस में विश्वान्ती भवन होटल है ।

> ग्रार० कृष्णमूर्ति, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज, बंगलूर

तारी**खः 26-3-7**6

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०----

पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 22 मार्च 1976 निर्देश सं० सी० ग्रार० 62/4688/75-76/एन्यू०/बी०-यतः मुझे श्रार० कृष्णमूर्ति

भायकर श्रधिनियम,1961(1961 का

43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका 25,000/- इ० से मधिक है उचित बाजार मत्य श्रौर जिसकी सं० 111/2, 111/3 व 111/4 है, तथा जो कंबी-पुरा गांव, केंगेरी होब्ली बंगलूर, सौत तालुका में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, बंगलुर सौत तालुका में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-8-1975 को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान के सिए श्रन्तरित है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे द श्यमान प्रतिफल प्रतिशत से प्रधिक का पन्द्रह भ्रीर प्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और म्रन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, 'उक्त श्रिधिनियम' के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी द्याय या किसी धन या ग्रन्य द्यास्तियों को, जिन्हें भारतीय ब्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 11) या 'उक्त ग्रधिनियम. (1922 年) धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती प्रकटनहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः अव, 'उक्त अधिनियम' की धारा के घनुसरण में, मैं, 'उम्स ग्रधिनियम' की घारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों भर्यातु:--

1. श्री श्रलेक्स पी० सेबास्टियन पिल्लवातुक्कल बिल्डिंग्स कोट्टयम, केरला स्टेट ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री के० ऐ० मात्यूस कल्लरक्कल हाउस, कांजिरपल्ली, कोट्टयम केरला स्टेट ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन की ग्रवधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्चीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो 'उक्त मधिनियम', के मध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस धध्याय में विया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज 2244/75-76 ता० 5-8-75)

सम्पत्ति-सूखी, भीगी व खेती जमीन-5 एकड़ 30 गुण्टास सर्चे नं 0.111/2, 111/3 व 111/4 कम्बीपुरा गांव, केंगेरी होब्ली, बंगलूर दक्षिण तालुका ।

सीमाएं :-

पूर्व: बदमना सीमा

पश्चिम: सर्वे न० 109 व 112

उत्तर: सर्वे नं० 110 व सब-डिविजन

दक्षिण: सर्वे नं० 113 पेड़ पौधों सहित

अपरी जमीन का पीरिशन सीमा से 10 किं० मी० के बाहर ।

श्रार० कृष्णमृति सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक: 22-3-1976

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-----

भायकर भिधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 22 मार्च 1976

निदेश सं० सी० श्रार० 62/4689/75-76/एक्यू०/बी— श्रतः मुझे श्रार० कृष्णमूर्ति आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इनसे इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधितियम' कहा गया है), की धारा

269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- २० से भ्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० 110/1, /110/2, 110/3, 110/4, 111/1 है, तथा जो कंबीपुरा गांव, केंगेरी होब्ली, वंगलूर दक्षिण तालुका में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के ककार्यालय, बंगलूर सौत तालूका में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन ता० 5-8-1975 को

सम्पत्ति के उचित बाजार मृहय से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है और यह कि ग्रन्तरक (श्रन्तरको) श्रीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर
- (क्का) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धनकर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्भ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः ग्रब उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के भनु-सरण में, मैं. उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269थ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रधीत 1.श्री पी० सी० सेबास्टियन पल्लिवातुक्कल बिल्डिंग्स कोट्टयम, केरला स्टेट ।

(ग्रन्तरक)

 के० ऐ० तोमस कल्लरक्कल हाउस, कांजिरपल्ली, कोट्टयम, केरला स्टेट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ब्रर्जन के लिए कार्यवाहियां णुरू करता हूँ।

उन्त सम्पत्ति के प्रजीन के सबंध में कोई भी आक्षोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों भ्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के भ्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही भ्रर्थ होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

्अनुसृची

(दस्तावेज सं० 2245/75-76 ता० 5-8-75)

संपत्ति—सूखी व भीगी खेती जमीन—4 एकड़, 34 गुण्टास पंप हाउस सहित—सर्वे नं० 110/1, 110/2, 110/3, 110/4, 111/1, कम्बीपुरा गांव, केंगेरी होब्ली, बंगलूर उत्तर तालुका ।

गृह क्षेत्र : $20' \times 15' = 300$ वर्गफीट $\hat{\mathbb{I}}$

सीमाएं :--

पूर्व : गोल्लहल्ली गांव । पश्चिम : सर्वे नं० 109 ।

उत्तर: बुषणावती नदी व गोल्लहल्ली गांव ।

दक्षिण: स० नं० 111व सब-डिविजन व पेड़ पौधों सहित। ऊपरी संपत्ति 10 कि० मी० दूर कारपोरेशन सीमा के बाहर।

ग्रार० कृष्णमूर्ति सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक: 22-3-1976

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

धायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 10 मार्च 1976

निदेश सं० सी० श्रार० 62/4731/75-76/एक्यू०/बी०-यतः मुझे श्रार० कृष्णमूर्ति

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उन्तर प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है प्रौर जिसकी सं० 4, 5, 17 व 18 है, तथा जो स० नं० 39 मिति करे गांव, कसवा हाबली, बंगलूर उत्तर तालूका में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, राजाजीनगर, बंगलूर में रजिस्ट्री-करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन ता० 12-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पक्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिशत से श्रीधक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त अधिनियम, के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये, और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रत: श्रव उक्त श्रधिनियम की घारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रशीत :--- , 1. श्री डी० रंगधामलु नायुडु पुत्न स्व० दासप्पा नायुडु नं० 4, 9th क्रास, विल्सन गार्डन्स, बंगलूर ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री जी० के० कृष्णप्पा, किसान, पुत्न केंपय्या, रामचन्द्रपुरम गांव, यलंहका होब्ली, बंगलूर उत्तर तालूका ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त मध्यों और पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2123/75-76 ता० 12-8-75)

खाली रेवल्यू अवस्थान नं० 4, 5, 17 व 18 सर्वे नं० 39, मितकेरे गांव, कसबा होब्ली, वंगलूर तालूका (श्रव कार्पोरेशन सीमा के अन्तर्गत)

म्रवस्थान क्षेत्रफल : $60' \times 80' = 4800$ वर्ग फीट

म्रार० कृष्णमूर्ति सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण म्रर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक :10-3-1976

मोहरः

प्ररूप बाई । टी० एम० एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1, बंगलूर

बंगसुर, दिनांक 10 मार्च 1976

निदेश सं सी० ग्रार० 62/4732/75-76/ए० सी० क्यु०/बी०-यतः मुझे श्रार० कृष्णमृति श्रधिनियम, 1961 (1961 新 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका बाजार मल्य 25,000/-₹० से अधिक श्रौर जिसकी सं० 6, 7, 15 व 16 है,तथा जो सर्वे नं० 39 मतिकेरे गांब, कसबा होब्ली, बंगलुर उत्तर तालुका में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्दीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, राजाजी नगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन ता॰ 12-8-1975 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बुश्यमान प्रिक्तिफल के लिये अन्सरित की गई है भौर मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है गौर यह कि प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य संख्यत ग्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से करित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सें हुई किसी आग की बाबत, 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सविधा के लिए;

भतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण श्रधिनियम, की धारा उक्त की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात:--

 श्री डी० रंगधामल् नायुडु सुपुत्र स्व० दासप्पा नायड , तं० 4, 9 कास विल्सन गार्डन, बंगलूर

(ध्रन्तरक)

2. श्री पेरुमाल नायुडु सुपुत्र श्री नल्लय्या नायुडु नं० 1282-के० एन० एक्सटेंशन यशवन्तपूर, बंगलूर-22

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचनाजारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सुचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2124/75-76 ता० 12-8-75) खाली रेवन्य ग्रवस्थान नं० 6, 7, 15 व 16-सर्वे नं० 39 मितकेरे गांव, बंगलूर उत्तर तालूका (श्रव कारपोरेशन सीमा के भन्तर्गत) श्रवस्थान क्षेत्रफल:

हर एक स्रवस्थान 30' imes 40' व चारों स्रवस्थान

पूर्व से पश्चिम : 80' 🗋

4800 वर्गफीट

उत्तर से दक्षिण : 60'

सीमाएं :-

पूर्व: सङ्क

पश्चिम: कैंप रोड

उत्तर: सर्वे नं० 39 के श्रवस्थान

दक्षिण : सडक

श्रार० कृष्णमति सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, बंगसूर

दिनांक: 10-3-1976

मोहरः

11--56GI/76

प्ररूप भाई०टी०एन०एस०----

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

> कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज-1, बंगलूर

> > बंगलूर, दिनांक 22 मार्च 1976

निर्देश सं० सी० ग्रार० 62/4749/75-76/ए०सी० क्यू०/बी०-यतः मुझे भ्रार० कृष्णमृति भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-सा के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य

25,000/- ६० से श्रिधिक है

भीर जिसकी सं० 60, 61 है, तथा जो चार्लस भैम्पल रोड, सिविल स्टेशन, बंगलूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर में रजिस्दीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन ता० 4-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) भौर ग्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उपत प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के ग्रधीन कर देने के मन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; धौर/या
- (अ) ऐसी किसी झाय या किसी धन या झन्य झास्तियों को, जिन्हें भारतीय म्रायकर म्रधिनियम, 1922 उक्त भ्रधिनियम, (1922 का 11) या या धनकर घ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ध्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मत: मब उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के मन्-सरण में, मैं, उक्त ध्रिवियम, की धारा 269-ध की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात :--

 श्रीमती ग्रार० लीलावती डब्ल्यू/ग्रो० श्री के० रंगन्ता नं ० 17 दामोवर मुदलियार स्ट्रीट श्रल्सूर, बंगलूर

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती शानवाज बानू डब्ल्यू/ग्रो० स्व० बुधान खान साहब नं० 4641, एन० भ्रार० मोहल्ला शिवाजी रोड, मैसूर

(श्रन्तरिती)

3. श्री निरुनाधकरस् भ्रारत्हा

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के स्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उन्त म्रधिनियम' के प्रध्याय 20-क में परि-भाषित है वही घर्ष होगा, जो उस घ्रष्टयाम में दिया गया है।

अनुसची

(दस्ताबेज सं ० 1530/75-76 ता 4-8-75)

जमीन दोमंजिले मकान के साथ - मुनिसिपल नं० 60, व 61-चार्लस कैंम्पल रोड, कारपोरेशन डिविजन नं० 49-सिविल स्टेशन, बंगलूर

म्रवस्थान क्षेत्रफल :--

उत्तर: 81' दक्षिण: 65' पुर्व: 80'

पश्चिम: 81.5"

गृह क्षेत्र: निचली मंजिल: 13 स्कोयर्सं भार० सी० सी० पहली मंजिल: 12 स्कोयर्समंगलूर खपरैल

सीमाएं :-

उत्तर: चार्लस कैंपल रोड

दक्षिण: नं० 6 भ्रब्दुल हफीज रोड पूर्व : नं० 59 चार्लस कैंपल रोड पश्चिम: नं० 62 चार्लस कैंपल रोड

> श्रार० कृष्णमूर्ति सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 22-3-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बंगलूर,

बंगलूर, दिनांक 24 मार्च 1976

निर्देश सं० सी० ग्रार० 62/4757/75-76/ए०सी० क्यू०/बी---यतः मुझे ग्रार० कृष्णमृति

मायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के भिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० से श्रीधक है

श्रीर जिसकी सं० 134 है, तथा जो रेसीडेन्सी रोड, सिविल स्टेशन में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में ध्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा प्रधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908का 16) के श्रधीन ता० 13-8-1975.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अता, अब उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

 श्री सालिग्राम कपूर एस०/ग्रो० स्व० शामदास कपूर,
 नं० 12/8 राम राव मणी ले ग्राउट अक्की निम्मनहल्ली, शान्ती नगर, वंगलूर-27

(भ्रन्तरक)

 मैसर्ज मेहसन्स प्रतिनिधि : साझेदार श्री नन्दलाल वी० मेहसा श्रंबिका बिलर्डिंग, श्रवन्यू रोड, बंगलूर (श्रन्तरिती) 4. दि० विजया बैंक लिमिटेड

(वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह संपक्ति में हित-बद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा:
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दस्ताबेज सं० 1618/75-76 ता० 13-8-75 भ्रवस्थान प्रधान मकान के साथ नं० 134 (पुराना नं० 2-ए) रेसिडेसी रोड, सिविल स्टेशन, बंगलूर

श्रवस्थान क्षेत्रफल:

उत्तर: 130'.6" वक्षिण: 137'.6"

पूर्व: 94′.9″

पश्चिम: 140'

सीमाएं :

उत्तर :मालवर हाउस, नं० 2 रेसीडेंजी रोड

विक्षण: नं० 1 रेसिडेंसी रोड पारडैस" श्री एष० मूसा

सेठ की संपत्ति

पूर्व: संपति नं० 134 (नया) का भाग, रेसिडेंजी रोड पश्चिम: पुष्पा कपूर ट्रस्ट की संपत्ति व चार फीट वाला रास्ता।

> आर**० कृष्णमूर्ति** स**क्षम प्राधिकारी,** सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) घ्रर्जन रेंज, **बंग**लूर

दिनांक : 24-3-1976

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

्षायकर ब्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर बंगलुर, दिनांक 22 मार्च 1976

निर्देश सं० सी० श्रार० 62/4758/75-76/ए०सी० क्यू० बी०—यतः मुझे श्रार० कृष्णमूर्ति श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की श्रारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसके उचित बाजार मृष्य 25,000/- ६० से श्रिधिक है श्रीर जिस की सं०—है, तथा जो सर्वे नं० 64 पुराना सर्वे नं० 23, 29 ब्लाक, विद्यानगर क्रास, हनुमंतनहली, देवन हल्ली तालूका में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, देवनहल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रक्षिक है भीर ग्रन्तरिक (ग्रन्तरकों) भीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितयों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया क्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

16 ग्रगस्त 1975

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के ग्रधीन कर देने के ग्रम्तरक के दायित्व में कमी करनेया उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिष्ठिनियम या धन-कर श्रिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा श्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः अब उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के भ्रधीम निम्मलिखित व्यक्तियों, ग्रथांत:—

'(1) श्री एन० डी० मंकर पुत्न टी० दासप्पा, विद्यानगर कास हुनतेमरनहल्ली (पो०), देवनहल्ली तालूका बंगलूर जिला (2) श्री के० बी० रामे गौडा पुत्न ए० बोरे गौडा नं० 328 सदाशिवनगर, पालस श्रार्चंडस बंगलूर-6 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घ्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ध्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनसची

(दस्तावेज सं० 1455/75-76 दिनांक 16-8-1975) सारी संपत्ति—-सूखी जमीन —-सर्वे नं० 64 (पुराना सर्वे नं० 23) 29 ब्लाक, विद्यानगर क्रास, हुनतेमरनहल्ली (पो) देवनहल्ली तालूका, बंगलूर जिला में स्थित। सीमाएं:

पश्चिम: नेशनल हाई वे नं० 7 जो बंगलूर व देवनहल्ली

के बीच में है।

उत्तर: शंकरप्पा व नरसिहाचारी की जमीन।

दक्षिण: जमीन-सर्वे नं० 65 जो जमीन श्री एस० जी०

श्रीकण्ठा की हैं

पूर्व: निजी संपत्ति-10 कि० मी० दूर अंगलूर कार-

पोरेशन की सीमा से श्रागे हैं।

श्चार० क्रुब्णमूर्ति, सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक I 22 मार्च 1976

मोहर:

(ग्रन्तरक)

प्ररूप ग्राई• टी० एन० एस०----

धायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 8 मार्च 1976

निर्देश सं० सी० ग्रार० 62/4761/एक्यू/बी—यतः मुझे ग्रार० कृष्णमर्ति

कुष्णमति **प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे** इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है ग्रीर जिस की सं० 12-13 है, तथा जो बासप्पा रोड, गांति-नगर, बंगलर-27 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्या-लय, जयनगर, बंगलूर में रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 13 अगस्त 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) भीर भन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उन्त भन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राम की बाबत 'उक्त ग्रिधिनियम', के ग्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11), या 'उक्त मिधिनियम', या धनकर मिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की बारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-च की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्वातः ---

(1) श्री एस० श्रीनियासाचार पुत्र पी० एस० चार, पद्मालय, माटुगा, बम्बई-31 प्रतिनिधि : श्री पी० एस० रंगनाथाचार नं० 18 मणि मंदिर, बासप्पा रोडी, शान्तिनगर, बंगलूर-27

(ग्रन्तरक)

(2) डा० गोवर्धन हेगडे नं० 34, 8th क्रास,वसन्तनगर, बंगलुर

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उम्ह अधिनियम', के झड्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस झड्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1584/75-76 विनांक 13-8-75) मकान नं० 12-13 बासप्पारोड (डिविजन 62) णान्तिनगर बंगलूर-27 में स्थित । ग्रवस्थान क्षेत्रफल :--

पूर्व से पश्चिम: 57' रे उत्तर से दक्षिण:81' रे

4617 वर्ग फीट

गृहक्षेत्रः 8 स्कोयर्स

सीमाएं :

उत्तर: गृह नं० 8 पूर्व: श्रवस्थान नं० 14 विक्षण: बासप्पा रो (2 मैन रोड) पश्चिम: श्रांड्री कंटिन्युवेशन रोड

> ग्नार० कृष्णमति, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक: 8 मार्च 1976

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०-

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के भिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 24 मार्च 1976

निर्वेश सं० सी० ग्रार० 62/4890/75-76/एक्यू/बी—— यतः मुझे ग्रार० कृष्णमूर्ति

धायकर प्रधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के घ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से घ्रधिक है और जिस की सं० 61 है, तथा जो 7 मैन रोड़, ii ब्लाक, जयनगर एक्सटेंशन, बंगलूर-11 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से बाजित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बसवंगुड़ी में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 14 ग्रगस्त 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्र ह प्रतिशत से धिक है धौर धन्तरक (धन्तरकों) धौर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तिथिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, 'उक्त प्रधिनियम', के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रौर/या
- (ध) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर ग्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त प्रधिनियम', या भ्रनकर भ्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना काहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः ग्रव 'उक्त ग्रधिनियम', की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, 'उक्त ग्रधिनियम', की धारा 269-घ की उपरा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयीत्:---

- (1) श्री एस० चन्द्र राजु, पुत्र श्री एस० मुनिस्वामी राजु नं० 518, 9th मैन रोड, 4 ब्लाक, जयनगर, बंगलुर-11 (ग्रन्सरक)
- (2) श्रीमती के० पार्वतम्मा पत्नी श्री बी० एम० पुटुमुद्द्या, नं० 224, 5th कास-ii ब्लाक, जयनगर, बंगलूर-11 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजंग के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों भीर पदों का, जो 'उक्त मिश्विनियम', के मध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भर्ष होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1763/75-76 दिनांक 14 भगस्त 75) खाली श्रवस्थान नं० 61, 70मैन रोड, ii बलाक, जयनगर एक्सटेंगन, बंगलूर-11

श्रवस्थान क्षेत्र फलः---

पूर्व से पश्चिम : 80' \rightarrow 3200 वर्गफीट उत्तर से दक्षिण : 40'

सीमाएं :

पूर्व: 7th मैन रोड

पश्चिम: भ्रवस्थान नं० 442 उत्तर: श्रवस्थान नं० 62 दक्षिण: श्रवस्थान नं० 60

> भार० क्रुड्णमूर्ति सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 24 मार्च 1976

प्ररूप भाई०टी०एन०एस०---

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलुर, दिनांक 22 मार्च 1976

निर्देश सं० सी० प्रार० 62/4796/75-76/ए० सी० क्यू बी—यतः मुझे प्रार० कृष्णमूर्ति आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उमत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूख्य 25,000/- धपये से अधिक है और जिस की सं० 3 है, तथा जो मिल्लिकाजुन टेम्पुल स्ट्रीट, तेलुगुपेट बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, गांधीनगर, संगलूर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 28 श्रगस्त 1975

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सम पामा गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भन, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म के अनु-सरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपशारा (1) के भ्रधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, भ्रमीत:—

- (1) (1)के० एम० मुनियप्पा (2) के० एम० रामूसा
 - (3) श्रीमति रुक्मणी बाई (4) श्रीमति मुनिरत्ना
 - (5) श्रीमती लक्ष्मी बाई (6) श्रीमती सुमित्रा
 - (7) श्रीमती प्रेमा (8 श्रीमति गंगा बाई पत्नीं स्व० के० एम० मुनीक्ष्वरसा

नं 5, II कास, हरिपेट, बंगलुर सिटी (ग्रन्तरक)

- (2) श्री एम० चैनराज, पुत्न श्री पी० मंगीलाल गोटबाट नं० 96 डैगोणल रोड, बिश्वेश्वरपुरम, बंगलूर-4 (म्रन्तरिती)
- (3) (1) श्री नारायण राव
 - (2) नारदा

(वह व्यक्ति , जिसके ग्रधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजीन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपद्म में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अभ्य स्पक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकींगे।

स्पष्टीकरण--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2153/75-76 दिनांकः 28 अगस्त 75) गृह नं० 44, 57, 61, (पुराना) नया नं० 3, मल्लिकार्जुन टेम्पुल स्ट्रीट, तेलुगुपेट, बंगलूर (कारपोरेशन डिविजन नं० 16) अवस्थान क्षेत्रफल:—

उत्तर: पूर्वसे पश्चिम 38'

उत्तर: दक्षिण से उत्तर $26\frac{1}{4}$ ' दक्षिण: पूर्व से पश्चिम: 32'.10''

पूर्व: उत्तर से दक्षिण 10½ पश्चिमी भाग-7' (मल्लिकार्जन मंदिर तक श्राने जाने का रास्ता सहित)

गृह क्षेत्र: 1 ½ स्कोयर मकान।

सीमाएं :− पूर्वः

पूर्वः नटराज शम्मय्याका घर । पश्चिमः देशमुद्रे मुनियप्पाका घर ।

उत्तर: एस० नंजुण्डप्पा का घर। दक्षिण: श्रप्पासा का घर का ग्राम रास्ता।

> श्रार० क्रुष्णमूर्ति सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, बंगलूर

दिनांक: 22 मार्च 1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुखना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलुर

बंगलूर, दिनांक 22 मार्च 1976

निर्देश सं० सी० श्रार० 62/4766/75-76/ए० सी० क्यू०/

बी०—यतः मुझे ग्रार० कृष्णमूर्ति भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ब्रधीन सक्षम प्राधिकारी विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-र॰ से अधिक है भीर जिस की सं० 28 है तथा जो रेसिडन्सी रोड, बंगलूर-25 में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक 16 ग्रगस्त 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहप्रतिशत से ग्रधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त भन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है --

- (क) झन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत 'उक्त स्रक्षि-नियम' के श्रष्टीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; स्पीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रक्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रश्नीतः—

- (1) (1) श्री सी० जे० हेयस (2) श्रालफड हेयस (3) श्रीमती एमली पियर्स (4) श्रीमती श्रडेलैंड वेक (5) कुमारी एल्लन हेयस (6) सिस्टर मेरी इमिलडा पुत्री स्व० श्रालफड बेर्नाड हेयस । प्रतिनिधि : सी० जे० हेयस । कम संख्या (1), (2) (4) व (5) नं० 28 रेसिडन्सी रोड, बंगलूर-25 में रहने वाले । कम संख्या (3) 29 रेसिडन्सी रोड, बंगलूर में रहने वाले (श्रन्तरक)
- (2) डा० एन० कृष्णमूर्ति पुत्न एन० आदिनारायणप्पा नं० 1 कोर्णवाल रोड, सिविल स्टेणन, बंगलूर-25 (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की श्रवधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्धों धौर पदों को, जो 'उक्त अधिनियम', के ब्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं मर्थ होगा, जो उस ब्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1647/75-76 ता० : 16-8-75) सारी संपत्ति का भाग जो नं० 28 रेसिडन्सी रोड, सिविल स्टेशन, बंगलूर-25 में स्थित है।

> स्रार० कृष्णमूर्ति सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, बंगलूर

दिनांक: 22 मार्च 1976

प्ररूप ग्राई० टी० ए**न०** एस**०**-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-थ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर बंगलुर, दिनांक 22 मार्च 1976

निर्देश सं० सी० श्रार० 62/4770—यतः मुझे श्रार० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम', कहा गया है), की द्यारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उषित बाजार मूल्य, 25,000/-रुपये से अधिक है श्रौर जिस की सं० 9 (पुराना नं० 48) है, तथा जो फ्रेसर टाउन, बंगलूर-5 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 19 श्रगस्त 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमाम प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त मधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

ग्रतः श्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम, की घारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्निसिखत व्यक्तियों, श्रवीत:—

(1) (1) श्री नसहल्ला शरीफ एम०ए० रजाक साहब (2) ग्रासादुल्ला शरीफ के पुत्र नया नं० (9) (पुराना नं० 48) स्टीफन्स रोड फ्रेसर टाउन, बंगलूर-5 (अन्तरक) 12—56GI/76 (2) श्री सैयद वक्तीजर रहमान पुत्न श्री सैयद श्रब्दुल मजीद नं 11 डेविस रोड, सगायपुरम, बंगलूर-5 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भ्रनु<mark>सूची</mark>

(दस्तावेज सं० 1660/75-76 दिनांक 19 ग्रगस्त 75) सारी संपत्ति नं० 48 (नया नं० 9) स्टीफन्स रोड फ्रेसर टाउन, बैंगलूर-5 में स्थित। ग्रयस्थान क्षेत्रफल:

उत्तर में: 38' + 65' दक्षिण: 66' + 57' पूर्व: 40' पश्चिम: 49' + 18'

5400 वर्ग फीट

गृह का एक भाग—-16.5 स्कोयर्स खुली जमीन के साथ जो 38' 40' का है और बगीचे के समान रखा गया है। सीमाएं:—

उत्तरः गृह नं० 48/2 स्टीफन रोड-केप्टन वेणुगोपाल का है।

दक्षिण : र्वां विश्व का भाग—स्टीफन रोड−-श्री दारिसण का है ।

पूर्व: स्व० सूबेदार भ्रार० ई० तिरुवेंकडम की संपत्ति का एक भाग।

पश्चिम : स्टीफन रोड

श्रार० कृष्णमूर्ति सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायंकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक: 22 मार्च 1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

श्रायकर श्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगल्र, दिनांक 24 मार्च 1976

निर्देश सं० सी० म्रार० 62/4777/75-76/ए० सी० क्यू०/

बी---यतः मुझे श्रार० कृष्णम्ति म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिमियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का जिसका उचित सम्पत्ति, स्थावर कारण है कि 25,000/-से अधिक बाजार म्ल्य ŧο श्रीर जिस की सं० 50 हैं, तथा जो कलहल्ली, सिविल स्टेशन, बंगलूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 26 ग्रगस्त 1975 को पूर्वोक्त सम्पक्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत उक्त देने अधीन के में कमी करने के अन्तरक के दायित्य उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (खा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 अधिनियम या उक्त (1922 朝 11) (1957 या धन-कर अधिनियम, 1957 का 27) के प्रयोजनार्घ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

भ्रतः ग्रबः उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं उपरा ग्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात् :--

(1) श्रीमती नीला पत्नी श्री बी० बी० महादेव नं० 43, कलहल्ली, बंगलूर-42

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बी॰ ए॰ पौलोस पत्नी श्री श्रन्तोणी, नं॰ 12 कासुरिना स्ट्रीट बंगलूर-1

(ग्रन्तरिती)

(3) (1) वास (2) बेवी (3) कुट्टन (4) गंगाधरन (5) जोर्ज (6) तोमस (7) जोणी (8) ग्रम्बन कुंज्जन (9) ग्रण्णामलै

(बहु व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में संपत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इ.स. सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- -(अत) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अस्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटिशकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्यों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के **अध्याय** 20-% परिभाषित हैं, वहीं धर्य होगा, जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

अनुस्ची

(दस्तावेज सं० 1766/75-76 दिनांक 26 ग्रगस्त 75) सारी संपत्ति मुनिसिपल नं० 50 (पुराना नं० 47) डिविजन नं० 50, कलहुल्ली सिविल स्टेशन, बंगलूर में स्थित है।

अवस्थान क्षेत्रफलं : 75 उत्तर :

वक्षण: 70' 2610 वर्ग फीट

36 पूर्व : 36 पश्चिमः

गृह क्षेत्र : 688 वर्ग फुट

सीमाएं ।

श्चर्जनराव की संपत्ति। उत्तर: खरीदने वाले की संपत्ति। दक्षिण:

पूर्व : कलहल्ली रोड़ ।

बेचने वाले की बाकी संपत्ति। पश्चिम:

> श्रार० कृष्णमूर्ति, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक: 24 मार्च 1976

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 8 मार्च 1976

निर्देश सं० सी० ग्रार० 62/4785/75-76/ए० सी० क्यू०/बी⊶--यतः मुझे ऋार० ऋष्णमूर्ति

(1961 भ्रायक्र भ्रधिनियम, 1961 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उ**व**त श्रिष्ठिनियम' गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को,यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है श्रौर जिसकी सं० 89/1 है, तथा जो IV मैन रोड, मल्ले-श्वरम, बंगलूर-3 में स्थित हैं (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, राजाजी नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 22 भ्रगस्त 1975 की

पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दुण्यमान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11), या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिली द्वारा प्रकट नहीं किया गया याया किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिये;

भतः भव उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के भनुसरण में; मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के म्रघीन निम्मलिखित व्यक्तियों, मर्थात :--

(1) श्री एन० एल० गोविन्द राज पुत्र स्व० एन० जी० लक्ष्मीनरसिंह भ्रथ्यंगार नं० 89/1 IV मैन रोड, मल्लेश्वरम, बंगलूर-3

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती सुनन्दा नारायण पत्नी श्री एन० एल० नारायण नं० 90----13th कास, 4th मैन रोड़, मल्लेश्वरम, बंगलूर-3

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अध-नियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2328/75-76 दिनांक 22 श्रगस्त 75) मकान नं० 89/1, IV मैन रोड, मल्लेख्यरम, बंगलुर-3 ∤स्थित जिसका एक भाग।

अवस्थान क्षेत्रफल : $--45' \times 45' = 2025$ वर्ग फीट

गृह क्षेत्र : 125 वर्ग फीट

सीमाएं :--

पूर्व: श्री एन० एल० नारायण की सम्पत्ति।

पश्चिम: नं० 89/1 मंकान का एक भाग जो बेचने वाले

के हाथ है।

श्री एन० एल० रामस्वामी श्रय्यंगार की सम्पत्ति। उत्तर: दक्षिण: नं० 89/1 का खाली भाग~-उत्तर से दक्षिण-6'

90' पूर्व से पश्चिम--श्राम रास्ता।

- भ्रार० ऋष्णमूर्ति, सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज बंगलूर

दिनांक: 8 मार्च 1976

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

भायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज , बंगलूर वंगलूर, दिनांक 22 मार्च 1976

निर्देश सं० सी० म्रार० 62/4792/75-76/एसीन्यू/वी---यतः मुझे, श्रार० कृष्णमूर्ति **भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे** इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी 269-ख **को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति,** जिसके उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से अधिक है श्रौर जिस की सं० 46 (पुराना) 67 (नया) है, तथा जो चौडे-श्वरी टेंपुल स्ट्रीट, बंगलूर-2 में स्थित है (और इससे उपाबड़ **ग्रनुसूची म**ें <mark>ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है</mark>), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, गांधी नगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 25 ग्रगस्त 1975 को सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दृश्यमान प्रक्षिफल के लिए भ्रन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में, वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) म्रन्तरण से हुई किसी भ्रायकी बाबत 'उक्त भ्रधि-नियम,' के भ्रधीन कर वेने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, भ्रीर / या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी भ्रन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रिधिनियम,' या भ्रन कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

ग्रत: ग्रब 'उक्त श्रधिनियम' की धारा 269-घ के श्रनुसरण में, म, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थात्:--

(1) श्री (1) ग्रार० गुरुमूर्ति पुक्ष देवन गौडा जी० रामय्या (2) जी० सुब्बय्या (3) जी० माधव पुत्र श्री ग्रार० गुरुमूर्ति (4) जी० करुणा (5) जी० ग्रुरुणा (ग्रल्प-वयस्क) प्रतिनिधि व रक्षकर्त्ता ग्रार० गुरुमूर्ति, नं० 67 चोडेण्वरी टेंपुल स्ट्रीट, बंगलूर-2

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एल० एन० मुनिरत्न शेट्टी पुत्र एल० एम० नारायण शेट्टी नं० 80 गोविन्दप्पा रोड, बसवंगुडी, बंगलूर-4। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोषत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवित्र, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्तिद्वारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उक्त श्रिधितियम,' के झध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2096/75-76 दिनांक 25 श्रगस्त 75 गृह नं० 46 (नया नं० 67) (पिष्चिमी भागः), चौडेश्वरी टेंपुल स्ट्रीट, बंगलूर (डिविजन नं० 41) में स्थित। अवस्थान क्षेत्रफल:

पूर्व से पश्चिम : 13'.6" उत्तर से दक्षिण : 42'.9"

607 वर्गफीट

गृह क्षेत्र : 11 स्कोयर्स

सीमाएं

पूर्व:संपत्ति नं० 67 का भाग जो बेचने वाले के हाथ है।

पश्चिम : श्री बी० बदरीनारायण व श्री एन० सूरप्पा की संपत्ति

उत्तर: ग्राम रास्ता जो खरीदी संपत्ति की ग्रोर जाने बाला।

दक्षिण : श्री त्र्यादिनारायण की संपत्ति का भाग ।

श्वार० कृष्णमूर्ति, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 22 मार्च 1976

मोहर: ं

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, बंगलूर

वंगलुर, दिनांक 22 मार्च 1976

निर्देश सं० सी० ग्रार०|62|4808|75-76|एच सी क्यू/बी— यतः मुझे, ग्रार० कृष्णमूर्ति

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त भिधिनियम कहा गया है) की धारा 269 ख के भिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से भिधिक है

श्रीर जिसकी सं० 285/1 है, तथा जो रेलवे स्टेशन रोड, रोबर्टसन-पेट, कोलार जिला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बंगारपेट में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 21 श्रगस्त 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अम्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं उक्त ग्रिधिनियम, की घारा 269-घ की उपघारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रर्थात्:---

- श्री सी० एन० निभुनन्तम पुत्न स्व० सी० नारायण-स्वामी मुदलियार नं० 23 टेम्पुल रोड, किलपाक, मद्रास-10 (श्रन्तरक)
- सर्वश्री (1) पी० एस० जलील पुत्र स्व० हाजी श्रब्दुल सामद, व्यापरी, मिन्नी इन्नाहिम रोड, रोबर्टसनपेट, भै० जी० एफ०,

- (2) एन० इक्राहिम पुत्न स्व० फकीर, व्यापारी रोबर्टसनपेट, के० जी० एफ०,
- (3) एम० गाफ़र शरीफ़ पुत्र स्व॰ मोहम्मद खौज, व्यापारी, रोबर्टसनपेट,
- (4) ग्रार० सैयद ग्रन्ताफ ग्रहम्मद पुत्र ग्रार० सैयद ग्रम्बुल रहमान व्यापारी, रोबर्टसनपेट । (ग्रन्तरिती)
- 3. सर्व-श्री (1) डी० बी० चम्पालाल, गीता रोड, रोबर्टसनपेट,
 - (2) डी॰बी॰शवबीलाल, बी॰ एम॰ रोड, रोबर्टसनपेट
 - (3) डी० बी० मोहनलाल, I क्रांस रोड, रोबर्टसनपेट
 - (4) डी॰ वी॰ परासमल I क्रास रोड, रोबर्टसनपेट (वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उबत सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रघोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त गन्दों और पदों का, जो सक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 2459/75-76 दिनांक 21 श्रगस्त 75) खाली श्रवस्थान नं० 285/1 रेलवे स्टेशन रोड, रोबर्टसनपेट, के० जी० एफ०, बंगारपेट तालुका में स्थित ।

ग्रवस्थान क्षेत्र :

(ई०एफ०जी०एच० रास्ता) पूर्व से पश्चिम : 12'

उत्तर से दक्षिण: 23'

खाली श्रवस्थान :

(ए० बी० सी० डी०) पूर्व से पश्चिम : 81'

उत्तर से दक्षिण : 123'

सीमाएं :

्पूर्व : श्री सी०एस० जयानन्दम का मकान व खाली जगह । . पश्चिम : श्री सी० टी० तिरुमल का मकान व खाली जगह ।

उत्तर : 4 ब्लाक रोड । दक्षिण : रेलवे स्टेशन रोड ।

> स्रार० कृष्णमूर्ति, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायक्रर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 22 मार्च 1976

प्ररूप म्राई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 26 मार्च 1976

निर्वेश सं० सी० ग्रार० 62/5536/75-76/ए सी क्यू/बी---थतः मुझे, श्रार० कृष्णमूर्ति

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है ग्रौर जिस की सं० 15 (उत्तरी भाग) है, तथा जो III मैन रोड II क्रास, न्यू तरगुपेट, बंगलूर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्रा श्रधिकारी के कार्यालय, वसवंगुडी, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 14 जनवरी 1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत: ग्रब, उन्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उन्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रिधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात:—

- (1) श्री कृष्णराव शिन्धे, पुत्र स्व० मुत्तोजी राव शिन्धे नं० 161 कनकापुरा रोड, वी० बी० पुरम, बंगलूर-4 (ग्रन्तरक)
- (2) सर्व श्री (1) बी जी० शिवशंकर वि० जी० गंगप्पा (2) बी० जी० उमेश ∫ के पुत्र नं०/6 र मैन रोड, 5 कास, चामराजपेट, बंगलूर-18 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, श्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के झड्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस झड्याय में दिया गया है।

अनूसूची

(दस्तावेज सं० 3232/75-76 दिनांक 14 जनवरी 76) गृह नं० 15—III मैन रोड, II क्रास, न्यू तरगुपेट, बंगलूर का उत्तरी भाग ।

श्रवस्थान क्षेत्रफल:---

पूर्व से पश्चिम : उत्तर से दक्षिण :

 $\frac{43}{20'}$ 860 वर्ग फीट

सीमाएं:

पूर्व: 3 मैन रोड

पश्चिम: नं० 15 में बैचने वाले की संपत्ति (पश्चिमी दीवार सबका)

TI mark

उत्तर: II क्रास

दक्षिण: नं० 15 में जी० चन्द्रा की संपत्ति (दक्षिण दीवार सब का)

> श्रार० कृष्णमूर्ति, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक: 26 मार्च 1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 26 मार्च 1976

निर्देश सं० सी० ग्रार० 62/5537/75-76/ए सी क्यू/बी—-- यतः मुक्षे, ग्रार० कृष्णमूर्ति,

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है और जिस की सं० 15 है, तथा जो Ш मैन रोड II क्रास, न्यू तरगुपेट, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बसवंगुडी, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 14 जनवरी 1976

को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उचित आजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बच्चने में सुविधा के लिए;
- (ध) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः मन, उन्त मधिनियम की धारा 269-ग के मनु-सरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित ध्यक्तियों मर्यात्:—

(1) श्री जी० चन्द्रा पुक्ष जी० राम नायुडु मालिक: श्री वेंकटेश्वरा इन्ज० वर्क्स 15/1 III मैन रोड, II कास न्यू तरगुपेट, बंगलूर या 30 5 मैन रोड, 7 कास देवनाथाचार स्ट्रीट, चामराजपेट, बंगलूर-18 (श्रन्तरक) (2) श्री बी॰ जी॰ राजशेखर पुत्न बी॰ जी॰ गंगप्पा नं॰ $16\,\mathrm{I}\,$ मैन रोड, $5\,$ क्रास, चामराजपेट, बंगलूर- $18\,$ (श्रन्तरिती)

(3) श्रीमती पी० सुभद्रम्मा पत्नी श्री पी० वेंकटाचलपति
61-62 ईस्ट पार्क रोड, मल्लेश्वरम, बंगलूर-3
(वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रश्चोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3234/75-76 विनांक 14 जनवरी 1976) गृह नं० 15 III मैन रोड, I^{I} कास, न्यू तरगुपेट, बंगलूर का दक्षिणी भाग

श्रवस्थान क्षेत्रफल:

पूर्व से पश्चिम : 25' $3 \ \$ $250 \ \$ वर्ग फीट 10'

गृह क्षेत्र : निचली मंजिल : 2 1/2 स्कोयर्स

सीमाएं ।

पूर्व: Ш मैन रोड ।

पश्चिम: बेचने वाले के गृह का एक भाग।

उत्तर: गृह का एक भाग जो श्री एम० कृष्ण राव शिन्धे ने श्री बी० जी० शिवशंकर व बी० जी० उमेश को वेचा गया है।

दक्षिण : श्री बी० एन० नंजुण्डप्पा के गृह का एक भाग ।

श्रार० कृष्णमूर्ति, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 26 मार्च 1976

ं ^दं प्ररूप आई० टी∙ एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण प्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 26 मार्च 1976

निर्वेश सं० सी० श्रार० 62/5537(ए)/75-76/ए सी क्यू/बी—यतः मुझे, श्रार० कृष्णमूर्ति,

शायकर शिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पये से अधिक है और जिस की सं० 15 है तथा जो III मैन रोड II कास, न्यू तरगुपेट बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुस्ची में और पूर्ण रूप से विणित है),रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बसवंगुड़ी, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 19 नवस्वर 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अग्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रवास (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखात में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की शाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः व्यव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

(1) श्री एम० कृष्ण रात्र शिन्धे, पुत्त स्व० श्री मुत्तीजी राव शिन्धे नं० 161 कनकापुरा रोड बी० वी० पुरम, बंगलूर-4 (श्रन्तरक) (2) श्री बी० एम० नंजुण्डप्पा पुत्र एम० पी० मुद्दमल्लप्पा नं० 259/260 I मैन रोड, चामराजपेट, बंगलूर-18 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करला हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (का) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अम्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पथ्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो, उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यका परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

(दस्तावेज सं० 2725/75-76 दिनांक 19-11-75) गृह नं० 5-III मैन रोड, II कास, न्यू तरगृपेट, बंगजूर का एक भाग।

ग्रवस्थान क्षेत्रफल:

सीमाएं :---

पूर्व: III मैन रोड।

पश्चिम : जी० चन्द्रय्या का कारखाना ।

उत्तर: जी० चन्द्राकी संपत्ति।

दक्षिण: बेचने वाले की संपत्ति जिस में विश्वान्ति भवन

होटल है ।

ग्रार० कृष्णमूर्ति, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलुर

दिनांक: 26 मार्च 1976

मोइर:

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०---

श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक स्नायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 22 मार्च 1976

निर्देश सं० सी० श्रार० 62/4686/75-76/ए०सी०क्यू०/बी— यतः मुझे श्रार० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

स्रौर जिस की सं० — है, तथा जो सर्वे नं० 109, कम्बीपुरा गांव , केंगेरी होब्ली, बंगलूर दक्षिण तालूका में स्थित हैं (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में क्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, बंगलूर सौन तालूका में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, दिनांक 5 स्रगस्त 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रिधिक है और अन्तरिक्त (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के ग्रन्तरण के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य झास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्स अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रम उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, 'उक्त श्रिधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रायति :—— 13—5656GI/76

(1) श्री श्रलेश्स पी० सी० सेथास्टियन पिल्लवानुक्कल बिल्डिंगस, कोट्टयम, केरला स्टैट

(ग्रन्तरक)

(2) श्री के॰ ऐ॰ श्रद्धहाम कल्लरक्कल हाउस, कांजिरपल्ली, कोट्रयम, केरला स्टेट

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी ध्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबक्ष
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रद्योहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2242/75-76 दिनांक 5 अगस्त 1975) संपत्ति जो सूखी, भीगी व खेती जमीन-7 एकड़ 11 गुंटास खपरेल छत वाला मकान के साथ सर्वे नं० 109, कम्बीपुरा गांव, केंगेरी होब्ली, बंगलुर सौन तालुका में स्थित ।

गृह क्षेत्र : 40'×20'⇒800 वर्ग फीट **सीमाएं** :

पूर्व: सर्वे नं० 110 व 111 व सब डिविजनस।

पश्चिम : सर्वे नं० 106 व 115।

उत्तर: वृषाश्वती नदी।

दक्षिण : सर्वे नं० 112 पेड़ पौधे स्रादि सहित।

ऊपरी जमीन कारपोरेशन सीमा से 10 कि ० मी ० के आगे है।

ग्रार० कृष्णमूर्ति सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज बंगलुर

दिनांक 22 मार्च 1976 मोहर : प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के ग्रिघीन सूचना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बंगलुर

बंगसूर, दिनांक 22 मार्च 1976

निर्देश सं० सी० श्रार० 62/4687/75-76/ए०सी०क्यू०/बी~— यतः मुझे, श्रार. कृष्णमूर्ति

श्रायकर श्रिशिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रिशीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मध्य 25.000/- ६० से श्रीधक है

उचित बाजार मृष्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

प्रौर जिसकी सं० — है, तथा जो सर्वे नं० 112 कंबीपुरा गांव,
केंगेरी होब्ली, बंगलूर सौत तालुका में स्थित है (और इससे उपाबड़
प्रानुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के
कार्यालय, वंगलूर सौत तालुक में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिकारी के
कार्यालय, वंगलूर सौत तालुक में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिकायम,
1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 5 ग्रगस्त 1975 को
प्वॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रसिफल के लिए श्रन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से ग्रिधिक है ग्रौर ग्रन्तरक (श्रन्तरकों) ग्रौर श्रन्तरिती
(ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, 'उक्त मधिनियम' के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रिधिनियम', या धनकर श्रिधिनियम', या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अब, 'अबत श्रधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, में 'अबत अधिनियम,' की धारा 269-घ की उपछारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथात :--- (1) श्री श्रलेश्स पी० सी० सेबास्टियन पिल्लवासुक्कल विल्डिंगस, कोझ्यम, केरला स्टेट ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री के० ऐ० जेकब कल्लरक्कल हाउस, कांजिरपल्ली, कोट्टयम, केरला स्टेट।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी क्षरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के शिये कार्यवाहियां गुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:~-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उमत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अमुसुस्रो

(दस्तावेज सं० 2243/75-76 दिनांक 5 अगस्त 1975) संपत्ति सूखी, भीगी जमीन खेती जमीन-6 एकड 14 गुंटास सर्वे नं० 112, कंबीपुरा गांव, केंगेरी होब्ली, बंगलूर सौत तालूका में स्थित ।

गृह क्षेत्र : 40° × 30° 1200 वर्ग फीट सीमाएं :

पूर्व: जमीन सर्वे नं० 113 में । पश्चिम:जमीन सर्वे नं० 105 व 104 में ।

उत्तर: सर्वे नं० 109 व 111 में सब डिबिजन सहित दक्षिण: सर्वे नं० 113, 123, 124 व रास्ता ऊपरी जमीन कारपोरेशन सीमा से 10 कि० मी० के ग्रागे हैं।

> श्चार० क्रष्णमूर्ति, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, बंगलुर

दिनांक 22 मार्च 1976 मोहर: प्रारूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

वंगलूर, दिनांक 29 मार्च 1976

निर्देश सं० सी० ग्रार० 62/5079/75-76ए०सी०क्यू०/बी---यतः मुझे श्रार० कृष्णमृति,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से ग्रिधिक है

भ्रौर जिसकी सं 97 है, तथा जो III कास, मागडी रोड, बंगलूर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गांधी नगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 23 श्रक्तूबर 1975

का पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार गूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक प्रमत्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पर्या गया प्रतिफल, निम्नेलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा(1)के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) (1) श्री बी० ए० भगवानमूर्ति पुत्र बी० ए० श्रीराममूर्ति
 (2) बी० ए० एस० बलराम मूर्ति (3) कु० हेमा
 नीला (4) श्रीमती सूर्या ब्राई (5) श्रीमती

शारदम्मा (6) श्रीमतो निर्मला कृष्णमू
---नं० ७ मौन एन्ड रोड शेषाद्रीपुरम, बंगलूर
(ग्रन्तरक)

(2) श्री के० श्रीनिवास पुत्र के० शेषाचार नं० 46 ''ग्रपराजित'' 13 कास, मल्लेश्वरम बंगलूर-3 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्क्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप .----

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि याद में समाप्त होती हो, के भीतरपूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन थी तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधौहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्धाकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ज सं० 2673/75-76 दिनांक 23 अन्तूबर 75] गृह नं० 97, III कास, मागडी रोड, बंगलूर (डिविजन नं० 13) का पश्चिमी भाग ।

पूर्व से पश्चिम : 24' \rightarrow 3768 वर्गफीट उत्तर से दक्षिण : 157'

सीमाएं :

उत्तर : बेचने वाले की संपत्ति नं० 97 जो श्री ग्रश्वन्य नारायण षोट्टी को बन्धक की गई हैं।

दक्षिण : दूकान नं० 97/6, 97/7 व रास्ता 17'

पूर्व : खाली जगह व संपत्ति जो डा० स्रार० ए० श्रीरंगम्मा को बेची गई है ।

पश्चिम : III क्रास मागडी रोड (खुली जगह)

ग्रार० कृष्णमूर्ति सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण); ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक: 29 मार्च 1976

प्ररूप माई०टी०एन०एस०-

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के श्रधीन सूचना भारतसरकार

> कार्यालय, सहायक श्रायंकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, बंगलूर बंगलुर, दिनांक 22 मार्च 1976

निर्देश सं० सी० ग्रार० 62/4790/75-76/ए सी क्यू/बी---यतः मुझे, ग्रार० ऋष्णमूर्ति,

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जकत श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम श्रीधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रिधिक है

भीर जिस की सं० 97 है, तथा जो III कास, मागडी रोड, बंगलूर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 20 श्रगस्त 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिषक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्रायकी बाबत 'उक्त श्रधि-नियम' के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या घ्रन्य ध्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर ध्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त ध्रिधिनियम', या धनकर घ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ध्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव 'उन्त श्रधिनियम' की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, 'उन्त श्रधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत :---

(1) श्री बी० ए० भगवान मूर्ति पुत्र बी० ए० श्रीराम मूर्ति
 (2) बी० ए० एस० बलराम मूर्ति (3) कु० हेमा
 नीला (4) श्रीमती सूर्या बाई (5) श्रीमती शारदम्मा
 (6) श्रीमती निर्मला कृष्णमूर्ति नं० 7 सौत एन्ड
 रोड, गेषाद्रिपुरम, बंगलूर

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती डा० श्रार० ए० श्रीरंगाम्मा एम० बी० बी० एस० पुत्री श्री रामानुज श्रय्यंगार, नं० 590/1 13 कास रोड मल्लेश्वरम, बंगलूर-3

(भ्रन्तरिती)

3. मैंसर्स स्टेलिंग कास्टिंगस प्रतिनिधि : श्रीमती सरस्वती शेषरत्नम नं० 6 मिल्लर टांक बन्ड रोड, बंगलूर-52 (वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों भ्रीर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम' के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2051/75-76 विनांक 20 ग्रगस्त 75) जमीन व गृह का पूर्वी भाग नं० 97 मैंन रोड, मागडी रोड, वंगलूर (डिविजन नं० 13)

सीमाएं :

उत्तर: बेचने वाले की संपत्ति नं० 97 श्री बी० एम० श्रुण्वत्य नारायण णेट्टी को बन्धक की गई है

दक्षिण : दूकानें नं० 97/1, 97/2, 97/3, 97/4, 97/5 व रास्ता 17' जो मागडी रोड से गृह को जाने वाला

पूर्व: खुली जगह व बाकी संपत्तिया श्रन्य लोगों की हैं।

पश्चिम : बेचने वाले की बाकी संपत्तियां व खुली जगह 3768 वर्ग फीट, उत्तर से दक्षिण--157' पूर्व से पश्चिम : 49' जिसमें स्थित ग्रन्य गृह संपत्तियां।

> ग्रार० क्रुष्णमूर्ति, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलुर

दिनांक : 22 मार्च 1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

ध्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलुर

बंगलूर, दिनांक 29 मार्च 1976

निर्देश सं० सी० म्रार० 62/5031/75-76/ए०सी० क्यू०/बी---यतः मुझे, श्रार० कृष्णमृति,

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित

बाजार मृत्य 25,000/- ६० से ध्रिष्ठिक है ग्रीर जिसकी संख्या 21 (पुराना नं० 20) है, तथा जो डेकोस्टा लेग्राउट, कुक टाउन, बंगलुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय शिवाजी नगर,बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण म्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 8-10-1975 को पुर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुग्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है ग्रीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे में स्विधा के लिए; भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

ग्रतः अब उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन तिम्नलिखित व्यक्तियों श्रर्थातु :---

- सर्वेश्री (1) ए० बी० राज बहाद्र) स्व०ए०टी० वेंकट-(2) ए० वी० राजशेखरन रामन के पुत्र
 - ्रप्रतिनिधिः ए० (3) ए० वी० ग्रतन्तरामन
 - 4) कु०ए० बी० राम बाई र्वी० राजगेखरन

(5) कु०ए० बी० कस्तुरी

नं० 30/ए, चार्लस काम्पल रोड, कोक्स टाउन, भंगलूर-5

(भ्रन्तरक)

2. श्री ए० बी० समिय्हला सुपुत डा० ग्राजादुल्ला बेग नं० 2 नोष्ट्रा स्ट्रीट, सिविल स्टेशन, बंगलूर-1 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीखासे 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किय जासकोंगे।

स्पच्टीकरण--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

(दस्तावेज सं० 2127/75-76 ता० 8-10-75)। खाली जमीन जो गृह नं० 21 का एक भाग है ब्रौर डे-कोस्टा ले आउट, कुक टाउन, बंगलुर में स्थित है ।

ग्रवस्थान क्षेत्रफल:

पूर्व से पश्चिम : $28\frac{1}{2}$ ' उत्तर से दक्षिण : 64' 1824 बर्ग फीट

सीमाएं :

: नं० 21 पर बनाया गृह । पश्चिम : 8 वीडा श्राम रास्ता।

: संपत्तिनं० 21 का भाग जो खरीदने बाले की

न मोहम्मद जाफर शरीफ़ की है।

दक्षिण : सङ्का

> आर० कृष्णमृति, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) यर्जन रेंज, बंगलर

तारीख: 29-3-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण)

ध्रजंन रेंज, बंगलूर बंगलूर,दिनांक 24 मार्च 1976

निर्देश सं० सी० श्रार० 62/4772/75-76/ए०सी० क्यू०/वी—-यतः मुझे, श्रार० कृष्णमूर्ति श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रीर जिसकी संख्या 21 (पुराना नं० 20) है तथा जो डे कोस्टा ले श्राउट, कूकटाउन, बंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विश्वत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय शिवाजी नगर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 20-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि

यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के श्रीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी घन या घन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः ध्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा269-घं की उपधारा (1) के श्रधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, ध्रयीत् :---

- 1. सर्वे श्री (1) ए० वी० राजबहादुर
 - (2) ए० बी० राजशेखरन
 - (3) ए० वी० श्रनन्तरामन
 - (4) कु०ए० वी० कस्तूरी
 - (5) कु०ए० त्री० रामबाई

(1) प्रतिनिधि: ए० बी० राज शेखरन।
 स्व० ए० टी० वेंकटरामन के पुत्र।
 गं० 30/A, चार्लस काम्पल, रोड, कोक्स टाउन,
 बंगलूर-5

(ग्रन्तरक)

2. श्री मोहम्मद शरीफ सुपुत्र मोहम्मद खौस

नं 12 स्लाटर हाउस रोड कास, सिविल स्टेशन, बंगलूर। प्रतिनिधि: श्री ए० बी० सिम युल्ला

> सुपुत्र छा० श्राजादुल्ला वेग, नं० 2, नार्थ स्ट्रीट, सिविल स्टेशन, बंगलूर-1 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पवों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1675/75-76 ता० 20-8-75)

खाली जमीन--गृह नं० 21 (पुराना नं० 20) डेकोस्टा ले भाउट, कूक टाउन, बंगलूर का एक भाग।

ग्रवस्थान क्षेत्रफल:

 $28_2^{1\prime} \times 64^\prime = 1824$ वर्ग फीट । सीमाएं :

पूर्व : 8' चौड़ा ग्राम रास्ता ।

पश्चिम: अवस्थान नं 19 में बनाया गृह।

उत्तर : संपत्ति नं० 21 का भाग जो खरीदने वाले ग्रौर

ए० बी० सामिउल्ला की है।

दक्षिण : सङ्क ।

स्रार० कृष्णमूर्ति, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) यर्जन रेंज, बंगलुर

तारीख: 24-3-76

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०----

ग्रायकर ध्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ध्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

्रयर्जन रेंज, बंगसूर्¦ िः

बंगलूर, दिनांक 27 मार्च 1976

निदेश सं० सी. ग्रार० 62/4760/75-76/ए०सी०क्यू०/बी—--यतः मुझे, ग्रार० कृष्णमूर्ति आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु०

से श्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० 1 है तथा जो 1 ईगिल स्ट्रीट, लोंगफोर्ड टाउन, बंगलूर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जयनगर, बंगलूर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 8-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देण्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत 'उक्त ग्रिधिनियम' के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करनेया उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उम्त ग्रिधिनियम', या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये;

श्रतः ग्रब 'उक्त श्रधिनियम' की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, 'उक्त ग्रधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः---

- श्रीमती फ़रूख सुल्तान सुपुत्नी स्व० मीर श्रघा श्रब्दुल हुसैन नं० 14 नेयन विल्ले रोड, लोंग फोर्ड टाउन, बंगलूर-27 (श्रन्तरक)
- श्रीमती हुस्सैन बेगम श्रिलयास जेहारी बेगम नं० 3/99, रिझमंड टाउन, बंगलूर-25

(ग्रन्तरिती)

3. (1) ऐरिश

(2) चेरियान

(वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ध्राजैन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीखा से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पवों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1569/75-76ता० 8-875)

पुराना गृह मंगलूर खपरैल, से बनाया खुली जगह सहित—— ; नं० ईगिल स्ट्रीट, लोंग फोर्ड टाउन, बंगलूर-27 श्रिवस्थान क्षेत्रफल :

उत्तर : 115' } दक्षिण : 118' } 9560 वर्ग फीट पूर्व : 145'' } पश्चिम : 155' }

श्रार० क्रुष्णमूर्ति, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलुर

ता**रीख**: 27-3-76

मोहरः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

म्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 27 मार्च 1976

निर्देश सं० सी०ग्रार० 62/4699/75-76/ए० सी० क्यू०/बी---यतः मुझे आर० कृष्णमूर्ति

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त श्रिधिनियम कहा गया है) की धारा 269 ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रिधिक है

स्रोर जिसकी सं० — है तथा जो सर्वे नं० 231, 230, 229, 78, 85 के० हेम्मन हल्ली, येलवल होब्ली तालूका में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रीर जी पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता स्रिधकारी के कार्यालय मैसूर में रिजस्ट्रीकरण स्रिधिनियम 1908

(1908 का 16) के अधीन ता॰ 11-8-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त मधि-नियम के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः ग्रय उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, भैं, उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-श की उपघारा (1) के श्रिधीन निम्नलिखित क्यक्तियों ग्रयीत्:—

 श्री एम० सुन्दर राव सुपुत्र एम० वेंकट राव के० हम्मन हल्ली, येलवल होक्ली, मैसूर तालूका । (श्रन्तरक)

- 2. (1) श्री के० मुत्तुस्वामी सुपुत्र के० कालिमुत्तु गौंडर
 - (2) नंजप्पा गौंडर सुपुत्र रामन्त गौंडर डेगनहल्ली गांव, श्रामचावडी (पो०) चामराजनगर तालूका, मैसूर जिला।

(भ्रन्तरिती)

4. मैसर्स एस्सन फ्लोर एस्टेट्स (प्रा०) लिमिटेड (वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता है।

जक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उक्त भ्रधिनियम', के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1806/75-76 ता० 11-8-75) खेती जमीन —34 एकड़ 20 गुण्टास — सर्वे नं०231, 230, 229, 78 व 85 के० हेम्मन हल्ली, येलवाल होब्ली, मेसूर तालुका में स्थित । सोमाएं: अमण:

सर्वे नं ०	उत्तर स० नं०	दक्षिण स० नं०	पूर्व स ् नं०	पश्चिम स०नं०
231	233	230	126	79
230	231	229	127	78
229	230	$\frac{138}{139}$	129	234
78	79	234	230	77
85	सङ्क	84	135	87

न्नार० कृष्णमूर्ति सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 27-3-1976

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०---

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 27 मार्च 1976

निर्देश सं०सी० म्रार० 62/4698/75-76/ए०सी० म्यू०वी० ---यतः, मुझे, भ्रार० क्वरणमृति

आयकर श्रिष्टिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिष्टिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिष्टीन सक्षम प्रिष्टिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है श्रीर जिसकी सं० ——— है तथा जो सर्वे नं० 135, 232, 85, 79/1, 79/2, 84, व 234 के० हम्मन हल्ली, मैसूर तालुका में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है) रांजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैसूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रियीन तारीख 2-8-1975 को पूर्योक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूक्ष्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवस सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उबत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के भधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या भन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय मायकर मिधिनियम, 1922 (1922का 11) या जक्त मिधिनियम, या धन-कर मिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, शर्थात्:-

 श्री सुन्दर राव सुपुत एम० वेंकट राव, के० हेम्मन हल्ली, येलवाल होब्ली, मैसूर तालुका।

(श्रन्तरक)

- (1) श्री पी० एम० पोन्नुस्वामी सुप्रत मारवा गौडर
 - (2) श्रीमती चिन्त पापल पत्नी श्री मुहगस्यामी गौंडर केडनहल्ली, श्रन्तचावडी (पो०), चामराजनगर तालुका, मैसूर जिला।

(अन्तरिती)

 4. मैसर्स एस्सन फ्लोर, एस्टेट्स (प्रा०) लिमिटेड
 (वह व्यक्ति जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिबतद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तस्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उवत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिश है, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूघी

(दस्तावेज सं० 1765/75-76 ता० 2-8-75) खेती जमीन --32 एकड़ 7 गुण्टास । सर्वे नं० 135, 232, 85, 79/1, + 79/2, 84 व 234 के० हेम्मन हल्ली, येलवास, होब्ली, मैसूर तालुका में स्थित ।

सीमाएं : ऋमशः

सर्वे नं ०	उत्त र स०नं०	दक्षिण स० नं ०	पूर्व स०नं०	प श्चिम स० न ०
135	सड़क	232	101	85
232	135	231	126	84
085	सड़क	84	135	83
79/1+7	9/2 84	78	231	80
84	85	79	232	83
234	78	233	229	234

ग्धार० क्रुडणमूर्ति, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 27-3-76

प्रारूप आई० टी० एन० एस० --

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, नागपुर

निर्देश सं० आय० ए० सी०/ए०सी०क्यू०/40/75-76---

नागपुर, दिनांक 27 फरवरी- 1976

यतः मुझे, एस० एस० राय

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है),

की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को

यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका

उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपये से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० टी० एस० 235, सं० नं० 18/24 है तथा जो
भंडारा रोड, नोगपुर में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद श्रनुसूची में

भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय नागपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 4-8-1975 उचित सम्पत्ति के पूर्वोक्त वाजार मृह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैऔर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है मीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति**फ**ल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं विया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उप-धारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्:— श्री चुन्नी लाल खेमचन्द पालीवाल सं०नं ० 8/13 धारस्कररोड, नागपुर।

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) श्री श्रर्जुनदास टिकमदास कंधारी
 - (2) श्री श्रमोक कुमार टिकमदास कंधारी
 - (3) श्री लखमीचन्द टिकमदास कंधारी

स० न० 11/16, कोटा कालनी, नागपुर । (श्रन्तरिती)

को य**ह** सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रष्ठोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्दोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो 'उक्त-अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस म्राष्ट्रयाय में दिया गया है।

अनुसूची

गृह सम्पत्ति प्लाट नं० टी० एस० 235, स० न० 18/24, भंडारा रोड मेथो हास्पिटल के सामने, नागपुर। प्लाट का क्षेत्र:

5,411 वर्ग फीट फी होल्ड 261 वर्ग फीट, लीज होल्ड

5,672 वर्ग फीट कुल

एस० एस० राय, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) स्र्जन रेंज, नागपुर

तारीख: 27-2-76

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 7th April 1976

No. F. 6/76-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to place the services of Shri Yoginder Lal, Private Secretary to Hon'ble Judge at the disposal of the Commission of Inquiry headed by Hon'ble Mr. Justice R. S. Sarkaria, Judge, Supreme Court of India to inquire into certain allegations and complaints against the former Chief Minister and ex-Ministers of Tamil Nadu with effect from the forenoon of 7th April, 1976, until further orders, on usual terms and conditions of deputation.

S. K. GUPTA Registrar (Admn.).

New Delhi, the 5th April 1976

No. F. 6/76-SCA(1).—In continuance of this Registry's Notification of even number dated 12th March 1976, the Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to continue Shri K. K. Sehgal as officiating Principal Private Secretary to Hon'ble the Chief Justice of India upto 27th March, 1976 vice Shri S. Ganesan granted extension of leave.

R. SUBBA RAO Dy. Registrar (Admn.).

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 27th March 1976

No. P-1776/Admn.II.—Shri K. S. Nayak, formerly Lecturer, Computer Science Unit, Indian Statistical Institute, Calcutta has been appointed as Programmer in the Office of the Union Public Service Commission with effect from 2nd March 1976 to 1st May 1976 (both days inclusive).

The 2nd April 1976

No. P-1765/Admn.II.—In continuation of Union Public Service Commission's notification of even number dated 10th Feb 1976, Shri K N Vohra, an officiating Section Officer of the office of the Director General of Posts and Telegraphs, New Delhi. has been allowed to continue to officiate as Research Officer, on deputation basis in the office of the Union Public Service Commission for a further period of one month w.e.f. 1st March 1976, or until further orders, whichever is earlier.

P. N. MUKHERIFE
Under Secy.
for Chairman,
Union Public Service Commission.

New Delhi-110011, the 23rd March 1976

No. A-32014/1/74-Admn.1.—The President is pleased to appoint Shri P. P. Sikka, permanent Personal Assistant (Grade C of CSSS) of the cadre of Union Public Service Commission, to officiate as Senior Personal Assistant (Grade B of CSSS) in the same cadre on purely temporary and ad hoc basis for a period of 60 days w.e.f. 2nd March 1975 (FN) to 30th April 1976 or until further orders, whichever is earlier.

2. Shri P. P. Sikka should note that his appointment as Senior P.A. (Grade B of CSSS) is purely temporary and on ad hoc basis and will not confer on him any title for absorption in Grade B of CSSS or for seniority in that grade.

P. N. MUKHERJEE Under Secy. (Incharge of Administration), Union Public Service Commission.

New Delhi-110011, the 23rd March 1976

No. A-32014/1/74-Admn.I.—Shri P. P. Sikka, a permanent Grade C officer of the CSSS cadre of the Union Public Service Commission, who was appointed to officiate on a purely ad hoc basis in Grade B of the service vide this office Notification of even number dated the 17th January, 1976 has been reverted to Grade C of the same service in the same cadre with effect from the forenoon of 1st March, 1976.

The 29th March 1976

No. A-32014/1/74-Admn.I.—Shri S. P. Mehra, a permanent Grade C officer of the Central Secretariat Stenographers Service cadre of the Union Public Service Commission who was allowed to officiate on a purely ad hoc basis upto 29th February 1976 in Grade B of the service vide this office Notification of even number dated 17th January 1976 has been reverted to Grade C of the same service in cadre with effect from the forenoon of 1st March, 1976.

No. A-32014/1/75-Admn.I.—Shri M. C. Khurana an officiating Grade B officer of the CSSS cadre of the Union Public Service Commission, who was allowed to officiate on a purely ad hoc basis in Selection Grade of the service vide this office Notification of even number dated the 17th January, 1976 upto 29th February 1976, has been reverted to Grade B of the same service in the same cadre with effect from the forenoon of 1st Match 1976.

The 30th March 1976

No. A-32014/1/76-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri M. C. Khurana, an officiating Senior Personal Assistant (Grade B of CSSS) in the cadre of the Union Public Service Commission, to officiate as Private Secretary (Selection Grade of CSSS) in the same cadre on a temporary and ad hocbasis for a period of 46 days from 1st April 1976 to 16th May 1976 or until further orders, whichever is carlier.

P. N. MUKHERJEE Under Seev. Union Public Service Commission.

ENFORCEMENT DIRECTORATE CABINET SECRETARIAT

DEPARTMENT OF PERSONNEL & ADMINISTRATIVE REFORMS

New Delhi, the 25th March 1976

APPOINTMENT

No. A-24/5/75.—The following Enforcement Officers have been appointed to officiate as Chief Enforcement Officers with effect from the date of their assumption of charge and until further orders.

Their places of posting and dates of assumption of charge are indicated against each :—

S. No. Name		Place of posting	Date of assumption of charge	
1. Shri S. M. Banerjee 2. Shri B. K. Dass 3. Shri B. N. Chowdhury 4. Shri K. P. Desai	· ·	Gauhati Jullundur Hyderabad Calicut	10-3-76 8-3-76 15-3-76 9-3-76	
			S. B. JAIN Director	

(CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION)

New Delhi, the 5th April 1976

No. P.4/73-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri P. V. Hingorani, an IPS Officer from Uttar Pradesh Cadre to officiate as Additional Director, Central Bureau of Investingtion and Special Inspector General of Police, Special Police Establishment, New Delhi on a fixed Pay of Rs. 3,000/- (Rupees Three thousand only) per month with effect from forenoon of 5th April, 1976, until further orders.

G. L. AGARWAL Administrative Officer (E) Central Bureau of Investigation.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DIRECTORATE GENERAL, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE.

New Delhi-110001, the 7th April 1976

No. P. VII-4/76-Estt.—The President is pleased to appoint on promotion, the following Subedar Majors/Subedars of CRP Force as Deputy Superintendent of Police (Coy. Comdr/Quarter Master) in a temporary capacity until further orders.

2. They took over charge of the post in the Bns/GCs on the dates noted against each:

Name of Officer	Bn/GC 10 which posted	Date of taking over charge
1. Shri P. S. Yadav .	. 50th Bn	8-2-76 (FN)
2. Shri Sardari Lal Seth	. 45th Bn	18-3-76 (FN)

The 8th April 1976

No. D-I-8/75-Estt.—The President is pleased to appoint on deputation Shri A. N. Saigal, a Senior Prosecutor of Delhi Administration, as Dy. S.P. (Coy. Comdr./Q.M.) in the Central Reserve Police Force, in a temporary capacity until further orders.

2. He took over charge of the post of Dy. S.P. (Coy. Comdr./Q.M.) in 55th Bn., Central Reserve Police Force on the forenoon of 1st March, 1976.

A. K. BANDYOPADHYAY Assistant Director (Admn.).

MINISTRY OF FINANCE (DEPTT. OF ECONOMIC AFFAIRS) INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 6th April 1976

No. 36/A.—In continuation of Notification No. 1834/A, dated 29th January 1976, the ad hoc appointment of Shri R. D. Kulkarni as Administrative Officer is extended upto 31st May,

1976 on the same terms and conditions or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

V. J. JOSHI General Manager.

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I MADHYA PRADESH

Gwalior, the 2nd March 1976

No. OE-I/579.—Shri N. S. Thakur a permanent Accounts Officer, office of the A.G.M.P.-I, is permitted to retire from Government service with effect from 31st October 1976 afternoon, on attaining the age of superannuation.

No. OE-I/580.—Shri V. B. Sidhaya, a permanent Accounts Officer, office of the A.G. M.P.-I, is permitted to retire from Government service with effect from 31st July 1976 afternoon, on attaining the age of superannuation.

No. OE-/581.—Shri J. N. Shrivastava, an officiating Accounts Officer, office of the A.G. M.P.-I, is permitted to retire from Government service with effect from 31st October 1976 afternoon, on attaining the age of superannuation.

S. L. MALHOTRA Sr. Dy. Accountant General (Admu.)

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110022, the 5th April 1976

No. 18354/AN-II.—On attaining the age of 58 years, Shri Krishan Kumar Pathak, Assistant Controller of Defence Accounts will be transferred to the Pension Establishment and struck off the strength of the Department from the afternoon of 31st July, 1976.

No. 40011(2)/75-AN-A(1).—The undermentioned Accounts Officers will be transferred to the pension establishment with effect from the afternoon of the date shown against each on their attaining the age of superannuation.

Sl. No.	Name with Roster Number	:r			Grade	Date from whitransferred to pension establishment	ch Organisation
	Sarvashri						
1.	Surinder Nath (P/26)		-	•	Permanent Accounts Officer	31-5-76	Controller of Defence Accounts, Western Command Meerut.
2.	Parshotam Dayal (P/171)			,	Permanent Accounts Officer	30-4-76	Controller of Defence Accounts, Western Command Meerut.
3.	Mohan Lal Sethi (P/238)				Permanent Accounts Officer	31-5-76	Controller of Defence Accounts, (Other Ranks) North, Meerut.
4.	V. S. Kamat (P/251)			•	Permanent Accounts Officer	30-6 -7 6	Controller of Defence Accounts (Officers) Poons.
5.	Inder Bhan Raizada . (P/496)			-	Permanent Accounts Officer	31-5-76	Controller of Defence Account (Factories) Calcutta.
6.	V. Ananthakrishnan (P/510)		1		Permanent Accounts Officer	30-6-76	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) South, Madras.
7.	K. N. L. Vatsa (P/565)		,	•	Permanent Accounts Officer	30-6-76	Controller of Defence Accounts, Central Command Meerut.
8.	Birendra Nath Chatterjee (P/585)	*			Permanent Accounts Officer	31-5-76	Controller of Defence Accounts (Pensions) Allahabad.
9.	Gyan Chand (P/630)			,-	Permanent Accounts Officer	30-6-76	Controller of Defence Accounts, Central Command, Meerut.
10.	P. O. Philip, (NYA)			, _ _	Officiating Accounts Officer	31-5-76	Controller of Defence Accounts, (Other Ranks) South, Madras.

(2) Having given notice of voluntary retirement from service under the provisions of Article 459(i) CSR, Volume I, Shri Niranjan Singh, Permanent Accounts Officer (Roster No. P/622) serving in the organisation of the Controller of Defence Accounts (Air Force), Dehra Dun, will be transferred to the pension establishment with effect from the forenoon of 26-5-1976.

Entries against serial number 8 in this department notification bearing No. 40011(2)/75-AN-A dated 17-3-76 relating to Shri Niran-lan Singh, are cancelled.

(3) The Controller General of Defence Accounts regrets to notify the death of Shri A. P. Bose, Permanent Accounts Officer (Roster No. P/156) in the organisation of the Controller of Defence Accounts, Patna on 19-3-1976.

Shri A. P. Bose has accordingly been struck off the strength of the department from 20-3-1976 (FN)

S. K. SUNDARAM

SHRAM MANTRALAYA SHRAM BUREAU

Simla, the 8th May 1976

No. 23/3/76-CPL—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on Base: 1960=100 decreased by four points to reach 286 (Two hundred and eighty six) during the month of March, 1976. Converted to Base: 1949=100 the Index for the month of March, 1976 works out to 348 (Three hundred and forty eighty).

A. S. BHARADWAJ, Jt. Dir.

MINISTRY OF DEFENCE INDIAN ORDNANCE FACTORIES DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES

Calcutta-700069, the 31st March 1976

No. 76/M.—The President is pleased to grant extension of Services for one year with effect from 1st March 1976 to Dr. B. B. Kar, Asstt. Surgeon Grade I, Gun & Shell Factory, Cossipore.

R. M. MUZUMDAR Director General Ordnance Factories.

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER Bombay-20, the 27th March 1976

No. CER/2/76.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 20 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No. TCS.I/20, dated the 22nd September 1949, namely:—

In the said Notification after paragraph 8A the following shall be added, namely:—

- "8B Nothing in paragraphs 8 and 8A above shall apply to cloth of the following description:—
- (a) cloth produced for export,
- (b) cloth produced for supply to the Government of India in accordance with an order placed with the producer by the Government of India,
- (c) cloth produced for experimental purposes not exceeding 2500 metres per month."

G. S. BHARGAVA Joint Textile Commissioner.

MINISTRY OF STEEL AND MINES (DEPARTMENT OF MINES)

INDIAN BUREAU OF MINES Nagpur, the 3rd April 1976

No. A-19012(73)/76-Estt.A.—Shri B. Venkata Rao, Quasi Permanent Senior Technical Assistant (Geology) is promoted to officiate in the post of Assistant Mining Geologist in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 8th March 1976, until further orders.

A. K. RAGHAVACHARY Sr. Administrative Officer for Controller.

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700013, the 5th April 1976

No. 2222(SC)/19A.—Km. Sibani Chaudhuri is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of

Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000— EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 18th February, 1976, until further orders.

No. 40/59/C/19A.—Shri S. K. Mahanta, Superintendent, Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Administrative Officer in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- on adhoc basis with effect from the forenoon of 9th March 1976, until further orders.

No. 21/71/19C.—Shri A. Krishna Murthy, Geologist (Jr.) Airborne Mineral Surveys & Exploration Wing, Geological Survey of India relinquished charge of his duties on the afternoon of 21st October, 1975 for joining the post of Senior Hydrogeologist in the Government of Andhra Pradesh on deputation.

V. K. S. VARADAN Director General.

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING FILMS DIVISION

Bombay-26, the 6th April 1976

No. 42/PFII/48-Est.I.—The Chief Producer, Films Division hereby appoints Shri K. S. Nayar, Officiating Chief Accountant, as Accounts Officer, in an officiating capacity in the Films Division with effect from 20th March, 1976 (Forenoon).

R. S. SHARMA Administrative Officer for Chief Producer.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 7th April 1976

No. Λ-22012/5/76-CHS.I.—Consequent on her transfer Dr. (Smt.) P. Pankajam, a specialist Grade II Officer of CHS, assumed charge of the post of Specialist and Medical Superintendent, CGHS Maternity Hospital, R. K. Puram, New Delhi w.e.f. the forenoon of the 5th February, 1976.

2. Dr. (Smt.) P. Pankajam relinquished charge of the post of Obstetrician and Gynaecologist (Specialist Grade II of the CHS), Safdarjang Hospital, New Delhi w.e.f. the afternoon of the 4th February, 1976.

R. N. TEWARI

Deputy Director Administration (CHS).

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION (DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)

DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Nagpur, the 6th April 1976

No. F. 5/11/69-D.II.—For the purpose of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue) Notification Customs No. GSR-448 dated 14th March 1964, I hereby authorise the following officers for six months from the date of issue of this Notification to issue Certificate of Grading in respect of Table Potatoes, which have been graded in accordance with the provisions of the Table Potatoes Grading and Marking Rules, as amended from time to time and formulated under Section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937).

Name & Designation

- 1. Shri R. P. Sachdeva, Assistant Marketing Officer.
- 2. Shri M. C. Chakravarty, Assistant Marketing Officer.

J. S. UPPAL Agricultural Marketing Adviser.

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT & ACCOUNTS

				List of Pr	List of Promissory Notes and Debenture kept in					
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	
		24%	3%	3%	3½%	31%	4%	4%	4%	
		1976	1946	1896-97	1865	1900-01	T. S. D.C.	1960-70	1980	
1.	Privalal Mukherjee on behalf of			-						
•	Ramesh Ch. Banerjee, Signaller- in-Charge, Comilla Telegraph Office		1.1	• •				300		
	Total of Postal Contractors				_			300		
	_									
1. 2.	Civil & Military Gazette, Lahore The Trustees, Tribune Press & News	••		••	1,300		••	• •		
3.	Paper, Lahore	• •	• •	- •	* 1	400	• 1	* *		
4	Bombay The Press Trust of India Ltd.,	4,300		• •	• •	• •	1 **			
4.	Bombay	3,700					1.4			
5.	The Press Trust of India Ltd., Bombay	12,700					• •			
	M/s Dhanuka Industries		500	• •	• •		• •		• •	
7.	M/s. J. K. Business Machines Ltd. Calcutta		1,000							
8.	M/s. Hoare Miller & Co. Ltd.,		Ť							
0	Calcutta		8,000 2,000		• •	• •	* 1	1.7		
9. 10.	M/s. Paul & Co. M/s. National Cable Works Ltd.	• •	2,7000	• •	••	• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •	• •			
	Press Trust of India Ltd. Bombay		7,200	• • •	• • •		• •			
12.	The Bharat Line Ltd.		3,000							
	Balms Lawree & Co. Ltd. Bombay .		100							
	Narandas Rajaram & Co. (P) Ltd.		3,000							
15.	The Press Trust of India Ltd.									
	Bombay	• •	26,200	• •	• •	• •		• •		
	Killick Nixon Ltd.	• •	12,500		• •	• •	• •	• •		
	Protos Engineering Co. Private Ltd.	1.1	10,000		• •		• •	* *	• •	
	Turner Morrison & Co. Ltd	• •	9,000 12,500	• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •	• •	• • •		• •	• • •	
	Gulf Oil (India) Private Ltd. Life Insurance Corporation of India	• •	12,500	- •	• •	• •		• •		
20.	(Central Office) Bombay		27,000	, .						
21.	Killick Nixon Ltd		3,500							
	M/s. South India Export Co. Madras .		500	• •						
	The Pioneer Ltd. Lucknow		1,500							
24.	Mathrubani Printing & Publishing Co, Ltd. Kozhikodi Calicut		1,000							
25	Rabindra Kumar Reshamwala		8,000			• •				
	M/s. Rabindra Kumar Reshamwala .		3,000							
27.	The Daily Gazette, Karachi	• • •	1,000	,,	,,					
28.	Messrs. A.B. Pandit & Co. Karachi	• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •	1,000		1.1					
29.	Messrs. Cowasisee & Sons, Karachi.		200							
30.	Messrs. Lowis Dreyfus & Co. Ltd.									
	Karachi	• •	500	• •	• •		- 1	• •		
31.	M/s. Eastern Steamship Private Ltd	1.1	1,000						, -	
32.	M/s. Gannon Dunkenly & Co. Ltd.		1,000							
33.	Hind Shipping Agencies	• •	1,500							
34.	United India, Fire & General		10,000							
2.5	Insurance & Co. Ltd. The Daily Gazette Press, Karachi	• •		• • •	•••	••		100		
35.	M/s Burma Shell Oil Co. of India Ltd.	• •	• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •	• • •	• • •		• •	1,500		
36.		• • •			• •			1,000		
37.	M/s. Ralli Brothers Ltd		• •	• •	* •	• •	• •	1,000	• •	
38.	M/s. Burma Shell Oil Storage & Distributing Co. of India Ltd. Lahore			1.4			• •	200		
39.	M/s, Burma Shell Oil Storage & Distributing Co, of India Rawalpindi						• •	200		
40.	M/s Allahabad Bank Ltd				• •	• •				
41.	The Mathrubani Printing & Publishing Co. Ltd. Kozhikodi .		• •						, ,	
42	The Daily Gazette Press, Karachi				1.1					
42.	The Daily Gazette Pless, Karacin			 -						

POSTS AND TELEGRAPHS, CALCUTTA. ------

I ODID MIN	D IEEEGKAI 110,	CALCUIA	
Accountant	General Posts and T	elegraphs on 31st December.	1975.

11	12	13	14	15	16	17	18	Name of the Pledgee
4%	4%	41%	4½%	41 %	4}%	41% W. B. loan	5%	
1981	1979	1973	1955-60	1985	1989	W. B. loan 1976	1982	
	• •	••		••	• •	• •	• •	P. M. G. (Bengal & Assam) Bangladesh
			* 1					
					F-1			1. P. M. G. Punjab Telegraph Office. Br.
		• •				• •		2. Do.
	,.				• •			3. Chief Supdt. C.T.O. Bombay.
								4. Do.
	• •		• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •			**	• • •	5. Do.
								6. Chief Supdt. C.T.O. Calcutta.
	• •		••					7. Do.
						• •		8. Do.
	• •		• •			• •		9. Controller of Telegraph Stores, Alipo
								10. Manager Telegraph Workshop Alipo
						• •		11. Chief Supdt. C. T. O. Bombay.
• •		• •					• •	12. Do.
• •		• •	• • •	* *		• •	• •	13. Do.
• •	• •	• •	• • •	• 1	••	• • •	• •	14. Do.
		• •				• •		15. Do.
• •	• •	1.1		* 1		• •	• •	16. Do.
• •	• •	• •	• •	• •	• •	• •	• •	17. Do
• •	• •	• •				• •	• •	18 Do. 19. Do.
				• •		* *		20. Do.
						• •		21. Do,
							• •	22. Chief Supdt, C. T. O. Madras.
• •	• •	• •	••	••	* *	.,		23. Supdt. in charge C. T. O. Lucknow.
		• •		• •		• •		24. Supdt. C. T. O. Kozhikodi Calicut.
• •					• •	• •	• •	25. Chief Supdt. C. T. O. Bombay.
	• •	• •			• •	• •	• •	26. Chief Supdt. C. T. O. New Delhi.
• •	• •	• •		• •	• •	1.4	• •	27. Supdt. in-Charge Telegraph Office Kare
• •	• •	• •	• • •	• •	• •	••	• •	28. Do. 29. Do.
• •	• •	• •		• •	• •	• •	• •	29. Do.
		••	••	••		••		30. Do. 31. Telegraph Office Supervisor (III) D.7
								Matunga, Bombay.
						**		32. Chief Supdt. C. T. O. Bombay.
	• •	• •	• •	• •	• •	••		33. Do.
			* 1			••		34. Do.
	• •			• •		• •	• •	35. Supdt. in-Charge Tele. Office Kara-
• •	• •		• •	• •	1.1	<i>:.</i>	• •	36. Supdt, Telegraph Office Karachi,
• •	• •		••	• •	• •	• •	• •	37. Supdt. in-Charge Tele. Office Karachi.
• •		* 1				• •		38. Chief Supdt. of Tele. C.T.O. Lahore.
		1.1		• •				39. Chief Supdt. C.T.O. Rawalpindi.
				.,		20,000		40. Chief Supdt. C. T. O. Calcutta.
	••			••				41. Supdt. C. T. O. Calicut, Malabar.
			400					42 Sundt in Change Tale Office Tr
			400	• •	• •	• •	• •	42. Supdt. in-Charge Tele. Office, Karae

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT ACCOUNTS List of Promissory Notes and Debenture kept in the Custody of

		List of Promissory Notes and Debenture kept in the C								
1	2	19	20	21	22	23	24	25	26	
		5½%	5½%	5½ % Maharashtra	5½ % M.P.	51/2%	5½% Madras	51/%	51 %	
		1991	1995	1977	1977	1900	1978	2000	1999	
1. Pr	iyalal Mukherjee on behalf of Ramesh Ch. Banerjee Signaller-in-Charge,									
	Comilla Telegraph Office	<u> </u>								
	Total of Postal Contractors	• •					• •	11	• • •	
1. 2.	The Trustces, Tribune Press & News				- 4				* *	
3.	Paper, Lahore	* *	• •		- •		- 1			
4.	Bombay	- 1	• •				1. 4.		. •	
_	Bombay									
5. 6.	,	- ,					• •			
7.		.,				•••	.,	• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •		
8.	M/s. Hoare Miller & Co. Ltd.,									
9.	Calcutta		• •	• •	• •	• •				
10.				••		• • •				
11.	Press Trust of India Ltd. Bombay .	.,								
12.	The Bharat Line Ltd			• •	• •	• • •				
13.	Balms Lawree & Co. Ltd. Bombay .	• •	, .	• •	• •	• •	• •	• •	• • •	
14. 15.	Narandas Rajaram & Co. (P) Ltd. The Press Trust of India Ltd., Bombay	• •		• •	• •	, ,	• •	, ,	-	
16.				• • •	* *	• •		••	••	
17.	Protos Engineering Co. Private Ltd.			•••		• •	• •	• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •	• • •	
18.	Turner Morrison & Co. Ltd			1.4						
19. 20.					• •	• • •	**	**		
21.	(Central Office) Bombay Killick Nixon Ltd		• •	• •		- •	* *	• •		
22.	M/s. South India Export Co. Madras .		• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •	• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •					• •	
23.	The Pioneer Ltd, Lucknow	• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •		••					• •	
24.	Mathrubani Printing & Publishing Co. Ltd. Kozhikodi Calicut									
25.		• •							• •	
26,	,	• •		• •		• •	• •		••	
27.	The Daily Gazette, Karachi	• •		• •			v +	• •	••	
28.	Messrs A. B. Pandit & Co. Karachi			• •				• •	• •	
29. 30.	Messrs Cowasjee & Sons, Karachi Messrs Lowris Dreyfus & Co. Ltd.	• •		• •	• •				• • •	
30,	Karachi		.,	• •						
31.	M/s. Eastern Steamship Private Ltd.			• •	• •			• •		
32.	M/s, Gannon Dunkenly & Co. Ltd			- 4						
33. 34.		• •		• •			• •	••	••	
	rance & Co. Ltd.	• •		- •		* *		• •	. •	
35. 36.	The Daily Gazette Press, Karachi M/s. Burma Shell Oil Co. of India Ltd.	••	• •.		• •	• •	• •			
37.			• •	4.4					.,	
38.	·									
39.				••						
40.	M/s. Allahabad Bank Ltd									
41.		.,				1.5	• •	• •	,,	
42.				.,	• • •					
74.					···		·			

POSTS AND TELEGRAPHS, CALCUTTA.

Accountant General, Posts and Telegraphs on 31st December, 1975

Nume of the Distre-		31	30	29	28	27
Name of the Pledgee		4½ % Kerala 1974	44 % Kerala 1976	5 1 % Maharastra 1980	54% Maharashtra 1979	53 % W. B. 1979
M. G. (Bengal & Assam) Banglades	P. M. C					
			••			••
P. M. G. Punjab Telegraph Office	1. P. M					
			••	• •	• •	* 1
Do.	2.	• • ,		• •	• •	••
Chief Supdt, C.T.O. Bombay.	3. Chief				• •	
Do.	4.	,				, .
Do.	5.			* 1	• •	
Chief Supdt. C. T. O. Calcutta.	6, Chief			• •		• •
Do.	7.	• •				
			. .	••	, .	• •
Do. Controller of Telegraph Stores, Alip	8.				• •	• •
Manager Telegraph Workshop Alipo			1.1			• •
Chief Supdt. C. T. O. Bombay.			• •	4 7	• •	• •
Do.	12.		••	• •	• •	, ,
Do.	13.			• •	• •	•••
Do,	14.		• •			• •
Do.	15.	1				
Do.	16.		1 +	* *	• •	• •
Do.	17.		F +	• •	••	• •
Do.	18.		• •	* 1	• •	••
Do.	19.		• •	• 1	• •	••
Do.	20.	2				
Do.	21.		• •	••	• •	
Chief Supdt. C. T. O. Madras.			• •	• •	• •	••
Supdt. in-Charge C.T.O. Lucknow.			* *	4 *	• •	.,
Supdt. C.T.O. Kozhikodi Calicut.			• •	••	• •	* -
Chief Supdt. C. T. O. Bombay.			• •	• 1	• •	• •
Chief Supdt, C. T. O. New Delhi			• •	• 1	••	• •
Supdt. in-Charge Telegraph Offi			- •	, 1	••	• •
Karachi,	Ka		• •		••	••
Do.	28.				* *	
Do.	29.	2	• •			• •
Dø.	30.	2				
Telegraph Office Supervisor (iii) D. T.			• •	. .	• •	• •
Matunga, Bombay.	Ma		• •	• •	• •	• •
Chief Supdt. C. T. O. Bombay.			• •	1. *		• •
Do.	33,	3		t 1		• •
Do.	34.	3				
Supdt. in-Charge Tele. Office Karachi				• •	• 1	••
Supdt. Telegraph Office Karachi.			* *		• 1	•• •
Supdt. in-Charge Tele. Office Karaci			• 1	• •	• •	
Chief Supdt. of Tele. C. T. O. Lahor	38. Chie	7				
			• •	• •	• •	• •
Chief Supdt. C. T. O. Rawalpind			- •	• •		
Chief Supdt. C. T. O. Calcutta.	40. Chic					
Spedt C T O College Malete	41 Cue-		700			
Supdt. C. T. O. Calicut, Malabar. Supdt. in-Charge Tele. Office, Karach			700	• •		• •
	42. Sub	4				

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
43.	The Maharashtra State Co-operative Bank Ltd.								
44.	Advani Orlikon Private Ltd						••	.,	
45.	The Maharashtra State Co-operative Bank Ltd.		•	,,	* 1				, .
46.	The Maharashtra State Co-operative Bank Ltd.		,	• •		.,	.,		
47.	Allahabad Bank		• •						,.
48.	Herbertson Ltd.	. ,							
49.	R. R. Nabar and Co.				1.1				
50.	Herbertson Ltd.			• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •					
51.	M/s. Cooper Engineering Ltd.				,,				
52.	M/s. Greaves Cotton Co. Ltd								
53.	The Indian Over Seas Bank					• •	• • •		• •
54.	M/s, Gannon Dunkenly & Co. Ltd.					• •			••
55.	M/s, Advani Oerlikon (P) Ltd.		• •				• •	• •	
56.	M/s. Gannon Dunkenly & Co. Ltd		• •				••	••	•••
57.	Scindia Steam Navigation Co. Ltd.	• •	• •	• • •	1.1	• •	• •	••	•
58.	Scindia Steam Navigation Co. Ltd	• •	• •	• •	• •		• •	• •	• •
59.	Reserve Bank of India				• •	• •	• •	• •	
60.	Syndicate Bank Foreign Exchange Divn.				• •	••	.,	, .	,
61,	Batliboil & Co. Private Ltd.	, .	• •	• •	• •	F 4	• • •	* *	• • •
62.	Mehta Vakit & Co	•••	• •			• •		٠.	• •
63.	Development Secretary (F) Life	• •	••	• •	••			• •	٠.
	Insurance Corporation India .			9,000		• •			
64.	Indian Over Seas Bank	• •	• •	• •	• •	• •			• •
65.	The Indian Overseas Bank		• •	• •	• •	• •	• •		
66.	The Indian Over Seas Bank	• •	• •	• •		• •	• •	* 1	• •
67.	The Indian Over Seas Bank	• •	• •	• •	• •	• •	• •		• •
68.	Maharashtra State Co-operative Bank Ltd.	• •	4.	• •	• •	• •	• •	1.	•
69.	United Bank of India, Calcutta	• •	F #	• • •	* *			• •	
70.	M/s. Syndicate Bank	• •	• •	• •	* 1		• •	• •	
71.	M/s. Mackinnon Mackenzie & Co. (P) Ltd								
72.	M/s. Batliwala & Karani		• • •		• • •			• •	
	United Bank of India, H. O. Calcutta .				.,				
74.									
75.	Greaves Cotton & Co. Ltd								100
76.	Killick Nixon Ltd								
77.	M/s. Lional Edward Ltd	• • •		• •	• •		• •	••	•
	Total Telegraph Contractors .	20,700	1,82,700	9,000	1,300	400		3,000	100
	Total P. & T. Contractors	20,700	1,82,700	9,000	1,300	400		3,300	10

	12	13	14	15	16	17	18	Name of the pledgee
								43. Chief Supdt. C. T. O. Bombay.
		1.6			1.4			44. Do.
								45. Do.
	• •	• •	• •	•••	• •	••		43. Do.
							1.1	46. Do.
			• •		• •	• •		47. Chief Supdt. C. T. O. Calcutta.
								48, Chief Supdt. C. T. O. Bombay.
								49. Do.
						• •	1.1	50. Do.
• •							• •	51. Supdt. C. T. O. Poona.
• •	1 -	• •						52. Chief Supdt. C. T. O. Bombay.
				5,000		• •	• •	53. Chief Supdt. C. T. O. Calcutta.
				500				54. Chief Supdt. C. T. O. Bombay.
								55. Do.
1,000		• •						56. Do.
						• •	35,000	57. Do.
						• •	15,000	58. Do.
					• • •		40,000	59. Do,
							30,000	60. Do.
				, .				61. Do.
								62. Do.
				• •		* *	• •	63. Telegraph in Charge, Departmental T Office Bombay (Santa Cruz).
					5,000	••		64. Chief Supdt. C. T. O. Madras.
					10,000			65. Do.
••					5,000			66. Do.
• •	• •				500		• •	67. Chief Supdt. C. T. O. Calcutta.
• •					6,000		4.1	68. Chief Supdt. C. T. O. Bombay.
• •							• •	69. Chief Supdt. C. T. O. Calcutta.
• •	• •		••	• •	• •	• •	• •	 Supdt. Central Telegraph Offi Mangalore.
		••			• •			71. Chief Supdt. C. T. O. Bombay.
								72. Do.
								73. Chief Supdt. C. T. O. Calcutta.
	1,000							74. Chief Supdt. C. T. O. Bombay.
						1.1		75. Do.
						1.4		76. Do.
								77. Do.
1,000	1,000		400	5,500	26,500	20,000	1,20,000	
1,000	1,000		400	5,500	26,500	20,000	1,20,000	

43. 44. 45. 46.	The Maharashtra State Co-operative Bank Ltd. Advani Orlikon Private Ltd. The Maharashtra State Co-operative			, .					
44. 45. 46.	Bank Ltd								
45. 46.				300				• •	
46.	The Maharachtra State Co aperative				2,000				
	Bank Ltd.			7,700					
	The Maharashtra State Co-operative	••	• • •	7,700	••	• •	• • •	••	
17	Bank Ltd.								
4/.	Allahabad Bank								4.1
48.	Herbertson Ltd.					1,400			
49,	R. R. Nabar and Co.					100			
50.	Herbertson Ltd	800							
51.	M/s, Cooper Engineering Ltd	2,500							
5 2.	M/s Greaves Cotton Co. Ltd	5,000							
53.	The Indian Over Seas Bank								
54.	M/s. Gannon Dunkenly Co. & Ltd.							4.1	
55.	M/s. Advani Oerlikon (P) Ltd.						3,000		
56.	M/s. Gannon Dunkenly & Co. Ltd						,		
57.	Scindia Steam Navigation Co. Ltd		, ,						
58.	Scindia Steam Navigation Co. Ltd.								
59.	Reserve Bank of India								
60.	Syndicate Bank Foreign Exchange Divn.								
61.	Batliboil & Co. Private Ltd.		700						
62.	Mehta Vakit & Co								• • •
63.	Development Secretary (F) Life Insurance Corporation India		, -				,,		
64.	Indian Over Seas Bank	• • •	٠.	• •	• •	• • •	• • •	• 1	•
65 .	The Indian Over Seas Bank	• • •	• •	, .	• •	• • •	• •	• •	• •
66 .	The Indian Over Seas Bank	• • •	• •	, .	• •	• • •	• •	• •	• • •
	The Indian Over Seas Bank The Indian Over Seas Bank	• •	• •	• •	• • •	• •	• • •		
67.	Maharashtra State Co-operative Bank		• • •		• •	• •	• •	• •	• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •
68.	Ltd.								
69.	United Bank of India, Calcutta				• •		• • •	25,000	
70.	M/s. Syndicate Bank	.,	11		• •		• • •	23,000	25,000
70,	M/s. Syndicate Dank		•••	• •	• •	••	• •	• • •	20,000
71.	M/s. Mackinnon Mackenzie & Co. (P)							76,700	
72	M/s, Batliwala & Karani	• • •		• •				1,100	• •
72.	United Bank of India, H.O. Calcutta	• •	••		• • •	• •	• •	25.000	- •
73.	Greaves Cotton & Co. Ltd.	• • •	• • •	• •	• • •	• • •	•••	25,000	• •
74.		• -	• •	• •	• •		• • •	• •	
75.	Greaves Cotton & Co. Ltd	• •	• •	• •	• •	• •	• •	• •	
76. 77.	Killick Nixon Ltd	• • •	• •			• • •	 		4,000
	Total Telegraph Contractors .	8,300	700	8,000	2,000	1,500	3,000	1,27,800	29,000
	Total P & T Contractors	8,300	700	8,000	2,000	1,500	3,000	1,27,800	29,000

PART	111	"Cr.c	11
LAKI	TIT-	—აĿႱ.	11

27	28	29	30	31	Name of the pledgee
					43. Chief Supdt. C. T. O. Bombay.
• •	• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •	• •	• •		44. Do.
••		• •	••	• •	H. Du.
			••		45. Do.
	1,500				46. Do.
12,000					47. Chief Supdt. C. T. O. Calcutta.
					48. Chief Supdt. C. T. O. Bombay.
					49. Do,
1.5	• •				50. Do,
					51. Supdt. C. T. O. Poona.
		• •	• •		52. Chief Supdt. C. T. O. Bombay.
		• •	**		53. Chief Supdt. C. T. O. Calcutta.
• •	* *	• •	• •		54. Chief Supdt. C. T. O. Bombay.
	• •		1.4		55. Do.
		• •	• •		56. Do.
		• •	• •	• •	57. Do.
		• •	• •	• •	58. Do.
	• •	• •	• •		59. Do.
	* -	• •	• •		60. Do.
• •	400	* 1	• •		61. Do.
	300	• •	• •		62. Do.
		• •	• -	4.4	63. Telegraph in-Charge Departmental Office Bombay (Santa Cruz).
					64. Chief Supdt. C. T. O. Madras.
1.			• •		65. Do.
			• •		66. Do.
			• •		67. Chief Supdt, C. T. O. Calcutta.
, -		* *			68. Chief Supdt: C. T. O. Bombay.
	• •	• • •			69. Chief Supdt. C. T. O. Calcutta.
• •	••	• •	••		 Supdt. Central Telegraph Office Mangalorc.
1.*			••		71. Chief Supdt. C. T. O. Bombay.
					72. Do.
• •	, .				73. Chief Supdt. C. T. O. Calcutta.
• •	• •	• •	• •		74. Chief Supdt. C. T. O. Bombay.
• •	• •	• •			75. Do.
* *	• •	4,000			76. Do.
		· ·			77. Do.
12,000	1,800	4,000	700	-	
12,000	1,800	4,000	700		

Sd/-ILLEGIBLE Accounts Officer G. S. Section

[No. G. S.-3639 Dated, 23-2-1976]

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 3rd April 1976

No. A-31013/2/75-ES.—The President is pleased to appoint Shri G. Satvanarayan in a substantive capacity in the grade of Senior Aircraft Inspector in the Civil Aviation Department with effect from 1st January, 1976.

The 6th April 1976

No. A-32013/1/76-EC.—The President is pleased to appoint Shri B. N. Madhava Rao, Technical Officer, office of the Controller of Communication. Madras as Senior Technical Officer in the office of the Regional Director, Madras for a period of 69 days with effect from the 2nd Feb., 1976 on ad hoc basis in the leave vacancy of Shri S. V. Iyer, Senior Technical Officer.

No. A-32013/4/75-EC.—The President is pleased to appoint Shri H. L. Dhiman, Assistant Technical Officer, Civil Aviation Training Centre, Allahabad as Technical Officer with effect from the 2nd March 1976 (FN) on a regular basis and until further orders and to post him at the same station.

The 7th April 1976

No. A-32013/4/75-EC.—The President is pleased to appoint Shri K. S. Srinivasan, Assistant Technical Officer, Aeronautical Communication Station, Bangalore to the grade of Technical Officer with effect from the 8th March 1976 (FN) on a regular basis and to post him at Aeronautical Communication Madras.

The 7th April 1976

No. A-32014/2/75-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri G. L. Relwani, Technical Assistant, Aeronautical Communication Station, Bombay as Assistant Technical Officer on a regular basis with effect from the 9th Feb., 1976 (FN) and until further orders, and to post him at the same station.

(This Department Notification No. A-32014/2/75-EC, dated 3rd March 1976 is hereby cancelled).

H. L. KOHLI Dy. Director (Administration).

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Nagpur-440001, the 6th September 1975

No. 24/75.—Consequent upon his appointment as Officiating Superintendent of Central Ecise, Class II, Shri G. C. Lal, Inspector of Central Excise (O.G.), of Nagpur Collectorate who was on deputation as Enforcement Officer, Emergency Risks Insurance Schemes, Kanpur, assumed charge as District Opium Officer, (Superintendent Class II), Shahjahanpur at Tilhar in Narcotics Department in the afternoon of 7th August 1975.

The 23rd October 1975

No. 27/75.—Consequent upon their appointment as Superintendents of Central Excise Class II, the following Inspectors of Central Excise (S.G.) of Nagpur, Collectorate assumed charge as Superintendent of Central Excise, Class II as indicated below.

S. No.	Name of Office	cer	_	Place of Posting	Date of assumption of charge
	S/Shri				
1.	T. N. Bhonde	kar		Supdt. C. Ex. M.O.R.I, Gwalior	16-9-1975 (F.N.)
2.	H. P. Sanghi	•	•	Supdt. (Prev.), C. Ex., Division, Jabalpur.	8-9-1975 (F.N.)
3.	G. N. Bhoot	•	•	Supdt. C.Ex.M.O.R. Dewas	1-9-1975 (A.N.)
4.	M. S. Jog	•	•	Supdt. (Prev.), C. Ex., Division, Indore.	22-9-1975 (F.N.)

No. 28/75.—Shri K. S. Purandare, Superintendent of Central Excise, Class II in Nagpur Collectorate proceeded on 57 days Leave Preparatory to Retirement from 5-9-1975 to 31-10-1975, on expiry of which, he will retire from Government service.

The 21st November 1976

No. 29/75.—Consequent upon their appointment as Officiating Superintendents of Central Excise, Class II, the following Inspectors of Central Excise (S.G.) of Nagpur Collectorate assumed charge as Superintendent of Central Excise, Class II as indicated below:—

Sl. Name of Officer No.	Place of Posting	Date of assumption of charge
S/Shri		<u> </u>
1. K. S. Puranik .	. Superintendent of Central Excise, M.O.R. II, Ratlam.	30-9-1975 (F.N.)
2, N. R. Guha .	. Superintendent of Central Excise (I.G.), B.S.P. Bhilai.	27-10-1975 (F.N.)
3. O. B. Richharia	. Superintendent of Central Excise (Prev), Division-II, Nagpur,	10-11-1975 (F.N.)

No. 30/75.—Shri A. V. Damle, Superintendent of Central Excise, Class II in Nagpur Collectorate has been dismissed from Govt, service with effect from 17-10-1975.

No. 31/75.—The undersigned regrets to notify the death of Shri L. R. Thuse, Superintendent of Central Excise Class II of Nagpur Collectorate on the 11th October, 1975.

R. N. SHUKLA Collector

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 6th March 1976

Ref. No. Raj/IAC(Acq./318.—Whereas, I, C. S. JAIN being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Nil situated at Tipta, Kota

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the Office of the Registering Officer at Kota on 20-8-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by issue of this notice under-sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Krishan Dutta 8/0 Shri Mangal Ram Resident of Kota, at present Fatehpur, Distt. Sikar.
 (Transferor)
- (2) Shri Akbar Ali S/o Shri M. Fazal Hussain Resident of Radha Vilas Ward, Tipta, Kota.

 (Transfered)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2 storeyed house situated at Tipta, Radha Vilas Ward, Kota, more fully described in conveyance deed registered at S. No. 1922 on 20-8-75 by Sub-Registrar, Kota.

C. S. JAIN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, JAIPUR,

Date: 6-3-1976.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 24th March 1976

Ref. No. Phg/275/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

 H. No. BX/52 situated at Mohalla Khera Masjid Phagwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in August 1975

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Shri Lachhman Singh s/o Shri Karam Singh through Shri Milkha Singh s/o Shri Inder Singh V. Chak Bilga, Tech. Nawan Shehar.

(Transferor)

(2) Smt. Suhagwati w/o Shri Dharam Pal r/o H.No. BX/52, Mohalla Khera Masjid, Palahi Gate, Phagwara.

(Transferee)

(3) As at S.No. 2 above and tenant(s), if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half share in S. No. BX/52, Mohalla Khera, Masjid, Palahi Gate, Phagwara as mentioned in the Registered Deed No. 984 of August, 1975 of the Registering Authority, Phagwara.

V. R. SAGAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, AMRITSAR

Date: 24-3-1976.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 24th March 1976

Ref. No. Phg/276/75,76.—Whereas, I. V. R. SAGAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

H.No. BX/52 situated at Mohalla Khera Masjid, Phagwara
 (and more fully described)

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Phagwara in August 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

16-56GI/76

- (1) Shri Lachbmen Singh s/o Shri Karam Singh through Shri Milkha Singh s/o Shri Inder Singh r/o V. Chak Bilga Teh. Nawan Shehar. (Transferor)
- (2) Shri Dharam Pal s/o Shri Pohle Mal Sood r/o H.
 No. BX/52 Mohalla Khera Masjid, Palahi Gate,
 Phagwara. (Transferce)
- (3) As at S.No. 2 above and tenant(s), if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half share in H. No. BX/52, Mohalla Khera Masjid, Palahi Gate, Phagwara as mentioned in the Registered Deed No. 1005 of Agust, 1975 of the Registering Authority, Phagwara.

V. R. SAGAR,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range, AMRITSAR

Date: 24-3-1976.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11th February 1976

Ref. No ASR/AP-1418/74-75-Whereas, I, V. R. SAGAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- nd bearing Land situated at Court Road Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hercto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar in April on 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Shri Biden Chand s/o Shri Uma Chand self and GA of Smt. Krishna Thakur w/o Shri Uma Chand S/Shri Atul Chand & Bimal Chand s/o Thakur Uma Chand, 37 Court Road, Amritsar.

(Transferor)

- (2) Shri Rajinder Singh s/o Shri Mehar Singh Ranl Bagh, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S.No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property & Smt. Raj Kumari & Shri Nath c/o Sraswati Ice Factory ASR, Avninder Singh 45 Court Road Amritsar Parties impleaded.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the, said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 212 of April, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, AMRITSAR

Date: 11-2-1976

(1) Shri T. V. Paul, Proprietor, People's Bank.
(Transferor)

(2) Mrs. Kunjumary Columbus, W/o Sri. Columbus, Kalapurackal House, Edacochin, Ernakulam.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 'JYOTHI BUILDING, GOPALA-PRABHU ROAD, ERNAKULAM, COCHIN-11

Ernakulam, the 19th February 1976

Ref. L.C.No. 53/75-76.—Whereas, I, M. M. KURUP being the Competent Authority under-Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Sy. No. as per Schedule situated at M. G. Road, Ernakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ernakulam on 28-10-1975

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

6.625 Cents of land in Sy. No. 873 of Cochin Corporation, Ernakulam District.

M. M. KURUP
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Date: 19-2-1976.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
'JYOTHI BUILDING, GOPALA PRABHU ROAD,
ERNAKULAM, COCHIN-11

Ernakulam, the 19th February 1976

Ref. L.C.No. 54/75-76.—Whereas, I, M. M. KURUP being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per Schedule situated at M. G. Road Ernakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer

at Ernakulam on 28-10-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act following persons, namely:—

- (1) K. A. Mathew, 89D' Costa Square, Bangalore-5.
 (Transferor)
- (2) Mrs, Kunjumary Columbus, W/o Sri. Columbus, Kalapurackal House, Edacochin, Ernakulam. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

6.535 Cents of land in Sy. No. 873 of Cochin Corporation, Ernakulam District.

M. M. KURUP,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Date: 19-2-1976.

 Shri T. L. V. Rao S/o Shri Laxman Rao, R/o Jinsi, Jehangirabad, Bhopal.
 (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2 Shri Kishanlal Lila S/ Shri Murlidhar Lila, C/o 119, Malviya Nagar, Bhopal. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

Bhopal, the 15th March 1976

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77.—Wheeas, I, V. K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Half north potion of house No. 44, situated at Malviya Nagar, Bhopal

THE SCHEDULE

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at Bhopal on 18-8-1975

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not ben truly stated in the said instrument of

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

Half north portion of house No. 44 situated at Malviya Nagar, Bhopal.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely:—

Date: 15-3-1976.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 15th Mach 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77.—Whereas, I, V. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act) have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

East portion of House No. 10, Palsikar Colony, Indore situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Indore on 31-10-1975 for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Shri Gurumukhdas S/o Khanchandji, 2. Shrimati Indradevi W/o Shri Gurumukhdas, R/o Gopalbagh Colony, H.No. 27, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Sardar Jaswantsingh S/o Shri Sardar Ummarsinghji, R/o Palsikar Colony, H. No. 10/3, Palsikar Colony, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

East portion of House No. 10, Palsikar Colony, Indore.

V. K. SINHA, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhopal.

Date: 15-3-1976.

FORM ITNS----

 Shri Bhagwandas S/o Bhawarlalji Mantri, R/o Khargone-At present, Sarafa, Ujjain.

(Transferor)

(2) Shri Badrilal Gopilalji, R/o Opposit to Shri Das Pleader, Gonda ki chouki, Ujjain.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 15th Mach 1976

Ref. No. IAC/ACQ BPL/76-77.—Whereas, I, V. K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing.

exceeding Rs. 25,000/- and bearing, House No. 4/593 Bada Sarafa (Chatri Chouk), New No. 148 Sarafa Main Road, Ujjain situated at Ujjain

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ujjain on 7-11-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person transferred in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 4/593 Bada Sarafa (Chatri Chouk), New No. 148 Sarafa Main Road, Ujjain.

V. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 15-3-1976,

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 15th Mach 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77.—Whereas, I, V. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Agricultural land, Mauza Gopal Bhauna, P.H. No. 18, Tah-Kawardha

situated at Kawardha

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kawardha on 26-11-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value if the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Sudharam,
 - 2. Ishwari Gokram.
 - Smt. Dhelabai Wd/o Gofran Chandra Vanshi, R/o Village Gopal Bhauna.

(Transferor)

(2) Smt. Kantibai w/o Shri Punaram Chandrayanshi, R/o Sarangpur, Kawardha.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land, Mauza Gopal Bhauna, P.H.No. 18, Teh. Kawardha.

V. K. SINHA
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 15-3-1976.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1 (110001)

New Delhi, the 20th March 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1134/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 57, 5371-75 & 5395-97N situated at G. B. Road, Delhi

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi in August, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market

value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act in the following persons, namely:--

17-56GI/76

(1) Smt. Jashir Kaur w/o Sh. Harmander Singh r/o 9/24, Sham Niwas Warden Road, Bombay-26 now at B-52, Subhadra Colony, Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Sv./Sh. Surinder Kumar Raheja, 2. Darshan Kumar Raheja, 3. Ashok Kumar Raheja, 4. Kailash Kumar Raheja, 5. Parmod Kumar Raheja sons of Sh. Mohan Lal Raheja all r/o W-1, West Patel Nagar, New Delhi. (Transferee)

(3) 1. Shri Mumtaz Chaudhariain, 2. Mangluram Muthuradas, 3. Mohd. Usaf Mohd. Hussain, 4. Mangluram Yusuf, 5, Super Engineering. [Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4 of property on plot No. 57 G. B. Road, three storeyed building bearing Municipal No. VII/5371-75 and 5395-97(N) Delhi and bounded as under :-

North: Building on plot No. 58. South: Building on plot No. 56.

East: Service Lane. West: Main G. B. Road.

S. N. L. AGARWALA,

Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 20-3-1976.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II, 4/14A,ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1 (110001)

New Delhi, the 20th March 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1135/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. 4737/III, Lakshmi Bazar, situated at Delhi Cloth Market, Queens Road, Delhi

(and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi in August, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that th considration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said in respect of any income arising from the transferor: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Shri Murli Dhar s/o Sh. Jagan Nath Agarwal allas Jaggi Mal, r/o 38, Banarsi Dass Estate, Mall Road, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Harbhajan Singh & Surinder Kumar sons of Shri Aya Ram r/o 1635 Gali No. 33, Nai Wala, Karol Bagh, New Delhi. (Transferee)

(3) 1. Shri Chagan Lal, ground floor, 2. Sachdeva Trading Co. First floor, 3. Kanta Ben M. Patel, 2nd floor 4. Sh. Banwari Lal, 3rd floor. [Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later; expires later:
- (b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein defined in Chapter XXA of as are the said Act, shall ave the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Shop with Chabutra in front and bearing No. 4737 Ward No. III with upper four storeyed building constructed on a free-hold plot of land measuring 34 sq. yds. situated at Lakshmi Bazar, Delhi Cloth Market, Queens Road, Delhi.

> S. N. L. AGARWALA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 20-3-1976.

(1) Smt. Gurcharan Kaur w/o Sh. Jagdish Singh r/o 59. Azad Nagar, Krishan Nagar, Delhi-51.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kuldeep Kishore Saxena and Sh. Jagdeep Kishore Saxena ss/o L. Mahabir Kishore Saxena r/o 94, Azad Nagar, Krishan Nagar, Delhi-51.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 4/14A. ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1 (110001)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

New Delhi, the 20th March 1976

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 1AC/Acq.II/1136/75-76.--Whereas, I, S. N. L. AGARWALA,

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 94 situated at Azad Nagar, Krishan Nagar, Delhi-51 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in August, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

THE SCHEDULE

A single storyed house constructed on a plot of land measuring 100 sq. yds. situated at 94 Azad Nagar, Krishan Nagar, Delhi-51.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Date: 20-3-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1 (110001)

New Delhi, the 20th March 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1137/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. VIII/2936 situated at Kali Masjid, Turkman Gate, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in July 1975,

Delhi in September, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Bhagwan Devi d/o Sh. Ram Rakha Mal r/o 2886, Bulbuli Khana, Bazar Sita Ram, Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Dugi Guru, Smt. Mumtaz, 2936, Kali Masjid, Turkeman Gate, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2½ storyed house constructed on a plot of land measuring 65 sq. yds. situated at No. VIII/2936 Kali Masjid, Turkman Gate, Delhi,

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 20-3-1976.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1 (110001)

New Delhi, the 20th March 1976

Rcf. No. IAC/Acq.H/1138/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. 1/2 of 14/85 situated at Punjabi Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Delhi in October, 1975

for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the aforesaid property
and I have reason to believe that the fair market value
of the aforesaid property exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such
apparent consideration and that the consideration for such
transfer as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object
of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) fcilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

(1) M/s. Okay Rubber Corporation, 2.C, Ram Nagar, Pahar Gani, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Surinder Kumar s/o Sh. Aya Ram r/o 1635, Gali No. 33 Naiwala, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1 undivided share of a free-hold plot of land No. 14 on Road No. 85 area 633.33 sq. yds. in the residential colony, Punjabi Bagh, New Delhi area of village Bassai Darapur, Delhi and bounded as under:—

North: Plot No. 12, South: Road No. 71. East: Service Lane. West: Road No. 85.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 20-3-1976.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1 (110001)

New Delhi, the 20th March 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1139/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/2 of 14/85, situated at Punjabi Bagh, New Delhi (and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi in October, 1975

tor an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other disclosed by the transferee for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act, to the rollowing persons, namely:—

 Shri Ram Lal Khurana s/o Sh. Thakar Das r/o H-56 Kiriti Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Surinder Kumar s/o Sh. Aya Ram r/ H. No. 1635, Gali No. 33, Nai Wala, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

½ undivided share of a free-hold plot of land No. 14 on Road No. 85 area 633.33 sq. yds. in the residential colony, Punjabi Bagh, New Delhi area of village Bassai Darapur, Delhi and bounded as under:—

North: Plot No. 12. South: Road No. 71. East: Service Lane. West: Road No. 85.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 20-3-1976.

(1) Shri Ram Kishan s/o Ch. Data Ram r/o WZ-109, Village Khampur, Opp. West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Vishwa Nath s/o Sh. Attar Chand r/o 6837, Ahata Kidara, Bara Hindu Rao, Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1 (110001)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

New Delhi, the 20th March 1976

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. IAC/Acq.II/1140/75-76.—Whereas, I, S. N. J., AGARWALA,

> (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

> EXPLANATION: -The terms and expressons used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

No. 1/2 of E-30 situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Regis-

tration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Delhi in October, 1975

oг

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

THE SCHEDULE

½ share of a free-hold plot of land bearing No. 30 in Block E measuring 500 sq. yds. situated in the Colony known as Rajouri Garden, New Delhi and bounded as under:—

North remaining 1/2 portion. South : Road. East: House No. E-30-E. West: Road.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability

of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/

> S. N. L. AGARWALA, Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-II, Dclhi/New Delhi

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:-

Date: 20-3-1976,

(1) Shri Ram Kishan s/o Ch. Chata Ram r/o WZ-109, Vill. Khampur, Opp. West Patel Nagar, New Delhi.

(2) Shri Attar Chand s/o Sh. Sain Ditta Mal r/o H. No. 6836, Ahata Kidara Bara Hindu Rao, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of a free-hold plot of land bearing No. 30 in Block El measuring 500 sq, yds, situated in the colony known as Rajouri Garden, New Delhl and bounded as under :--

North Plot No. E-29-B. South Road.

East: Plot No. E-30-E.

West : Road.

S. N. L. AGARWALA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 20-3-1976.

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1 (110001)

New Delhi, the 20th March 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1141/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA,

being the competent authority under section 269B of the income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market

value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/2 of E-30 situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in October, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) faciliting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:-

 1. Smt. Hushmuthunisa Begum, 2. Sri Jai Narayan Misra r/o Sardar Patel Road, Secunderabad.

(2) Sri Ragi Raj Kumar, s/o Ragi Kumaraswamy, at

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 1st April 1976

Ref. No. RAC. No. 1/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 4 at S.P. Road Secunderabad situated at Seconderabad

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Secunderabad in August, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reducation or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

18---56GI/76

Sastri Road, Kareemnagar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: Plot No. 4 with old building at Sardar Patel Road, Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range,
Hyderabad

Date: 1-4-1976,

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 1st April 1976

Ref. No. RAC. No. 3/76-77.—Whereas, I, K. S VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4-1-938/R-20 situated at Tilak Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 15-8-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Pushpa Bai w/o Sri Raj Kumar, H. No. 3-2-350 at Chappal Bazar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri K. N. Ahmed H. No. 4-1-938-R-20 at Trilok Road, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said, Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: Ground floor of Shop No. 4-1-938/R-20 at Tilak Road, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad

Date 1-4-1976,

Şeal :

 Smt. Ruknini Bai, H. No. 21-2-547 at Charkaman, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 1st April 1976

Ref. No. RAC. No. 4/76-97.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Shop No. 9 in 4-1-938 situated at Tilak Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under

the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Hyderabad on 15-8-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purusance of Section 269C or the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Sri Anil Kumar Datta, H. No. 67 at Vallabdas Building at Charkaman, Hyderabad,

(Transferee)

(3) T. T. Cutpiece Centre.

[Person(s) in occupation of the propety]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground floor Shop No. 4-938/R-9 at Tilak Road, Hyderabad,

K. S. VENKATARAMAN,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range,

Hyderabad

Date: 1-4-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th April 1976

Ref. No. RAC. No. 5/76-77.—Whereas I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat B-1 F.5 situated at Chiragali Lane, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 15-8-75

for an apparent consi-

deration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Pushpalatha, P/r M/s. Associated Builders & Real Estate Agents, Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

 Sri Bhagwati Prasad, H. No 3-4-556/1 at Barketpura, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: Flat No. B-1 F-5 in Poonam Apartment at Chirag Ali Lane, Hyderabad

K. S. VENKATARAMAN',
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad

Date: 5-4-1976.

 Smt. Pushpalata P/r M/s. Associated Builders. & Real Estate Agents, Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th April 1976

Ref. No. RAC. No. 6/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN.

being the Compent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat B-1 F6 situated at Poonam apartment, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on 15-8-75

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) Smt. Chandra Devi, H. No. 3-4-856/1 at Barakatpura, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: Flat No. B-1 F-6 in Poonam Apartment at Chirag Gali Lane, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad

Date: 5-4-1976.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th April 1976

Ref. No. RAC. No. 7/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

B-3 F-8 situated at Chirag Ali Lane, Hyderabad (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on 15-8-75

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Sald Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

 Smt. Pushpalata P/r M/s. Associated Builders, & Real Estate Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

 Shri Jagdish, H. No. 21-2-785 at Patel Market, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: Flat No. B-3 F-8 in Poonam Apartment at Chirag Ali Lane, Hyderabad.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Hyderabad

Date: 5-4-1976.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE. HYDERABAD

Hyderabad, the 5th April 1976

Ref. No. RAC. No. 8/76-77.—Whereas, I. K, S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. B-4 F-8 situated at Chirag Ali Lane, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registra-

tion Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on 15-8-75

for an apparent consideration which is less than the fair mar-

value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Pushpalata P/r M/s, Associated Builders, & Real Estate Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri Srichand, H. No. 21-2-785 at Patel Market, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: Flat B-4 F-8 in Poonam Apartment at Chirag Ali Lane, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad

Date: 5-4-1976,

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th April 1976

Ref. No. RAC. No. 9/76-77.—Whereas, I. K. S. VENKATARAMAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. B-3 F-7 situated at Chirag Ali Lane, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 15-8-75

for an apparent

,

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act'. In respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Smt. Pushpalata P/r M/s, Associated Builders, & Real Estate Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Biharilal, H. No. 21-2-785 at Patel Market, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: Flat No. B-3 F-7 in Poonam Apartment at Chirag Ali Lane, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad

Date: 5-4-1976.

FORM ITNS----

(1) Smt. Pushpalata P/r M/s. Associated Builders, & Real Estate Agents, Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th April 1976

Ref. No. RAC. No. 10/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

and bearing No.

No. B-4 F-7 situated at Chirag Ali Lane, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been ransferred as per deed registered under the Indian Regstration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on 15-8-75

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

19--56 GI/76

(2) Mrs. Laxmi Bai, H. No. 21-2-785 at Patel Market, Hyderabad.

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: Flat No. B-4 F-7 in Poonam Apartment at Chirag Ali Lane, Hyderabad.

K. S, VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad

Date: 5-4-1976.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th April 1976

Ref. No. RAC. No. 11/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. B-3 F-1 situated at Chirag Ali Lane, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Reistration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on 15-8-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Pushpalata P/r M/s, Associated Builders, & Real Estate Agents, Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Dr. Ajat Kumar & Mrs. Mandukuri R/o B-3 F-1 Poonam Apartment at Chirag Ali Lane, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette:

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: Flat No. B-3 F-1 in Poonam Apartment at Chirag Ali Lane, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad

Date: 5-4-1976,

Seal ·

Smt. Pushpalata P/r M/s Associated Builders,
 & Real Estate Agents, Hyderabad,

(2) Mrs. Rajul M. Shah R/o ffat No. A-1 F-6 at

Poonam Apartment Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabd, the 5th April 1976

Ref. No. RAC. No. 12/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

A-1 F-6 situated at Chirag Ali Lane, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 15-8-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under the Section (1) of Section 269D of the said Act, to following persons, namely:—

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned-

whichever period expires later;

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: Flat No. A-1 F-6 in Poonam Apartment at Chirag Ali Lane, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 5-4-1976

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th April 1976

Ref. No. RAC. No. 16/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. A-2 F-8 situated at Chirag Ali Lane, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 15-8-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Pushpalata P/r M/s Associated Builders, & Real Estate Agents, Abid Road, Hyderabad.
 (Transferor)
- (2) Mrs. Asha Gupta, A-2 F-8 in Poonam Apartment Chirag Ali Lane, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: Flat A-2 F-8 in Poonam Apartment at Chirag Ali Lanc, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 5-4-1976

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th April 1976

Ref. No. RAC. No. 17/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. B-1 F-8 situated at Chirag Ali Lane, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Hyderabad on 15-8-75

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Pushpalata P/r M/s Associated Builders, & Real Estate Agents, Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri Indulal J. Parekh & Smt. Bhanumati J. Parekh, R/o H. No. 4-1-581 A-6 at Troop Bazar, Hydera-bad

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property; Flat No. B-1 F-8 in Poonam Apartment at Chirag Ali Lane, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 5-4-1976

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hydernbad, the 3rd April 1976

Ref. No. RAC. No. 18/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Shops No. 9, 10 & 23 situated at Unity House, Abid Road, Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on 5-8-75,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Sald Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Hindustan Builders, Abid Road, Hyderabad.
(Transferor)

(2) Sri Ravindra Kumar K. Adhla, 68-Jeera Road, No. 16 at Secunderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Sald Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: Shop Nos. 9, 10, 23 at First floor of Unity House at Abid Road, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Hyderabad,

Date: 3-4-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd April 1976

Ref. No. RAC. No. 19/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop

No. 34 in situated at Unity House Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 6-8-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s Hindustan Builders, At Abid Road, Hyderabad. (Transferor)
- (2) Sri Omprakash Gupta, 5-9-30/1/13 at Basherbagh Palace, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: Shop No. 34 ground floor of Unity House at Abid Road, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad,

Date: 3-4-1976

(1) M/s Hindustan Builders, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd April 1976

Ref. No. RAC. No. 20/76-77.--Whereas, I, K. S. Venkataraman.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Shop No. 35 on situated at ground floor of Unity House at Abid Road, Hyderabad (and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 6-8-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(2) Sri Harikishan Gupta, House No. 5-9-30/1/12 at Bashir Bagh, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: Shop No. 35 on ground floor of Unity House at Abid Road, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 3-4-1976

PART III-SEC. 11

FORM ITNS ---

(1) M/s Hindustan Builders of Unity House at Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd April 1976

Ref. No. RAC. No. 21/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shop No. 37 on situated at ground floor of Unity House Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on 6-8-75,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tansfrer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) in the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :---20-56GI/76

(2) Sri Ashok Kumar Gupta, H. No. 5-9-30/1/12 at Bashir Bagh, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: Shop No. 37 on ground floor of Unity House at Abid Road, Hyderabad.

> K. S. VENKATARAMAN, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 3-4-1976

(1) M/s Hindustan Builders, Abid Road, Hyderabad, (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Dilsukhram, Agarwal, at Charkaman, Kittikasher, H. No. 21-7-272 at Hyderabad.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd April 1976

Ref. No. RAC. No. 22/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Shop No. 8 on E.F. situated at Unity House Abid Road, Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on 8-8-75,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax. Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: Shop No. 8 on ground floor of Unity House at Abid Rod, Hyderabad,

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 3-4-1976

(1) M/s Hindustan Builders, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sumitra Bai, H. No. 3-6-369/A/17 Himyatnagar, Hyderabad-29. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th April 1976

Ref. No. RAC. No. 23/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 30 situated at Unity House Abid Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 8-8-75,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Property: Shop No. 30 ground floor of Unity House at Abid Road, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 5-4-1976

(1) M/s Hindustan Builders, Abid Road, Hyderabad. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Prahlad Bai, Goel, H. No. 3-6-369/A/17 Himayathnagar, Hyderabad-29. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd April 1976

Ref. No. RAC. No. 24/76-77.—Whereas,, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 15 of situated at Unity House, Abid Road, Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Hyderabad on 8-8-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Scction 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein:
as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: Shop No. 15 ground floor in Unity House at Abid Road, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 3-4-1976

(1) M/s Hindustan Builders, Abld Road, Hyderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Jagdish Kumar Lalwani, H. No. 3-4-340/1 Lingampally, Hyderabad.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd April 1976

Ref. No. RAC. No. 25/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 3 situated at Unity House at Abid Road, Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on 11-8-75,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: Shop No. 3 on ground floor in Unity: House at Abid Road, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 3-4-1976

FORM I.T.N.S.-

(1) M/s Hindustan Builders, Abid Road, Hyderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S. Srinah, H. No. 5-5-864 at Goshamahal, Hyderabad. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd April 1976

Ref. No. RAC. No. 26/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

Shop No. 44 situated at Unity House, Abid Road, Hyderabad (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 8-8-75,

for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fitteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
or transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection(1) of Section 269D of the Said Act to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: Shop No. 44 on ground floor of Unity House at Abid Road, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tux
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 3-4-1976

-

FORM ITNS--

(1) M/s Hindustan Builders, Abid Road, Hyderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri S. Papa Rao, H. No. 5-5-865 at Goshamahal, Hyderabad. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd April 1976

Ref. No. RAC. No. 27/76-77.—Whereas, I, K. S. Venkataraman.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),

(hereinafter referred to as the 'Said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 38 situated at Unity House at Abid Road, Hyderabad.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 12-8-75,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the 'Said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: Shop No. 38 on ground floor in Unity House at Abid Road, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 3-4-1976

Scal:

(1) M/s Hindustan Builders, Abid Road, Hyderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Damayanti Ganesiriwal, H. No. 8-3-996 at Srinagar Colony, Hyderabad.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

> (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Hyderabad, the 3rd April 1976

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. RAC. No. 28/76-77.—Whereas, I, K. S. Venkataraman,

the publication of this notice in the Official Gazette.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act'), have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

for an apparent consideration which is less than the fair

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Shop No. 23 situated at Unity House at Abid Road, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has

1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on 12-8-75.

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:---

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

Property; Shop No. 23 on ground floor of Unity House at Abid Road, Hyderabad.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. S. VENKATARAMAN.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

Date: 3-4-1976

(1) M/s Hindustan Builders, at Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Moddern Foto, H. No. 4-4-923 at K. S. Lane, Sultan Bazar, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACOUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd April 1976

Ref. No. RAC. No. 29/76-77.—Whereas, I, K. S. Venkataraman,

being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 39 situated at Unity House at Abid Road, Hyd. (and more fully described in the Schedule annexe hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 12-8-75,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the exceeds the apparent consideration therefor by more than parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

21—56GI/76

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: Shop No. 39 on ground floor of Unity House at Abid Road, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 3-4-1976

Seal ;

(Transferor)

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Balkishen Mehta, H. No. 4-4-929 at K. S. Lane, Sublan Bazar, Hyderabad.

(Transferee)

(1) M/s Hindustan Builders, Abid Road, Hyderabad.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd April 1976

Ref. No. RAC. No. 30/76-77.—Whereas, I, K. S. Venkataraman.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Shop No. 40 in situated at Unity House Abid Road,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on 12-8-75,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act,' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons. namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: Shop No. 40 on ground floor of Unity House at Abid Road, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad,

Date: 3-4-1976

C----

FORM ITNS-

(1) M/s Hindustan Builders, Abid Road, Hyderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(Í) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sri Kamal Kishore Malpani, guardian mother Mrs. Shanti Devi, R/o No. 26 Unity House, Hyderabad. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Hyderabad, the 3rd April 1976

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. RAC. No. 31/76-77.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

exceeding Rs. 25.000/- and bearing Shop No. 26 situated at Unity House Abid Road, Hyderabad.

(and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Hyderabad on 9-8-75.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

THE SCHEDULE

Property: Shop No. 26 on ground floor of Unity House at Abid Road, Hyderabad.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922, (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 268D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-4-1976.

Seal:

i

(Transferce)

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s Hindustan Builders, Abld Road, Hyderabad. (Transferor)

(2) Sri Mahesh, Umesh, Mukesh, H. No. 21-7-230 at Charkaman, Hyderabad-2.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd April 1976

Ref. No. RAC. No. 32/76-77.—Whereas, I, K. S. Venkataraman,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Shop No. 32 in situated at Unity House at Abid Road,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Hyderabad on 12-8-75,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: Shop No. 32 on ground floor of Unity House at Abid Road, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 3-4-1976.

(1) M/s Hindustan Builders, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Madhusudhan Malpani, 1-2-82 at Gaganmahal, Hyderabad

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th April 1976

Ref. No. RAC. No. 33/76-77.—Whereas, I, K. S. Venkataraman,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop 27 sitated at Unity House, Abid Road, Hyderabad, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 9-8-75.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considerations therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: Shop No. 27 on ground floor in Unity House at Abid Road, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 5-4-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE. HYDERABAD

Hyderabad, the 5th April 1976

Ref. No. RAC. No. 34/76-77.—Whereas, I, K. S. Venkataraman,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 22 situated at Abid Road Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on 15-8-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M/s Hindustan Builders Abid Road, Hyderabad, (Transferor)

(2) Sri M. A. Hai (Minor) guardian Sri Mohd. Omer. (father) R/o Musheerabad, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: Shop No. 22 on ground floor of Unity House at Abid Road, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 5-4-1976

(1) M/s Hindustan Builders, Abid Road Hyderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th April 1976

Ref. No. RAC. No. 35/76-77.—Whereas, I, K. S. Venkataraman.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Shop No. 24 situated at Unity House at Abid Road, Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on 13-8-75, for an consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not

been truly stated in the said instrument of transfer with the object of---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) Sri M. A. Samad S/o Mohd Omer A-14-881 at Mushirabad Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: Shop. No. 24 on ground floor of Unity House at Abid Road, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 5-4-1976

FORM ITNS----

 M/s. Hindustan Builders, at Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Sri M. A. Rehman, H. No. A-14-881 at Mushirabad, Hyderabad,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th April 1976

Ref. No. RAC. No. 36/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 25 situated at Unity House at Abid Road, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 13-8-75

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indain Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: Shop No. 25 on ground floor of Unity House at Abid Road, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 5-4-1976

FORM ITNS----

(1) M/s. Hindustan Builders, at Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Muthireddy and Sri Raghvareddy, R/o Singapuram village Huzurabad Tq. Kareemnagar Distt. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later

Hyderabad, the 5th April 1976

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. RAC. No. 37/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

EXFLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 13 situated at Unity House at Abid Road, Hyderabad.
(and more fully described in the Schedule annexed

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Hyderabad on 13-8-75

for an a apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
22—56G1/76

THE SCHEDULE

Property: Shop No. 13 on ground floor of Unity House at Abid Road, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 5-4-1976

(1) M/s. Hindustan Builders, at Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. South India Corporation (Agents) Pvt. Ltd., 99, Annanian Street, Madras-1. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Hyderabad, the 5th April 1976

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-

able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. RAC. No. 38/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Shop No. 18 situated at Unity House at Abid Road, Hydera-

bad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 14-8-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Property. Shop No. 18 on ground floor of Unity House at Abid Road, Hyderabad.

(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. S. VENKATARAMAN,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax

Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

Date: 5-4-1976

 Sri Vandireddigari Venkata Reddy, 2. V. Rami-reddy, 3. Sri V. Sadasiva Reddy, all three R/o Ladigam village, Chadalla post Punganur-Tq. Chittoor Dist. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Papu, Jagannadha Reddy, 2, Smt. Papu Sakuntalamma, R/o Shanwaj St. Madanupalli Town, Chittoor Dist. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th April 1976

No. RAC. No. 40/76-77.—Whereas, J, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. Nos. 22.5, 23.2, 26.3, 27.1 situated at Melludodi Villg.

Chittor-Distt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Punganur on 28-8-75

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapted,

THE SCHEDULE

Property: S. Nos. 22.5, 23.2, 26.3, 27.1 total area 15.27 Acres at Melludoddi-Village, Punganur-Tq. Chittoor Dist.

K. S. VENKATARAMAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 5-4-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th April 1976

Ref. No. RAC. No. 41/76-77.—Whereas, I. K. B. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority

under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. Nos. 145, 146 situated at Shaikpet, Villg., Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 15-8-75

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Karimunnisa Begum, w/o Yusuf Sharif, R/o Mohdi lines, at Shaikpet, Hyderabad.
 - (Transferor)
- (2) 1. Abdul Raoof Siddiqui, 2. Sri Ravinder Reddy, No. 1 R/o H. No. 228 A' Class red Mills, Nampally, Hyderabad. Nos. 2 R/o Mallikugurla Village, Warangal Dist.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: Lands in S. Nos. 145, 146 situated at Mohamadi lines, Shaikpet, village, Hyderabad, Area 4 Acres.

K. S. VENKATARAMAN, Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 5-4-1976

Scal:

FORM ITNS ____

 Smt. M. Padmamma, H. No. 3-1-418 at Nimboliadda, Kachiguda, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sri P. Venkiah, H. No. 3-1-418 at Nimboliadda, Kachiguda, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th April 1976

Ref. No. RAC. No. 42/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3-1-418 at situated at Kachiguda, Hyderabad (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 13-8-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'Said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: House No. 3-1-418 at Nimbowliadda, Kachiguda, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Rauge, Hyderabad.

Date: 5-4-1976

Sent:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th April 1976

Ref. No. RAC. No. 43/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1-4-149 situated at Kalaciguda, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 13-8-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

1. Sri/Sri V. Ramchander s/o Venkalah, 2. G. Rajareddy s/o G. Yellareddy, 3. G. Prakashreddy s/o G. Yellareddy, all three residing at Commissary Bazar, Bowenpally, Secunderabad.

(Transferor)

 Sri M. Kantham s/o M. Chandriah, r/o Kummarguda, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: House No. 1-4-149 at Kalasiguda, Secundera-bad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 5-4-1976

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 24th March 1976

Ref. No. P.R. No. 300 Acq.23-465/19-7/7576.—Whtreas, I, P. N. Mittal,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Survey No. 174 paiki Block No. 2 & 3) open land situated at Udhna Magdalla Road, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 26-8-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the trnasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesnid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Mayur Corporation through its partners
 - 1.Bhagwandas Bhakhandas Jariwala, Sagrampura, Main Road, Surat.
 - 2. Popatlal Atmaram Rashivala, Kshetrapal Sheri, Gopipura, Surat.

(Transferor)

- (2) Darshan Industrial Coop. Services Society Ltd., through: President:
 - Shri Hiren Harkisandas Jarivala. Hanuman Sheri, Haripura, Ahmedabad.
 - Arvindkumar Champaklal Sherdivala as Sccretary: Main Road, Sagrampura, Surat.
 - Manherlal Chhaganlal Patel as Joint Sccretary, Soni Falia, Main Road, Surat

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land bearng S. No. 174 paiki Block No. 2 & 3 admeasuring in all 10600 s, yds. (5300 s, yds, each) situated on Udhna Magdalla Road, Surat as fully described in registered deeds Nos. 4047 and 4048 of August, 1975 of the Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL
Competent : Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 24th March 1976

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 24th March 1976

Ref. No. P.R. No. 301 Acq.23-647/19-8/75-76.—Whereas, I, P. N. Mittal,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Block No. A/14 Plot No. 7 and 8 admeasuring 1200 s, yds., situated at Udhna Udyognagar, Surat Dist.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Surat on 20-8-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

 Shri Anilkumar Kantilal Patel, Ellisbridge, Pritamrai Road, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) M/s. Choksi Chemicals Industries, a partnership firm; through partner Jayantikaben H. Shah, Road No. 7, Plot No. 5, Udhna Udyognagar, Dist. Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazettc or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land bearing Block No. A/14, Plot No. 7 and 8 each admeasuring 600 sq. yds. (Total 1200 sq. yds.) situated in Udhna-Udyognagar, Surat as fully described in the registered sale deed No. 3838 of August, 1975 of the Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 24th March 1976

Scal:

12

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 24th March 1976

Ref. No. P.R. No. 302 Acq.23-648/19-7/75-76.—Whereas, J. P. N. Mittal,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the said Λ ct), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Block No. B Plot No. 23, Road No. 1 admeasuring 1300 sq. yds. situated at Udhna-Udyognagar, Dist. Surat

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 22-8-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

23-56GI/76

 Smt. Shantaben Lavjibhai Thakkar, Ayurved Niketan, Hanuman Road, Vile-parle, East, Bombay-57.

(Transferor)

- (2) Hemtax Industries; a partnership firm through partners:—
 - Vinodchandra Jamiatram Panvala, 3-Jivan Vikas Society, Athwa Lines, Surat.
 - Mukesh Rasiklal Panwala, 34075. Dalia Sheri, Navapura, Surat.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot bearing Block No. B Plot No. 23, admeasuring 1300 sq. yds. situated in Udhna Udyognagar Dist. Surat as fully described in the registered sale deed No. 3873 of August, 1975 of the Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 24th March 1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,

AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 26th March, 1976

Ref. No. P.R. No. 303 Acq.23-464/19-8/75-6.—Whereas, I, P. N. Mittal,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 2,5000/- and bearing No.

S. No. 167 paiki open land

situated at Udhna-Magdalla Road, Surat

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at Surat on 16-8-1975

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

 Ishwarlal Girdharilal Patel self and as a karta and guardian of Prakash Ishverlal (Minor), Mukesh Ishwarlal (Minor), all at Hira Modi Sheri, Sagrampura, Surat.

(Transferor)

(2) Navsarjan Industrial Co-op. Services Society Ltd., through its promotor:— Shri Umedram Ganpatram; Sagrampura, Narsinh Sheri, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, hichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same menning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land bearing S. No. 167 paiki Plot No. B/2, admeasuring 6052 sq. yds. situated on Udhna-Magdalla Road, Surat as fully described in the registered deed No. 3631 of July, 1975 of Registering Officer, Surat,

P. N. MITTAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 26th March, 1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 26th March 1976

Ref. No. P.R. No. 304 Acq.23-464/19-8/75-76.--Whereas, I. P. N. Mittal,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S. No. 167 paiki open land situated at Udhna-Magdalla Road, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Λct, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 16-8-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration on such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said ment of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Champaklal Girdharilal Patel self and as a Karta and guardian of Bharatkumar Champaklal (Minor), Hareshkumar Champaklal (Minor), 2. Nareshkumar Champaklal, 3. Pravinkumar Champaklal, All of Hira Modi Sheri, Sagrampura, Surat.

(Transferor)

(2) Navsarjan Industrial Coop. Services Society Ltd., through its promotor; Shri Umedram Ganpatram, Sagrampura, Narsinh Sheri, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land bearing Sur. No. 167 paiki PPlot No. A/2 admeasuring 6052 sq. yds. situated on Udhna Magdalla Road, Surat as fully described in the registered deed No. 3628 of August, 1975 of registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Ahmedabad.

Date: 26th March, 1976

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR,

HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD,

AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 26th March, 1976

Ref. No. P.R. No. 305 Acq.23-464/19-8/75-76.—Whereas, I, P. N. MITTAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 167 Paiki open land

situated at Udhna-Magdalla Road, Surat

(and more fully described in the

schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 16-8-1975

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

 Natverlal Girdharilal Patel self and/or a karta of HUF or guardian of Kirankumar Natverlal (Minor), llira Modi Sheri, Sagrampura, Surat.

(Transferor)

(2) Navsarjan Industrial Coop. Services Society Ltd. through its promotor: Shri Umedram Ganpatram, Sagrampura, Narsinh Sheri, Surat,

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land bearing S. No. 167 paiki plot No. C/2 admeasuring 6052 sq. yds. situated on Udhna-Magdalla Road, Surat as fully described in the registered deed No. 3629 of August, 1975 of Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
`Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 26th March, 1976

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
Ahmedabad-380009

Ahmedabad-380009, the 26th March, 1976

Ref. No. P.R. No. 306 Acq. 23-649/19-7/75-76.—Whereus, I, P. N. MITTAL, being the Competent Authority under section

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 167 paiki Plot No. D/2 open land situated at Mouje Majura, Udhna-Magdalla Road, Surat (and more fully described in the schedule annexed bereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 16-8-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent, consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, n pursuance of Secton 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons namely:—

 Kantilal Girdharilal Patel self and as Karta and guardian of Kalpesh Kantilal (Minor), Hira Modi Sheri, Sagrampura, Surat,

(Transferor)

(2) Shri Dwarkesh Industrial Coop, Services Society Ltd., through its President; Bhaktilal Venilal, Bhutiavas Gopipura, Surat, Manager; Prataprai Sarabhai Desai, Anandnagar Society, Sagrampura, Surat,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Saîd Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open land bearing S. No. 167 paiki Plot No. D/2, admeasuring 6051 sq. yds. situated Udhna-Nagdalla Road, Surat as fully described in the registered deed No. 3630 of August, 1975 of the registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 26-3-1976

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR,

HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD,

AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 26th March, 1976

Ref. No. P.R. No. 307 Acq.23-650/19-8/75-76.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 167. paiki Plot No. E/2 open land situated at Mouje Majura, Tal. Choryasi. Dist. Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Surat on 16-81975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purusance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

 Ambaben Wd/o Girdharlal Govindji, Hira Modi Sheri, Sagrampura, Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Apsara Processors & Industries through partners:—
1. Chimanlal Kirparam.
2. Bipinchandra Sunderial, Behind Jail, Khatodra, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land bearing S. No. 167 paiki Plot No. E/2, admeasuring 6051 sq. yds. situated on Udhna-Magdalla Road, Tal. Choryasi, Dist. Surat as fully described in registered deed No. 3627 of August, 1975 of the Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II Ahmedabad.

Date: 26th March, 1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 26th March 1976

Ref. No. P.R. No. 308 Acq.23--651/19-7/75-76.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and S. No. 167, paiki Plot No. E/1 open land situated at Majura, Tal. Choryasi, Dist. Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 19-8-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) M/s. Navsarjan Organisors, Behind Jail, Khatodra, through its partners
 - 1. Bipinchandra Sunderlal; Jamiatram Ratilal:
 - Smt. Nilaben Mohanlal;
 - Smt. Ilaben Balvantrai; Smt, Taraben Nagindas;
 - Shri Nareshchandra Ramanlal;
 - Arunkumar Chimanlal;
 - Smt. Vidyagauri Keshavram; Smt. Padmaben Hasmukhlal;

10. Prataprai Sarabhai Desai.

(Transferor)

 M/s. Apsara Processors & Industries, 33/1, Plot No. 4, through its partners; Chimanlal Kirparam Lankapati; Bipinchandra Sundarlal,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property mny be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land bearing S. No. 167 paiki, Plot No. E/1, admeasuring 6000 sq. yds. situated at Mauje Majura, Tal. Choryasi, Dist. Surat as fully described in the registered deed No. 3778 of August, 1975 in the Registering Officer, Surat.

> P. N. MITTAL Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Ahmedabad.

Date : 26th March, 1976

FORM ITNS -----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-IT 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 27th March 1976

Ref. No. P. R. No. 309 Acq. 23-652/19-8/75-76.--Whereas, I. P. N. MITTAL,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

R.S. No. 41/4, paiki, Plot No. 4.

situated at Village Umra, Tal. Choryasi,

(and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act.

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 198-1975

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922 or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- (1) I. Dahyabhai Nagindas;
 - Thakorbhai Dahyabhai: 3. Mangubhai Dahyabhai;

 - Amratlal Thakorbhai;
 Niruben Thakorbhai;
 - Narmadaben Dahyabhai;
 - Chimanlal Thakorbhai (Minor); Narendra Thakorbhai (Minor);
 - 9. Bharatbhai Thakorbhai (Minor):
 - Dahyabhai 10. Lalitaben Thakorbhai (Minor); Thakorbhai 11. Bhanuben Thakorbhai (Minor);
 - 12. Ranjibhai Mangubhai (Minor); 13. Ranjanben Mangubhai (Minor);
 - guardian Mangubhai 14. Chandanben Mangubhai (Minor): Dahyabhai
 - Jamnaben Dahyabhai
 - Manjuben Dahyabhai All residing at Olpadi Mahollo, Athwa, Surat.

(Transferor)

Through

guardian

Through

(2) Shri Hanskamal Atmaprakash Grover, 328, Dudhara Sheri, Begampara, Surat,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open land bearing R.S. No. 41/4 paiki, Plot No. 4, admeasuring 669 sq. yds. equivalent to 561-96 sq. mt. situated at village Umra, Taluka Choryasi, Dist. Surat as fully described in the registered sale deed No. 3754 of August, 1975 of the Registering Officer, Surat.

> P. N. MITTAI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-II. Ahmedabad.

Date; 27th March 1976

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 27th March 1976

Ref. No. P.R. 310 Acq. 23-653/19-8/75-76.—Whereas, I, P. N. MITTAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing R.S. No. 41/4, paiki, Plot No. 3,

situated at Village Umra Tal. Choryasi, Dist. Surat. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Surat on 19-8-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

24---56GI/76

(1) 1. Dahyabhai Nagindas;

Thakorbhai Dahyabhai;

3. Mangubhai Dahyabhai;

4. Amratlal Thakorbhai;5. Niruben Thakorbhai;

Narmadaben Dahyabhai;

Chimanlal Thakorbhai (Minor);
 Narendra Thakorbhai (Minor);

Through guardian Thakorbhai

9. Bharatbhai Thakorbhai (Minor); 10. Lalitaben Thakorbhai (Minor);

11. Bhanuben Thakorbhai (Minor);

12. Ranjibhai Mangubhai (Minor);

Through guardian

13. Ranjanben Mangubhai (Minor); 14. Chandanben Mangubhai (Minor):

Mangubhai Dahyabhai

15. Jamnaben Dahyabhai

16. Manjuben Dahyabhai

All residing at Olpadi Mahollo, Athwa, Surat. (Transferor)

(2) Smt, Savitri Rani Atma Prakash Grover, 328. Dudhara Sheri, Begampara Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said Property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

An open land bearing R.S. No. 41/4 paiki, Plot No. 3, admeasuring 689 sq. yds. equivalent to 570-20 sq. mt. situated at village Umra, Tal. Choryasi Dist. Surat as fully described in the registered sale deed No. 3755 of August, 1975 of the Registering Officer, Surat.

> P. N. MITTAL Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II. Ahmedabad.

Date: 27th March 1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 27th March 1976

Ref. No. P.R. No. 311 Acq. 23-654/19-7/75-76.—Whereas, I, P. N. MITTAL.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a flair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

R.S. No. 41/4, paiki, Plot No. 2, situated at Villago Umra Tal. Choryasi, Dist. Surat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Rgistration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 19-8-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been

truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitate the reduction or evasion of liability the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) 1. Dahyabhai Nagindas; Thakorbhai Dahyabhai;
 - Mangubhai Dahyabhai;
 Amratlal Thakorbhai;

 - Niruben Thakorbhai;
 - 6. Narmadaben Dahyabhai;7. Chimanlal Thakorbhai (Minor);8. Narendra Thakorbhai (Minor); Through guardian Thakorbhai 9. Bharatbhai Thakorbhai (Minor); 10. Lalitaben Thakorbhai (Minor); Dahyabhai
 - 11. Bhanuben Thakorbhai (Minor);
 - 12. Ranjibhai Mangubhai (Minor);
 - 13. Ranjanben Mangubhai (Minor); Mangubhai Dahyabhai
 - 14. Chandanben Mangubhai (Minor);
 - Jamnaben Dahyabhai 16. Manjuben Dahyabhai

All residing at Olpadi Mahollo, Athwa, Surat. (Transferor)

(2) Shri Jagdish Prasannvadan Parekh. 66. Shanti Niketan Society. Station Road, Surat,

(Transferee)

Through

guardian

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazotte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open Plot of land bearing R.S. No. 41/4 paiki, Plot No. 2, admeasuring 621 sq. yds. situated at village Umra, Tal. Choryasi Dist. Surat as fully described in the registered sale deed No. 3953 of August, 1975 of the Regstering Officer, Surat.

> P. N. MITTAL Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-II. Ahmedabad.

Date: 27th March 1976

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-3800009, the 27th March 1976

Ref. No. P.R. No. 312 Acq. 23-654/19-7/75-76.—Whereas, I, P, N. Mittal,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. No. 41/4, paiki, Plot No. 1,

situated at Village Umra Tal. Choryasi Dist. Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 19-8-1976

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property I have reason to believe that the fair market value of the propery as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of or the Wealth-tax Act, 1922) or the said Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

S/Shri

- (1) 1. Dahyabhai Nagindas:
 - 2. Thakorbhai Dahyabhai;
 - 3. Mangubhai Dahyabhai;
 - 4. Amratlal Thakorbhai;
 - 5. Niruben Thakorbhai;
 - 6. Narmadaben Dahyabhai;
 - Chimanlal Thakorbhai (Minor);

Narendra Thakorbhai (Minor);

guardian 9. Bharatbhai Thakorbhai (Minor); 10. Lalitaben Thakorbhai (Minor); Thakorbhai Dahyabhai.

11. Bhanuben Thakorbhai (Minor);

Through:

Through

Ranjibhai Mangubhai (Minor); 13. Ranjanben Mangubhai (Minor) 14. Chandanben Mangubhai (Minor): {

guardian Mangubhai Dahyabhai

15. Jamnaben Dahyabhai

10. Lalitaben Thakorbhai (Minor):

All residing at Olpadi Mahollo, Athwa, Surat,

(Transferors)

(2) Shri Navinchandra Chhotalal Gajjar, Somnath Mahadeo Road, Athwa Lines, Surat, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever, period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoyable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land bearing Rev. Sur. No. 41/4 paiki, Plot No. 1 admeasuring 570 sq. yds. situated at village Umra, Taluka Choryasi, Dist. Surat as fully described in the registered sale deed No. 3752 of August 1975 of the Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 27th March 1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,

AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 27th March 1976

Ref. No. P.R. No. 313 Acq.23-655/19-8/75-76.—Whereas, I, P, N. MITTAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and Rev. S. No. 42, paiki land admeasuring 1845 sq. yds. situated at Udhna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 16-8-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C. of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

- (1) M/s Baroda Bricks Factory. a partnership firm through promotors
 - S/Shri:
 - Jivanlal Joitarain;
 Jayantilal Jivanlal;
 - 3. Hiralal Jivanlal: Near Railway Bridge, Udhna.

(Transferors)

(2) Ganga Co-operatve Housing Society; through Chief Promotors: Ramkumar Tarachand Gupta; Kantilal Rughnathbhai Gautmi; Near Jivan Jyot Threatres Udhna.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisiton of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land bearing Rev. Sur. No. 42 (old 42 +43) paiki admeasuring 1845 sq. yds. situated at Udhna Tal. Choryasi, Dist. Surat as fully described in registered deed No. 3635 of August, 1975 of the Registering Officer, Surat.

> P. N. MITTAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 27th March 1976

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, **BANGALORE-27**

Bangalore-27, the 26th March 1976

No. 62/5155/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Western portion of premises bearing No. 15, III Main Road, II Cross, New Tharagupet,

situated at Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Basavanagudi, Bangalore Document No. 2358/75-76 on 15-10-1975

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act'. in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri M. Krishna Rao Shindhe, S/o Late Muthoji Rao Shindhe, No. 161, Kanakapura Road, V. V. Puram, Bangalore-4.

(Transferor)

(2) Shri G. Chandra, S/o G. Rama Naidu, Prop. Sri Venkateshwara Engg. Works, No. 15, III Main Road, II Cross, New Tharagupet, Bangalore.

Οť No. 30, 5th Main Road, 7th Cross, Devanathachar Street, Chamrajpet, Bangalore-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

[Registered document No. 2358/75-76 dated 15-10-75] Western portion of premises bearing No. 15, III Main Road, II Cross, New Tharagupet, Bangalore. Site Area:

} 1352 Sq. ft. East to West: 52' North to South: 26' 6" Boundries :

East: 3rd Main Road, West: Sri P. Venkatachalapathy's property

North: Vendor's property occupied by Shri B. G. Gangappa and

South: Vendor's property—occupation of Vishranthi Bhavan Hotel.

R. KRISHNAMOORTHY

Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date: 26-3-1976

Shri Alex P. C. Sabastian, Pallivatukal Buildings, Kottayam, Kerala State.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri K. I. Mathews, Kallarachel House, Kanjirapally, Kottayam, Kerala State.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 22nd March 1976

No. 62/4688/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

The property being dry, wet and garden agricultural land measuring 5 acres 30 guntas in Survey No. 111/2, 111/3 and 111/4, situated at Kambipura village, Kengeri Hobli, Bangalore South Taluk

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore South Taluk, Document No. 2244/75-76 on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :--

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 2244/75-76 dated 5-8-75]

The property being Dry, Wet and Garden agricultural land measuring 5 acres 30 guntas in survey No. 111/2, 111/3 and 111/4, Kambipura Village, Kengeri Hobli, 111/3 and 111/4, Ka Bangalore South Taluk. Boundries:

East: Badamana limit, West: Survey Nos. 109 and 112,

North: Survey No. 110 and sub division and

South: Survey No. 113 together with all the existing plants, trees tenaments etc.,

The above land is beyond the City limit of 10 KMs from the Corporation boundry.

R. KRISHNAMOORTHY

Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date: 22-3-1976

(1) Shri P. C. Sabastian, Pallivatukal Buildings, Kottayam, Kerala State.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri K. I. Thomas, Kallarachel House, Kanjirapally, Kottayam, Kerala State.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 22nd March 1976

62/4689/75-76/ACQ/B.—Whereas, I. R. No. KRISHNAMOORTHY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

The property being dry, wet and garden agricultural land measuring 4 acres 34-9 guntas with pump house, in survey Nos. 110/1, 110/2, 110/3, 110/4 and 111/1, Kambipura Vilage, Kengeri Hobli, situated at Bangalore South Taluk. (and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bangalore South Taluk. Document No. 2245/75-76 on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

[Registered document No. 2245/75-76 dated 5-8-75]

The property being dry, wet and garden agricultural land measuring 4 acres 34-9 guntas with pump House, in survey Nos. 110/1, 110/2, 110/3, 110/4 and 111/1, Kambipura village, Kengeri Hobli, Bangalore South Taluk.

Plinth: $20' \times 15' = 300$ Sq. ft. (Pump house) A.C. Sheet roof, mud wall.

Boundries :

East: Gollahalli Village,

West: Survey No. 109,

North: Vrishashavati river and Gollahalli Village, South: Survey No. 111 and sub divisions together with all existing plants, trees and tenaments etc.

The above land is beyond the existing limit of 10 KMs from the corporation boundry.

> R. KRISHNAMOORTHY, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date: 22-3-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX Act, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 10th March 1976

C. R. No. 62/4731/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing.

Vacant Revenue Site Nos. 4, 5, 17 and 18 formed in Survey No. 39, of Mathikere Village,

situated at Kasaba Hobli, Bangalore North Taluk, (Now in corporation Limits),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Rajajinagar, Bangalore, Document No. 2123/75-76 on 12-8-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any monyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri D. Rangadhamalu Naidu, S/o Late Dasappa Naidu, No. 4, 9th Cross, Wilson Garden, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri G. K. Krishnappa, Argiculturist, S/o Late Kempaiah, Ramachandrapuram Village, Yelahanka Hobli, Bangalore North Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 2123/75-76 dated 12-8-75]

Vacant Revenue Site Nos. 4, 5, 17 and 18, formed in Survey No. 39, of Mathikere village, Kasaba Hobli, Bangalore North Taluk, (Now Corporation Limits).

Site Area: 60' × 80' = 4800 Sq. ft.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Dato: 10-3-1976

Seal;

(1) Shri D. Rangadhamalu Naidu, S/o Late Dasappa Naidu. No. 4, 9th Cross, Wilson Garden, Bangalore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Perumal Naidu, S/o Sri Nallaiah Naidu, No. 1282, K. N. Extension, Yeshwanthapur, Bangalore-22.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, **BANGALORE-27**

Bangalore-27, the 10th March 1976

No. 62/4732/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Vacant Revenue site Nos. 6, 7, 15 and 16 formed in Survey No. 39, of Mathikere Village, Kasaba Hobli, Bangalore North Taluk

situated at Bangalore North Taluk

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajajinagar, Bangalore. Document No. 2124/75-76 on 12-8-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/ Oт
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-25---56GI/76

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used heroin es are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

[Registered document No. 2124/75-76 dated 12-8-75]

Vacant Revenue site Nos. 6, 7, 15 and 16 formed in Survey No. 39, of Mathikere village, Kasaba Hobli, Bangalore North Taluk, (Now in Corporation Limits).

Each site measuring $30' \times 40'$ and all the four sites

measuring— East to West: 80' } In all 4,800 Sq. ft. North to South: 60

Boundries:

East: Road

West: Camp Road,

North: Sites in the same Survey Nos. 39, South: Road.

R. KRISHNAMOORTHY.

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date: 10-3-1976

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 22nd March 1976

No. 62/4749/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, $C = \mathbf{R}$ KRISHNAMOORTHY,

being the Competent Authority under Section 269B the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market exceeding Rs. 25,000/- and bearing

double storeyed building with garage bearing municipal Nos. 60 and 61, Charles Campbell Road, situated at (Coporation Division No. 49), Civil Station,

Bangaloro

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Shivajinagar, Bangalore. Document No. 1530/75-76 on 4-8-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shrimati R. Leelavathi, W/o Sri K. Ranganna, No. 17, Damodar Mudaliar Street, Ulsoor-Bangalore.

(Transferor)

(2) Shrimati Shahnavaz Banu, W/o Late Budhan Khan Saheb, No. 4641, N. R. Mohalla, Shivaji Road, Mysore.

(Transferee)

(3) Thirunava-Karasu Aranha.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

[Registered document No. 1530/75-76 dated 4-8-75] All that piece and parcel of land together with the double storeyed building bearing municipal Nos. 60 and 61, situated in Charles Campbell Road, in corporation division No. 49, Civil Station, Bangalore.

Site Area:

North: 81' South: 65' East : 80' West : 81'.5" Plinth Area:

Down stairs: 13 squares R.C.C. Upstairs: 12 squares Mangalore tiled. Boundries:

Charles Campbell Road. North:

South: Premises No. 6, Abdul Hafeez Road, East: Premises No. 59. Charles Campbell Road and West: Premises No. 62, Charles Campbell Road.

R. KRISHNAMOORTHY,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 22-2-39 7

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, **BANGALORE-27**

Bangalore-27, the 24th March 1976

C. R. No. 62/4757/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Site with main building bearing No. 134, (Old No. 2-A), Residency Road, Civil Station,

situated at Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore, Document No. 1618/75-76 on 13-8-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisitions of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) Shri Saligram Kapur, S/o Late Shamdas Kapur, No. 12/8, Rama Rao Maney Layout, Akki Thimmanahalli, Shantinagar, Bangalore-27.

(Transferor)

(2) M/s. Mehsons, a partnership firm, represented by its partner Shri Nandlal V. Mehta, Ambika Building, Avanue Road, Bangalore.

(Transferce)

(3) The Vijaya Bank Ltd. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 1618/75-76 dated 13-8-75]

(As contained in the sale deed-Actual measurements vary) Site with main building bearing No. 134, (Old No. 2-A), Residency Road, Civil Station, Bangalore.

Sito Area;

North: 130'.6" South: 137'.6" East : 94'.9" West : 140'

Boundries:

North: 'Malvern House', No. 2 Residency Road,

South: No. 1, Residency Road, called "Pardise" property of Shri H. Moosa Sait.

East: Portion of property No. 134 (New) (old No. 2-A), Residency Road, sold by the Vendor to the purchasers under the Regd. sale deed dated 29-3-75 (Doc. No. 4354).

West: The four feet passage and building, both being property of Pushpakapur Trust.

R. KRISHNAMOORTHY.

Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax. Acquisition Range, Bangalore

Date: 2 Seal:

FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 22nd March 1976

C. No. 62/4758/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

The property being an agricultural land measuring 10 acres with a building and form house out of Survey No. 64, formerly being Survey No. 23 of 29th Block, Vidyanagar Cross, Hanumanthanahalli Post, Devanahalli Taluk, situated at Bangalore District.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Devanahalli Document No. 1455/75-76 on 16-8-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri N. D. Shankar, S/o T. Dasappa, Vidyanagar Cross, Hunumanathanahalli Post, Devanahalli Tluk, Bangalore Dist. (Transferor)

(2) Shri K. B. Rame Gowda S/o A. Bore-Gowda, No. 328, Sadashivanagar, Palace Orchards, Bangalore-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 1455/75-76 dated 16-8-1975]

All the part and parcel of dry land bearing survey No. 64 formerly bearing Survey No. 23 of 29th Block in Vidyanagar Cross, Hanumanthanahalli Post, Devanahalli Taluk, Bangalore District, formerly assessed at Rs. 17.50 and now assessed at Rs. 14.90 together with form house stone revealed well pump set house with 3 HP motors with meter No. NIP 154 and pump set G.I. pipe lines of 2" of about 450' long and the rooms attached thereto of which one of the rooms is being occupied by the tenant above named together with 1 of acre land leased to said tenant to Sri T. A. Rao of M/s. Gan'lo metric aggregates Co. Malleswaram, Bangalore-3 and the compound fences consisting of planted stones pillers and barbed wire on Northern side and Enstern side of the property bounded on the West by National High Way No. 7 road running between Bangalore to Devanahalli. North by land of Shankarappa and Narasimbachari and South by land bearing Survey No. 65 belonging to Shri S. G. Srikantha and East by private property situated more than 10 K.M. from the limits of the Bangalore Municipal Corporation.

R. KRISHNAMOORTHY.

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 22-3-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

BANGALORE-27

Bangalore-27, the 8th March 1976

C. R. No. 62/4761/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House bearing Corporation No. 12-13,

situated at Basappa Road, (Division No. 62), Shanthinagar, Civil Station, Bangalore-27

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Jayanagar, Bangalore. Document No. 1584/15-76 on 13-8-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri S. Sreenivasachar, S/o P. S. Char, residing at "Padmalaya" Matunga Road, Wadala, Bombay-31 represented by his duly constituted agent and General Power of Attorney Sri. P. S. Ranganathachar. residing at No. 18, "Mani Mandir" Basappa Road, Shanthinagar, Civil Station, Bangalore-27.

(Transferor)

(2) Dr. B. Goverdhan Hegde, Professor, Govt. Dental Collage, Bangalore-2. OR

No. 34, 8th Cross, Vasanthanagar,

Civil Station, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 1584/75-76 dated 13-8-751

House bearing Corporation No. 12.13, Basappa Road, (Division No. 62), Shanthinagar, Civil Station, Bangalore-27. Site Area:

East to West: 57' 7 4617 sq. ft. as per the proforma reply filed by the Transferee. North to South: 81'

4617 sq. ft. as per the proforma reply filed by the Transferee. Plinth: 8 squares

Boundries:

North: Premises No. 8 East: site No. 14,

South: Basappa Road (2nd Main Road) and

West: Andree Continuation Road.

R. KRISHNAMOORTHY,

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date: 8-3-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, **BANGALORE-27**

Bangalore-27, the 24th March 1976

C. R. No. 62/4890/75-76/ACQ/B.--Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Vacant site No. 61, 7th Main Road, II Block, Jayanagar

Extension, situated at Bangalore-11

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Basavanagudi, Bangalore. Document No. 1763/75-76 on 14-8-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the Said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:--

Shri S. Chandra Raju, S/o Sri S. Muniswamy Raju, No. 518, 9th Main Road, 4th Block, Jayanagar, Bangalore-11.

(Transferor)

(2) Shrimati K. Parvathamma, W/o Sri B. M. Puttamuddappa, No. 224, 5th Cross, II Block, Jayanagar, Bangalore-11.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (b) by any other person interested in the said immov-45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 1763/75-76 dated 14-8-75] Vacant site No. 61, 7th Main Road, II Block, Jayanagar Extension, Bangalore-11. Site Area:

East to West = 80'North to South = 40' } 3,200 Sq. ft.

Boundries:

East: 7th Main Road, West: Site No. 442, North: Site No. 62 and South: Site No. 60.

> R. KRISHNAMOORTHY, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Bangalore.

Date: 24-3-76

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 22nd March 1976

62/4796/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. C. R. No. KRISHNAMOORTHY,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Premises bearing old No. 44, then 57, then 61 and at present No. 3 at Mallikarjuna temple street situated at Telugupet, Bangalore Corporation Division No. 16)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Gandhinagar, Bangalore. Document No. 2153/75-76 on 28-8-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been OF which ought to be disclosed by the transferee, for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C. of Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:---

- (1) (1) K. M. Muniyappa,
 - (2) K. M. RAMUSA, (3) Smt. Rukmini Bai,

 - (4) Smt. Muniratna,(5) Smt. Lakshmi Bai,
 - (6) Smt. Sumitra, (7) Smt. Prema,

(8) Smt. Ganga Bai,
W/. Late Sri. K. M. Muneswarasa,
Children of Late Sri K. M. Muneswarasa.
All residing at No. 5, II Cross, Huripet, Bangalore

(Transferor)

(2) Sri. M. Chainraj, S/o. Sri. P. Mangilal Gotwat, residing at No. 96, Diagonal Road, Visweswarapuram, Bangalore-4.

(Transferce)

(3) (1) Narayan Rao, (2) Sri. Narada, (Persons in occupation of the property).

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

[Registered document No. 2153/75-76 dated 28-8-1975] Premises bearing old No. 44, then 57, then 61, and at present No. 3, of Mallikarjuna temple street, Telugupet, Bangalore. (Corporation Division No. 16). Site area :-

On the North—East to West=38'
On the North—South to North=264'
and on the its South—East to West=32'.10' and on its
East—North to South=104' on the Western side 7' together with the right of passage and entrance up to Mallikarjuna temple street.

Plinth :-

about 11 squares building.

Boundries:

East by : West by : Nataraja Shamajah's house. Deshmudre Muniyapp's house.

North by : S. Nanjundappa's house.

South by: Appasa's house and common passage, between the vendors and Appaca of 27 Ankanas extend (House fallen down) and with Varandah. back space, (hithla) e.c.

R. KRISHNAMOORTHY.

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore.

Date: 22-3-1976.

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 22nd March 1976

C. R. No. 62/4766/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Sald Act') have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Property with building, with fixtures and fittings, compound walls and vacant space bearing No. 28, situated at Residency Road, Civil Station, Bangalore-25

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore. Document No. 1647/75-76 on 16-8-1875

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

- (1) (1) Mr. C. J. Heyes,
 - (2) Mr. Alfred Hayes,
 - (3) Mrs. Emily Pearce,
 - (4) Mrs. Adelaide Beck,
 - (5) Miss. Ellen Hayes, All being the children of late Mr. Alfred Bernard Heys. Sl. No. 1, 2, 4 & 5 residing at No. 28, Residency Road, Civil Station, Bangalore-25 and Sl. No. 3 residing at No. 29, Residency Road, Bangalore,
 - (6) Sister Mary Imelda, d/o, Late Sri Alfred Bernard Hayes represented by her G. P. Holder Mr. C. J. Heyes.

(Transferor)

(2) Dr. N. Krishna Murthy, S/o N. Adinarayanappa, No. 1, Cornwall Road, Civil Station, Bangalore-25. (Transferee)

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 1647/75.76 dated 16-8-1975]

All that portion of the property with building with Fixtures, with fittings, compound walls and vacant space comprised in the composite property bearing No. 28, Residency Road, Civil Station, Bangalore-25 as mentioned in the schedule of the document No. 1647/75.76 mentioned above.

R. KRISHNAMOORTHY.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 22-3-1976.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 22nd March 1976

C. R. No. 62/4770/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Premises bearing old No. 48, and New No. 9, Stephen's Road, situated at Fraser Town, Bangalore-5.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Shivajinagar, Bangalore. Document No. 19-8-1975

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

26-56GI/76

(1) (1) Nasrulla Sheriff,

Asadulla Sheriff, Sons of late Sri M. A. Razzaque Saheb, New No. 9 (old No. 48), Stephen's Road, Fraser Town, Bangalore-5.

(Transferor)

(2) Shri Syed Shafiur Rehman S/o Shri Syed Abdul Majced, No. 11, Davis Road, Sagayapuram, Bangalore-5.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 1660/75,76 dated 19-8-75]

All that piece and parcel of land with all buildings standing thereon and vacant land situated at premises No. 48, New No. 9, Stephen's Road, Fraser Town, Bangalore-5.

Site Arca:--

On the North: 38'+65'

On the South: 66'+57' On the East: 40' On the West: 49'+18' About 5,400 sq. ft.

Consists of a portion of a dwelling house of about 16.5 squares with open land being utilised as garden measuring about $38' \times 40'$

Boundries :-

North: Premises No. 48/2, Stephen's Road belonging to

Capt. R. Venugopal, South: Portion of No. 48, Stephen's Road belonging to Sri Darison,

East: Portion belonging to Late Subedar R. E. Tiruvengadam and

West: Stephen's Road.

R. KRISHNAMOORTHY. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore.

Date: 22-3-1976.

Scal:

No. 12, Casurina Street, Bangalore-1.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 24th March 1976

C. R. No. 62/4777/75-76/ACQ/B.—Whereas, I. R. KRISHNAMOORTHY,

being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House New No. 50 (old No. 47), situated at Kalahalli, Civil Station, Bangalore. (Division No. 50)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Shivajinagar, Bangalore. Document No. 1766/75.76 on 26-8-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax* Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

 Shrimati Neela, W/o. Sri B. P. Mahadev, No. 43, Kalhally, Bangalore-42.

(Transferor)

(2) Shri V. A. Poulose, S/o. Sri Anthony,

(3) (1) Sri Vasu,

(2) Baby

- (3) Kuttan
- (4) Gangadharan
- (5) George
- (6) Thomas
- (7) Jony
- (8) Achan Kunjan
- (9) Annamalai.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said lumnovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 1766/75.76 dated 26-8-75]

All the piece and parcel of land together with structures standing thereon presently bearing Municipal No. 50 (old No. 47), Division No. 50, Kalahally, Civil Station, Bangalore inclusive of all the casements appurtenant thereto.

Site area :--

North: 75'
South: 70'
East: 36'
West: 36'

2,610 sq. ft.

Plinth: 688 Sq. ft.

Boundries :--

North: Arjun Rao's property South: Purchaser's property East: Kalahally Road and

West: Remaining extent of Vendor's property.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Baugalore.

Date: 24-3-1976.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 8th March 1976

C. R. No. 62/4785/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A portion of site with an old tiled roofed building bearing No. 89/1 situated at IV Main Road, Malleswaram, Bangalore-3.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Rajajinagar, Bangalore. Document No. 2328/75-76 on 22-8-1975

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsuction (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri N. L. Govindaraj,

S/o. Late Sri N. G. Lakshminarasimha Iyengar, No. 89/1, 1V Main Road, Malleswaram,

(Transferor)

(2) Shrimati Sunanda Narayan, W/o. Sri N. L. Narayan, No. 90, 13th Cross, 4th Main Road, Malleswaram, Bangalore-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 2328/75-76 Dated 22-8-75]
A portion of site with an old tiled roofed building bearing No. 89/1, IVth Main Road, Malleswaram, Bangalore-3. Site Area:—45′×45′ = 2,025 Sq. ft.

Plinth:—1225 Sq. ft. as per the proforma reply filed by the transferee.

Boundries :--

East: -Sri N. L. Narayan's property,

West:—Portion of premises No. 89/1, retained by the Vendor,

North :--Sri N. L. Ramaswamy Iyengar's property and

South: Vacant portion of 89/1, measuring 6' North to South and 90' East to west to be used as common passage between the parties to this deed.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 8-3-1976,

Scal :

FORM JTNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 22nd March 1976

C. R. No. 62//4792/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House bearing old Municipal No. 46 and present No. 67 (western side) Choudeshwari Temple Street, situated at Bangalore-2 (Division No. 41)

(and more fully described in the

Schedule annexed heroto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gandhinagar, Bangalore—Doc. No. 2096/75-76 on 25-8-

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) 1. R. Gurumurthy, S/o. Devangada late G. Ramiah
 - 2. G. Subbiah
 - 3. G. Madhava Sons of Shri R. Gurumurthy.
 - 4. G. Karuna
 - G. Aruna (Minovj)
 Represented by father and natural Guardian Shri
 R. Gurumurthy,

All residing at Door No. 67, Chodeshwari Temple street, Bangalore-2.

(Transferor)

(2) L. N. Munirathna Setty, S/o. L. M. Narayana Setty, Door No. 80, Govindappa Road, Basavanagudi, Bangalore-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 2096/75-76

dated 25-8-75]

House bearing old Municipal No. 46 and present 67 (western side), Chowdeshwari Temple Street, Bangalore. (Division No. 41).

Site area :-

E to W—13'-6" N to S—42'-9" $\}$ 607 sft.

Plinth about 11 squares

Boundaries :--

East by: Portion of the same property New No. 67, retained by the vendors.

West by Property belonging to Sri B. Bhadrinarayan and Shri N. Surappa.

North by: Common passage to the property purchased by the vendees and the remaining portion of the property retained by the vendors.

South by: Portion of house property belonging to Shti R. Adinarayan Rao.

R. KRISHNAMOORTHY,

Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore.

Date: 22-3-1976,

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 22nd March 1976

Ref. No. C.R. No. 62/4808/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R, KRISHNAMOORTHY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Northern side of the property being a vacant site bearing Khata No. 285/1, Rly. Station Road situated at Robertsonpet, K. G. F. Kolar District

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bangarpet Doc. No. 2459/75-76 on 21-8-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Sald Act', hereby initiate poceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely:—

 Shri C, N. Nibhunantham, S/o. late C. Narayana Swamy Mudaliar, No. 23, Temple Road, Kilpauk, Madras-10.

(Transferor)

 Shri P. S. Jaleel, S/o late Hajee Abdul Samad, Morchant, Minni Ibrahim Road, Robitsonpet, K.G.F.

- N. Ibrahim, S/o. late Fakir, Merchant, Robertsonpet, K.G.F.
- M. Gaffar Shariff, S/o late Mohammed Ghouse, Merchant, Robertsonpet, K.G.F. and
- 4. R. Syed Athaf Ahmed, S./, Shri R. Syed Abdul Rahiman, Merchant, Robertsonpet, K.G.F.

 (Transferce)
- (4) 1. D. B. Champalal-Gita Road, Robertsonpet
 - 2. D. B. Shavbilal-B. M. Road, Robertsonnet
 - 3. D. B. Mohanlal-1 Cross Road, Robertsonpet
 - D. B. Parasmull—1 Cross Road, Robertsonpet, K.G.F.

Sons of late D. Bhananilal

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 2459/75-76 dated 21-8-1975]

Northern side of the property being a vacant site bearing municipal Khata No. 285/1, measuring east to west: the passage portion marked as EFGH, with the zine sheet Doors in the plan, by 12 feet and North to South by 23 feet and thereafter, the vacant site marked as ABCD in the plan, measuring East to West 81 feet and North to South 123 feet (including the northern wall, to the extent of 81 feet breadth) at Railway Station Road Robertsonpet, K.G.F.—Robertsonpet Hobli, Bangarpet Tq. on municipal Khata No. 285/1, the entire site is behind the two rows of shops and the passage mentioned is in between the two rows of shops and the said site is bounded on the

East: Building and vacant space of Sri C. S. Jayanan-dam.

West: Building and vacant space of Sri C. T. Tirumal North: 4th Block road and

South: Railway station road

and all casementary rights attached thereto.

R. KRISHNAMOORTHY,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax.
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 22-3-1976.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, **BANGALORE-27**

Bangalore-27, the 26th March 1976

C.R. No. 62/5536/75-76/ACQ./B.—Whereas, I, KRISHNAMOORTHY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Northern portion of premises bearing No. 15, III Main Road, II Cross, New Tharagupet, situated at Bangalore

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bangalore Document No. 3232/75-76 on 14-1-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :--

(1) Shri M. Krishna Rao Shindhe s/o Late Muthoji Rao Shindhe, No. 161, Kanakapura Road, V. V. Puram, Bangalore-4.

(Transferor)

1. Shri B. G. Shivashankar;
 2. Shri B. G. Umesh sons of B. G. Gangappa, No. 16, I Main Road, 5th Cross, Chamrajpet, Bangalore-18.

(Transferees)\

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered document No. 3232/75-76 Dated 14-1-1976)

Northern portion of premises bearing No. 15, III Main Road, II Cross, New Tharagupet, Bangalore.

Site Area .--

East to West: 43' }860 Sq. ft. North to South: 20'

Plinth: Ground floor, About 11 squares,

Boundaries :--

East : 3rd Main Road,

West: Sellers' property in the same No. 15 (Western wall

in common).

North: II Cross and South: G. Chandra's property in the same No. 15 (South-

ern wall is common).

R. KRISHNAMOORTHY, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date: 26-3-76.

Scal ;

_----

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE, **BANGALORE-27**

Bangalore-27, the 26th March 1976

Ref. No. C.R. No. 62/5537/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Southern portion of premises bearing No. 15, III Main Road, II Cross, New Tharagupet situated at Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore Document No. 3234/75.76 on 14-1-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe hat the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

- (1) Shri G. Chandra, s/o S.i G. Rama Naidu, Prop. Sree Venkateshwara Engg. Works, 15/1, III Main Road, II Cross, New Tharagupet, Bangalore.
 - No. 30, 5th Main Road, 7th Cross, Devanathachar Street, Chamrajget, Bangalore-18. (Transferor)
- (2) Shri B. G. Rajachekkar, s/o B. G. Gangappa. No. 16, I Main Road, 5th Cross, Chamrajpet, Bangalore-

(4) Smt. P. Subhadramma, w/o Sri P. Venkatechala-Pathy, 61-62, East Park Road, Malleswaram, Bangalore-3.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Gazette,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 3234/75-76

Dated 14-1-761

Southern portion of premises bearing No. 15, III Main Road, Il Cross, New Tharagupet, Bangalore,

Site Area:-

East to West: 25' North to South: 10'

Plinth: -Ground floor 21 Squares

Boundaries :--

East . III Main Road.

West: Portion of the same number belonging to the Selfer.

number belonging to North: Portion of the same Shri M. Krishna Rao Shindhe sold to M/s. B. Shivashankar and B. G. Umesh and G.

South: Portion of the same number belonging to Shri B. M. Nanjundappa.

> R. KRISHNAMOORTHY, Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore

Date : 26-3-76

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE,

BANGALORE-27

Bangalore-27, the 26th March 1976

C. R. No. 62/5537(A)/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY,

being the competent authority under section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Portion of premises bearing No. 15 III Main Road, II Cross. New Tharagupet, situated at Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavanagudi

Bangalore, Document No. 2725/75-76 on 19-11-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

(1) Shri M. Krishna Rao Shindhe, s/o Late Shri Muthoii Rao Shindhe; No. 161, Kanakapura Road, V. V. Puram, Bangalore-4.

(Transferor)

(2) Shri B. N. Nanjundappa, s/o M. P. Puddamallappa, No. 259/260, I Main Road, Chamarajpet, Bangalore-18.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Registered document No. 2725/75-76 Dated 19-11-751 Portion of premises No. 15, III Main Road, II Cross, New Tharagupet, Bangalore.

Site Area:-

East to West: 25' including the walls on the Eastern side.

North to South: 10' including the walls on the Northern side.

Boundaries :-

East: III Main Road,

West: G. Chandraiah's work shop, North: Property of G. Chandra and

South: Vendor's property-in occupation of Vishranthi

Bhavan Hotel.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 26-3-76.

Scal:

(1) Alex P. O. Sabastian, Pallivatukal Buildings, Kottayam, Kerela State, (Tanaferor)

(2) Shri K. I. Abraham, Kallarachel House, Kanjirapally, Kottayam; Kerala State.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and experience used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Reistered document No. 2242/75-76 Dated 5-8-1975] The property being Dry, wet and Garden agricultural land measuring 7 acres 11 guntas with a tiled roof building, in Survey No. 109, Kambipura Village, Kengeri Hobli, Bangalore South Taluk.

Plinth. $-40' \times 20' = 800$ sq. ft. tile roof, mud wall and cement floor.

Boundaries :--

East: Survey No. 110 and 111 and sub divisions.

West ; Survey No. 106 and 115. North: Vrishashavathi River and

South: Survey No. 112 together with all the plants, trees tenaments etc.,

The above land is beyond the ceiling limits of 10 Kms. from the Corporation boundry.

> R. KRISHNAMOORTHY. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range, Bangalore

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE,

BANGALORE-27

Bangalore-27, the 22nd March 1976

C. R. No. 62/4686/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the

immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

The property being Dry, Wet and Garden agricultural land measuring 7 acres 11 guntas with a tiled roof building in survey No. 109, Kambipura Village, Kenbari Hobli, situated at Bangalore South Taluk

(and more fully described in the Schedule annuexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bangalore South Taluk, Document No. 2242/75-76 on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', In respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :---

27-56GI/76

Date: 22-3-76,

Scal;

FORM ITNS.....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 22nd March 1976

C. R. No. 62/4687/75-76/ACQ./B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

the property being Dry, Wet and Garden agricultural land measuring 6 acres 14 guntas with writers' quarters, in Survey No. 112, Kambipura Village, situated at Kengeri Hubli, Bangalore South Taluk

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore South Taluk, Document No. 2243/75-76 on 5-8-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the porperty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiaté proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Alex P. C. Sabastian, Pallivatukal Buildings, Kottayam, Kerala State.

(Transferor)

(2) Shri K. I. Jacob, Kallarachel House, Kanjirapally, Kottayam, Kerala State.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered document No. 2243/75-76 Dated 5-8-75)
The property being Dry, Wet and Garden agricultural land measuring 6 acres 14 guntas with writers' quarters in Survey No. 112, Kambipura Village, Kengeri Hobli, Bangalore South Taluk.

Plinth:—40'×30'=1200 Sq. ft. (Writers' quarters) tile roof, mud wall and cement floor.

Boundaries :-

East . Land in Survey No. 113.

West: Land in Survey No. 105 and 104.

North: Land in Survey No. 109 and 111 and sub-divisions. South: Land in Survey No. 113, 123, 124 and approach road. The above land is beyond the ceiling limit of 10 KMs from the Corporation boundary.

R. KRISHNAMOORTHY,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 22-3-76,

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 29th March 1976

C. R. No. 62/5079/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

Western side of premises bearing No. 97, situated at 3rd Cross, Magadi Road, Bangalore (Division No. 13)

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Gandhinagar, Bangalore. Document No. 2673/75-76 on 23-10-1975

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 1. B. A. Bhagawan Murthy \$/0 Sri B. A. Srirama Murthy, 2. B. A. S. Balarama Murthy, 3. Miss Hema Neela, 4. Mrs. Suryabai, 5. Mrs. Sharadamma, 6. Mrs. Nirmala Krishna Murthy—All residing at No. 7, South End Road, Seshadripuram, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri K. Srinivas s/o K. Seshachar, No. 46, "Aparajit" 13th Cross, Malleswaram, Bangalore-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hercin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered document No. 2673/75-76 Dated 23-10-75)
Western side of premises bearing No. 97, 3rd cross, Magadi Road, Bangalore (Dn. No. 13).
Measuring:

E.W. 24' N.S. 157' approx. 3768 sq. ft. or there about.

With all the covered roof, tenaments etc. thereon in the existing dilapidates condition built in 1928 and now a portion called "Globe Iron Foundry". But area is about $24' \times 80'$ Mud walls and roofing. Boundaries:

N. Property of the vendor bearing No. 97. Mortgaged to Sri B. M. Ashwathanarayana Setty.

S. Premises (shops) bearing Nos. 97/6, 97/7 and passage of 17' for entrance of the above premises from the main Magadi Road.

E. Open space and the property sold to Dr. R. A. Srirangamma.

W. 3rd cross Magadi Road (Open space),

R. KRISHNAMOORTHY,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 29-3-76.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 22nd March 1976

C. R. No. 62/4790/75-76/ACQ./B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Eastern side of premises bearing No. 97, 3rd Cross, Magadi Road, situated at Bangalore (Division No. 13), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore. Document No. 2051 on 20-8-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

- (1) Shri B. A. Bhagwan Murthy, s/o Sri B. A. Srirama Murthy, (2) B. A. S. Balarama Murthy, (3) Miss Hema Neela, (4) Mrs. Surya Bai, (5) Mrs. Sharadamma, (6) Mrs. Nirmala Krishnamurthy.
- All residing at No. 7, South End Road, Seshadripuram, Bangalore.

(Transferor)

(2) Dr. R. A. Srirangamma, M.B.B.S. d/o Sri Ramanuja, lyengar, No. 590/1, 13th Cross Road, Malleswaram, Bangalore-3.

(Transferce)

(4) M/s. Stirling Castings, represented by Smt. Saraswathi Sesharathnam, No. 6, Miller Tank Bund Road, Bangalore-52.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 2051/75-76

Dated 20-8-75]

All that Eastern side of land and building, bearing No. 97, situated in Main Road, Magadi Road, Bangalore (Division No. 13 of the Corporation of Bangalore.)

Boundaries :--

North by property of the Vendor bearing No. 97, mortgaged to Shri B. M. Aswathanarayana Setty.

South by premises (shops) bearing No. 97/1, 97/2, 97/3 and 97/4, and 97/5 and passage of 17' for entrance to the above premises from Magadi Road.

East by open space and remaining properties, belonging to private parties, and on the West by open space and remaining properties of the Vendors, with a right of areas from Magadi Road through the open space measuring 3768 Sq. ft. or thereabout.

Measuring:

North to South 157' East to West 49' (approxmately) with all the covered roof hutments etc. thereon in the existing dilapidated condition called "Globe Iron Foundry".

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 22-3-76.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME.TAX, ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 29th March 1976

C. R. No. 62/5031/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Vacant land being a portion of premises bearing Municipal No. 21 (old Plot No. 20), situated at Da-Costa Layout, Cooke Town, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Shivajinagar, Bangalore. Document No. 2127/75.76 on 8-10-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) (1) Shri A. V. Rajabhadur, (2) A. V. Rajasckharan, (3) A. V. Anantharaman, (4) Miss, A. V. Rembai, (5) Miss A. V. Kasturi, Children of Late A. T. Venkataraman, All residing at 30/A, Charles Campbell Road, Cox Town, Bangalore-5.
 - Sl. No. 1 represented by his P. A. holder Shri A. Y. Rajasekharan.

 (Transferor)
- (2) Shri A. B. Samiulla, 8/0 Dr. Azadulla Beig, No. 2, Noah Street, Civil Station, Bangalore-1. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by way of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 2127/75-76 Dated 8-10-75] Vacant land being a portion of premises bearing Municipal No. 21, (old plot No. 20), Da-Costa Layout, Cooke Town, Bangalore.

Site Area .-

Boundaries :-

East to West: 281'

1.824 Sq. ft

North to South: 64

East: Premises built on site No. 21.

West: 8' wide common passage.

North: portion of property No. 21, belonging to the pur-

chaser and Mohammed Jaffer Shariff and

South: Road.

R. KRISHNAMOORTHY,
Comptent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 29-3-76.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-27, the 24th March 1976

C. R. No. 62/4772/75-76/ACQ/B.—Whereas, 1, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore

being the competent authority under section 269B. of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinaster referred to as the 'said' Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Vacant land being a portion of premises bearing Municipal No. 21, (Old Plot No. 20), Da-Costa Layout, Cooke Town, situated at Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore. Document No. 1675/75-76 on 20-8-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per contof such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :--

- 1. Shri A. V. Rajabhadur, (1) 2. A. V. Rajasekharan 3. A. V. Anantharaman

 - Miss A. V. Kasturi and
 Miss A. V. Rambai Children of Late A. T. Venkataraman Road, Cox Town, Bangalore-5.
 Sl. No. 1 represented by his P.A. holder
 Shri A. V. Rajasekharan.

(Transferor)

(2) Shri Mohammed Shariff, S/o Mohammed Ghouse, No. 12, Slaughter House Road Cross, Civil Station, Bangalore.
Represented by his P.A. holder
Shri A. B. Samiulla,
S/o Dr. Azadulla Beig,
No. 2, North Street, Civil Station, Bangalore-1.

(Transferec)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

[Registered document No. 1675/75-76 dated 20-8-75]

Vacant land being a portion of premises bearing Municipal No. 21 (old plot No. 20), Da-Costa Layout, Cooke Town, Bangalore.

Site Area: $281' \times 64' = 1,824$ Sq. ft.

Boundries:

East: 8' wide common passage

West: Premises built on site No. 19, North: Portion of property No. 21, belonging to the purchaser and A. B. Samiulla

South: Road.

R. KRISHNAMOORTHY

Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date: 24-3-76

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-27, the 27th March 1976

C. R. No. 62/4760/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Old house consisting of Mangalore tiles with open space, bearng No. 1, Eagle Street, Longford Town,

situated at Bangalore-27.

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jayanagar, Bangalore, Document No. 1569/75-76 on 8-8-1975,

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Mrs. Farook' Sultan,
 D/o Late Mir Agha Abdul Hussain,
 No. 14, Moyan-ville Road,
 Longford Town, Bangalore-27.

(Transferor)

(2) Mrs. Hussain Begum alias Johari Begum, No. 3/99, Richmond Town, Bangalore-25.

(Transferee)

(3) 1. Mrs. Irish 2. Mrs. Cherian.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Section.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 1569/75-76 dated 8-8-75]
Old house consisting of Mangalore tiles with open space, bearing, No. 1, Eagle Street, Longford Town, Bangalore-27.
Site Area:

North: 115' South: 118' East: 145' West: 155' } 9,560 Sq. ft.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 27-3-1976

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Banalore-27, the 27th March 1976

C. R. No. 62/4699/75-76/ACQ/B.—Whereas, I. R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Agricultural land measuring 34 acres 20 guntas in Survey Nos. 231, 230, 229, 78 and 85

situated at K. Hemmanahalli, Yelval Hobli, Mysore Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Mysore, Document No. 1806/75-76 on 11-8-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely:—

- Mr. M. Sundara Rao,
 S/o Mr. M. Venkata Rao,
 K. Hemmanahalli, Yelval Hobli, Mysore Taluk.
 (Transferor)
- (2) 1. S/Shri K. Muthuswamy, S/o P. Kalimuthy Gownder,
 - Nanjappa Gounder S/o Ramanna Gounder, Both residing at: Kodeganahalli Village, Amachavadi P.O. Chamrajanagar, Taluk, Mysore Dist.

(Transferee)

(3) M/s. Essen Flour Estates (Pvt) Ltd.,

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 1806/75-76 dated 11-8-75]
Agricultural land measuring:

	Acres 9 11 7 4 2	Guntas 27 01 14 18 00	In Survey Nos. 231 230, 229, 78 and 85 situated at K. Hemmanaha- lli, Yelval Hobil, Mysore Taluk.
al	34	20	

Total
Boundries for each S. No.

S.Nos.	North S. No.(s)	South S.No.(s)	East S. No.(s)	West S. No.(s)
231	233	230	126	79
230	231	229	127	78
229	230	138	129	••
		239		234
78	79	234	230	77
85	Road	84	135	87
respective	ely.		-	

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 27-3-1976

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 20D(1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Banalore-27, the 27th March 1976

C. R. No. 62/4698/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land measuring 32 acres 7 guntas in Survey Nos. 135, 232, 85, 79/1 + 79/2, 84 and 234 situated at K. Hemmanahalli, Yelwal Hobli, Mysore Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mysore, Document No. 1765/75-76 on 2-8-1975, for an apparent consideration,

nich is less than he fair market value of the aforesaid proerty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or e-rasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-Tax act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the Said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

- (1) Mr. Sundara Rao, S/o Mr. M. Venkata Rao, K. Hammanahalfi, Yelwal Hobli, Mysore Taluk.

 (Transferor)
- (2) 1. Mr. P. M. Ponnuswamy S/o Marappa Gownder.
 - Mrs. Chinnapapal, W/o Sri Murugaswamy Gownder.
 Both residing at Kedanahalli, Ammachavadi P.O. Chamarajanagar Taluk, Mysore Dist. (Transferce)
- (3) Nil
- (4) M/s. Essen Flour Estates (Pvt) Ltd., [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered document No. 1765/75-76	Dated 2-8-1975		
Agricultural land measuring :	Acres	Guntas	
	4 10 2 7 3 4	06 30 00 19 32 00	
Total	. 32	2 07	

in survey Nos. 135, 232, 85, 79/1+79/2, 84 and 234 situated at K. Hemmanahalli, Yelwal Hobli, Mysore Taluk. Boundries for each S.No.

Survey Nos.	North S.No(s)	South S.No.(8)	East S.No(s)	West S.No(s)
135	Road	232	101	85
232	135	231	126	84
085	Road	84	135	83
79/1-1-79/2	84	78	231	80
84	85	79	232	83
234 respectively.	78	233	229	234

R. KRISHNAMOORTHY

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 27-3-1976

of :--

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, NAGPUR

Nagpur, the 27th February 1976

Ref. No. IAC/ACQ/40/75-76.—Whereas, I. S. S. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-T.S. No. 235, C. No. 18/24, Bhandara Road, Nagpur situated at Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nagour on 4-8-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Chunnilai Khemchand Paliwal,
 No. 8/13, Eharaskar Road, Nagpur.

(Transferor)

Chai Animada Milandan Kandhari

(2) (i) Shri Arjundas Tikamdas Kandhari.(ii) Shri Ashokkumar Tikamdas Kandhari

(iii) Shri Lakhmichand Tikamdas KandhariC. No. 11/16, Kota Colony, Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property on plot No. T.S. No. 235, C. No. 18/24, Bhandara Road, infront of Mayo Hospital, Nagpur.

Area of Plot 5,411 Sq. Ft. Free-hold. 261 Sq. Ft. Lease-hold.

5,672 Sq. Ft. Total.

S. S. RO

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur

Date: 27-2-1976